हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

www.ksnewsupdates.com

धनबाद, मंगलवार 22 जुलाई, 2025, वर्ष : 34, अंक : 117, मूल्य : 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe
Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

किश्तवाड़ में आतंकवादियों की तलाश में अभियान फिर शुरू

किश्तवाड़ (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों ने घने जंगलों में छिपे आतंकवादियों को ढूंढने के लिए सोमवार को फिर से तलाशी अभियान शुरू किया है। सेना और पुलि के अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान दच्छन और नागसेनी के बीच चेरजी क्षेत्र के खानकू जंगल में चलाया जा रहा है। दरअसल पुलिस और सेना ने मिलकर रविवार दोपहर को यह संयुक्त अभियान शुरू किया था। अभियान के दौरान आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ भी हुई थी। माना जा रहा है कि ये आतंकवादी प्रतिबंधित संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन से जुड़े हो सकते हैं। इसमें से दो शीर्ष आतंकवादियों पर 30-30 लाख रुपये का इनाम घोषित है। मुठभेड़ के बाद इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए और बड़ा तलाशी अभियान चलाया गया। रविवार देर रात को अभियान को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था, लेकिन सोमवार सुबह ड्रोन और श्वान दस्ते की मदद से फिर से शुरू किया गया। आतंकवादियों के भागने के सभी रास्ते बंद कर दिए गए हैं और तलाशी अभियान को आसपास के क्षेत्रों तक बढ़ाया गया है। हालांकि, घना जंगल और दुर्गम इलाका सुरक्षा बलों के लिए चुनौती बना हुआ है।

बांग्लादेश वायुसेना का प्रशिक्षण विमान कॉलेज परिसर में गिरा,19 लोगों की गयी जान, 164 घायल

ढाका : बांग्लादेशी वायुसेना का एक एफ-7 प्रशिक्षण विमान सोमवार को कॉलेज परिसर में हादसे का शिकार हो गया। विमान कॉलेज की बिल्डिंग से जा टकराया। स्थानीय मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 160 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के वक्त माइलस्टोन कॉलेज में बच्चे मौजूद थे। प्लेन क्रैश होने के बाद स्कूल-कॉलेज में अफरातफरी मच गई। मौके पर अग्निशमन और बचाव दलों ने पहुंचकर बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

शराब घोटाला के आरोपी सुधीर कुमार को बेल देने से एसीबी कोर्ट का इंकार

रांची(ईएमएस)।शराब घोटाला से जुड़े केस के आरोपी सुधीर कुमार की जमानत याचिका पर रांची एसीबी की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई। सोमवार की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने एसीबी और बचाव पक्ष की बहस और दलीलें सुनने के बाद सुधीर कुमार को बेल देने से इंकार कर दिया है।एसीबी की ओर से विशेष लोक अभियोजक आलोक कुमार ने बहस करते हुए सुधीर कुमार की याचिका का विरोध किया वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता विक्रांत सिन्हा ने यह दलील दी कि शराब घोटाला मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है, इसलिए उन्हें बेल दी जाए।सुधीर कुमार को एसीबी ने मई को गिरफ्तार किया।

धनबाद में तीन इंस्पेक्टर बने डीएसपी एसएसपी कार्यालय में आयोजित हुई स्टार पीपिंग सेरेमनी

धनबाद(ईएमएस)।धनबाद पुलिस कार्यालय में सोमवार को एक गरिमामयी समारोह का आयोजन किया गया।जिसमें तीन पुलिस निरीक्षकों को उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) पद पर पदोन्नति के उपरांत औपचारिक रूप से स्टार लगाए गए।एसएसपी प्रभात कुमार के कार्यालय कक्ष में आयोजित स्टार पीपिंग सेरेमनी में एसएसपी ने स्वयं तीनों नव पदोन्नत अधिकारियों को बैज लगाकर सम्मानित किया। पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों में साइबर थाना के इंस्पेक्टर अक्षय राम, जोड़ापोखर थाना के इंस्पेक्टर राजेश सिन्हा और डीसीबी में पदस्थापित इंस्पेक्टर शारदा रंजन सिंह शामिल हैं।इस अवसर पर एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि यह पदोन्नति केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि इन अधिकारियों की कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और सेवा के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने सभी नवपदोन्नत डीएसपी को शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि वे आगे भी जनसेवा और कानून व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।इस आयोजन में अन्य पुलिस अधिकारी एवं स्टाफ सदस्य भी मौजूद थे।

तेज बारिश में बंधु तिर्की के आवास की दीवार गिरी, दो युवक घायल

रांची : सोमवार को राजधानी में तेज बारिश के दौरान एक हादसा हुआ. मोरहाबादी स्थित दीनदयाल नगर में पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के सरकारी आवास की बाउंड्री वॉल का एक हिस्सा अचानक ढह गया.हादसे के वक्त एक बाइक पर सवार दो युवक वहां से गुजर रहे थे. जो उस दीवार की चपेट में आ गए. जिससे दोनों को चोट लगी है. स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है. मौके पर पहुंचकर जब स्थिति का जायजा लिया गया, तो पता चला कि आवास की दूसरी ओर की दीवार भी जर्जर अवस्था में है और कभी भी गिर सकती है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मामले में तुरंत कार्रवाई की मांग की है.इस घटना ने सरकारी आवासों की मरम्मत कार्य न होने पर सवाल खड़े कर दिए हैं. यदि समय रहते दीवार की स्थिति पर ध्यान दिया गया होता, तो यह हादसा टाला जा सकता था.

दिल्ली हाईकोर्ट को छह नए न्यायाधीश मिले

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली हाईकोर्ट को सोमवार को छह नए न्यायाधीश मिले, इससे स्वीकृत पदों की संख्या 60 के मुकाबले प्रभावी संख्या 40 हो गई। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने उच्च न्यायालय परिसर में इन न्यायाधीशों को पद की शपथ दिलाई। नवनियुक्त न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव, नितिन वासुदेव साम्ब्रे, विवेक चौधरी, अनिल क्षेत्रपाल, अरुण कुमार मोंगा और ओम प्रकाश शुक्ला शामिल हैं। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी ने हिंदी में शपथ ली, जबकि शेष पाँच न्यायाधीशों ने अंग्रेजी में शपथ ली। न्यायमूर्ति नितिन वासुदेव साम्ब्रे का बॉम्बे उच्च न्यायालय से स्थानांतरण हुआ था, जबकि न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और ओम प्रकाश शुक्ला इलाहाबाद उच्च न्यायालय में कार्यरत थे।

आईपीएस अमरजीत बलिहार हत्याकांड पर हाईकोर्ट में दो जजों की अलग राय, अब चीफ जस्टिस तय करेंगे अगली सुनवाई

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में आईपीएस अमरजीत बलिहार हत्याकांड की सुनवाई के दौरान न्यायालय की खंडपीठ के दो जजों ने फांसी की सजा पाए दो नक्सलियों के मामले में अलग-अलग राय दी है। इससे यह मामला अब राज्य के मुख्य न्यायाधीश (चीफ जस्टिस) के पास भेजा जाएगा, जो नई बेंच गठित कर अंतिम निर्णय लेंगे। खंडपीठ में शामिल जस्टिस संजय प्रसाद ने हत्या के दोषियों सुखलाल उर्फ प्रवीर मुर्मू और सनातन बास्की उर्फ ताला दा की फांसी की सजा को उचित ठहराया है और सरकार की अपील को स्वीकारते हुए सजा को बरकरार रखा। वहीं, जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय ने दोनों को सबूतों के अभाव में दोषमुक्त घोषित कर दिया। जस्टिस संजय प्रसाद ने अपने फैसले में शहीद एसपी अमरजीत बलिहार के परिजनों को 2 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। इसके अलावा, हादसे में शहीद हुए पांच अन्य पुलिसकर्मियों के परिजनों को 50-50 लाख रुपये का मुआवजा देने और योग्यता के अनुसार नौकरी देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

झारखंड में महिलाओं के लिए नयी योजना, मंईयां बलवान योजना शुरू करने की कवायद

महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमशीलता से जोड़ना है उद्देश्य

रांची : झारखंड सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है. मंईयां सम्मान योजना की सफलता के बाद अब सरकार मंईयां बलवान योजना की शुरुआत करने जा रही है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमशीलता से जोड़ना है.

क्या है योजना के उद्देश्य

स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी लगभग 25 से 30 लाख लाभुक महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़ना, महिलाओं को छोटे व्यवसाय, स्टार्टअप या कृषि आधारित गतिविधियों में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना, मंईयां योजना के तहत मिलने वाली 2500 रुपए की मासिक सहायता का उपयोग महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए करना.

योजना के तहत मिलने वाली सुविधाएं

स्टार्टअप पूंजी, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता, उत्पादों को पलाश ब्रांड और अन्य बाज़ारों से जोड़ने की रणनीति, सहकारी समितियों और संघों के गठन की योजना

योजना का लाभ

महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद मिलेगी, महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमशीलता के अवसर प्रदान किये जायेंगे, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी.

मुख्यमंत्री की अपील

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि मंईयां योजना के तहत मिलने वाली सहायता का उपयोग महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि यदि यह राशि निष्क्रिय पड़ी रही तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति नहीं मिलेगी.

क्या है वर्तमान स्थिति

राज्य में फिलहाल करीब 32 लाख महिलाएं स्वयं सहायता समूह नेटवर्क से जुड़ी हैं, जबकि 53 लाख महिलाएं मंईयां योजना का लाभ उठा रही हैं. नई योजना इन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ते हुए स्थायी आमदनी का जरिया देने की दिशा में काम करेगी.

3 अगस्त को माओवादियों ने झारखंड बंद का किया आह्वान, सभी जिलों के लिए अलर्ट जारी

रांची : माओवादियों ने 3 अगस्त को झारखंड बंद का आह्वान किया है. नक्सली 20 जुलाई से लेकर 3 अगस्त तक विवेक सहित लुगुबुरू पहाड़ में शहीदों की स्मृति में सभा करेंगे. इसके अलावा 3 अगस्त तक बसवाराज सहित 27 शहीदों की स्मृति में कार्यक्रम करेंगे. मारे गये नक्सलियों को लेकर 3 अगस्त को एक दिवसीय झारखंड- बिहार, उत्तरी छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और असम बंद की घोषणा की गयी है.

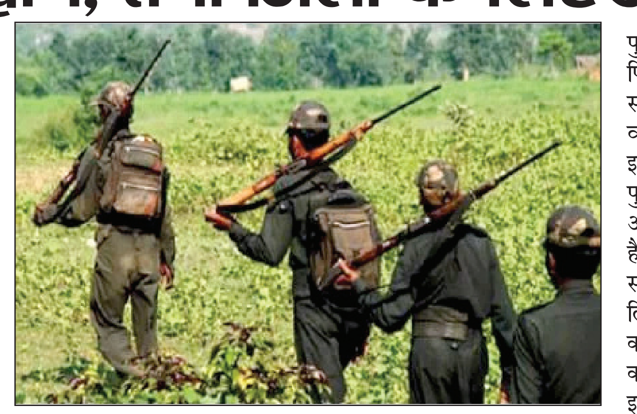

आइजी ने सभी जिलों के एसपी को किया अलर्ट

राज्य में बंदी के दौरान माओवादी नक्सली सुरक्षा बलों पर हमला कर सकते हैं. यह जानकारी मिलने पर पुलिस मुख्यालय आइजी अभियान माइकलराज एस ने रिपोर्ट तैयार कर सभी जिलों के एसपी को अलर्ट किया है. राज्य में विशेष कर नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई बिंदुओं पर निर्देश भी दिये गये हैं. बंदी के दौरान नक्सली पुल-पुलिया, रेलवे ट्रैक, थाना या पिकेट, सरकारी संस्थान, रेलवे साइडिंग और सड़कों पर चलने वाले वाहनों को भी निशाना बना सकते हैं. इसलिए सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर पुलिस पोस्ट और पिकेट को हाइ अलर्ट पर रखने का निर्देश दिया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि शहीद सप्ताह के दौरान सिर्फ अभियान के लिए ही सुरक्षा बल अपना मूवमेंट करें. किसी तरह से लूज मूवमेंट नहीं करने का निर्देश है. नक्सल प्रभावित इलाकों में स्थित पुलिस पिकेट और कैंप में प्रतिनियुक्त बलों की समीक्षा कर आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त बल की तैनाती करने का भी निर्देश दिया गया है.

जगदीप धनखड़ ने उपराष्ट्रपति पद से दिया इस्तीफा

स्वास्थ्य कारणों से छोड़ा पद

नई दिल्ली : भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित एक पत्र में स्वास्थ्य संबंधी कारणों और चिकित्सा सलाह का हवाला देते हुए संविधान के अनुच्छेद 67(ए) के तहत अपने इस्तीफे की घोषणा की. राष्ट्रपति मुर्मू को संबोधित अपने पत्र में जगदीप धनखड़ ने लिखा, 'स्वास्थ्य की प्राथमिकता और चिकित्सकीय सलाह का पालन करते हुए, मैं भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से त्यागपत्र दे रहा हूं.' उन्होंने राष्ट्रपति को उनके सहयोग और सौहार्दपूर्ण

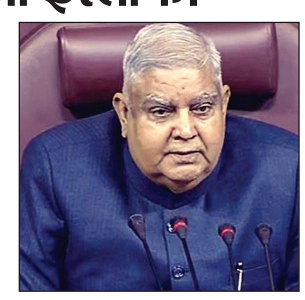

संबंधों के लिए धन्यवाद दिया. साथ ही प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद को भी उनके सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया.

जगदीप धनखड़ ने अपने त्यागपत्र में लिखा, 'मुझे संसद के सभी माननीय सदस्यों से जो स्नेह, विश्वास और सम्मान मिला, वह जीवनभर उनके हृदय में संचित रहेगा.'

पीएम मोदी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक

अमित शाह और राजनाथ सिंह समेत कई मंत्री रहे मौजूद

नई दिल्ली : संसद के मानसून सत्र का पहला दिन काफी हंगामेदार रहा। सरकार और विपक्ष एक दूसरे पर तमाम मुद्दों को लेकर आरोप-प्रत्यारोप लगाते नजर आए। वहीं, संसद भवन में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक भी आयोजित की गई। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कई मंत्री शामिल हुए।

संसद के कामकाज को लेकर हुआ मंथन- सूत्र

सूत्रों के अनुसार, यह बैठक संसद सत्र को लेकर आयोजित की गई थी, जिसमें सत्र की रूपरेखा, विधायी एजेंडा और विपक्ष से संभावित रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। माना जा रहा है कि सरकार इस सत्र में कुछ अहम विधेयकों को पेश करने और पारित कराने की तैयारी में है। इस बैठक में संसद की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने और कई मंत्रालयों के समन्वय को लेकर भी विचार किया गया। हालांकि, सरकार की ओर से बैठक के एजेंडे पर आधिकारिक रूप से कोई बयान नहीं आया है।

ब्रिटेन और मालदीव के दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23-24 जुलाई को ब्रिटेन के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी की ब्रिटेन की चौथी आधिकारिक यात्रा होगी। ब्रिटेन के बाद पीएम मोदी मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे, जो 25-26 जुलाई, 2025 को होगी। प्रधानमंत्री मोदी मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मोइज्जु के आमंत्रण पर मालदीव जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की यह मालदीव की तीसरी यात्रा होगी।

झारखंड में माइनिंग टूरिज्म की नई शुरुआत जेटीडीसी और सीसीएल के बीच हुआ करार

रांची(ईएमएस)। झारखंड में अब कोयला खदानें सिर्फ काम करने की जगह नहीं, बल्कि देखने लायक पर्यटक स्थल भी बनेंगी।सोमवार को झारखंड मंत्रालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में झारखंड पर्यटन विकास निगम लिमिटेड,जेटीडीसी और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड,सीसीएल के बीच माइनिंग टूरिज्म को लेकर एक ऐतिहासिक समझौता हुआ।इस मौके पर राज्य के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार, सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह, पर्यटन निदेशक विजया जाधव और जेटीडीसी के प्रबंध निदेशक प्रेम रंजन समेत कई अधिकारी मौजूद थे।पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने इस मौके पर कहा कि खान पर्यटन यानी माइनिंग टूरिज्म हमारे राज्य के लिए बिल्कुल नया और अनोखा कदम है। इससे लोग झारखंड की ताकत, यानी खनिज और ऊर्जा क्षेत्र को नजदीक से देख पाएंगे। यह सिर्फ पर्यटन नहीं, बल्कि जानकारी और अनुभव का अनोखा मेल होगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी के दूरदर्शी सोच और नेतृत्व की वजह से ये मुमकिन हुआ है। उन्हें इसके लिए दिल से बधाई।

ट्रेन बम धमाकों के 12 आरोपी को बॉम्बे हाईकोर्ट ने कर दिया बरी

मुंबई : 2006 के मुंबई ट्रेन बम धमाकों के मामले में निचली अदालत से दोषी पाए गए 12 लोगों को बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को बरी कर दिया। दो जजों की पीठ ने अभियोजन पक्ष को फटकार लगाते हुए गवाही से लेकर पहचान परेड की प्रक्रिया तक पर सवाल उठाए। इसके साथ कोर्ट ने हर एक दोषी को बरी करते हुए 25 हजार रुपये के निजी बॉन्ड पर रिहा करने का आदेश दिया। गौरतलब है कि 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट में 187 लोगों की मौत हुई थी, वहीं 800 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। अब बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के बाद इन धमाकों का कोई जिम्मेदार नहीं रह गया। निचली अदालत ने 12 दोषियों में से पांच को मौत की सजा और सात को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। मामले में एक व्यक्ति को बरी कर दिया गया था। 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट हमले में हुआ क्या था? इस मामले में कौन-कौन आरोपी था और उन्हें क्या सजा हुई थी? बॉम्बे हाईकोर्ट में इस मामले में फैसला होने में 10 साल का वक्त क्यों लग गया?

संसद में जस्टिस वर्मा पर महाभियोग की प्रक्रिया शुरू, 207 सांसदों का समर्थन

राज्यसभा में सभापति धनखड़ ने दी जानकारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली स्थित सरकारी आवास से जले हुए नकदी नोट मिलने के मामले में घिरे इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रक्रिया की शुरुआत हो गई है। संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन, लोकसभा में 145 और राज्यसभा में 54 सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। लोकसभा अध्यक्ष बिरला और राज्यसभा के सभापति धनखड़ को सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपे जाने के बाद जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। संविधान के अनुच्छेद 124, 217 एवं 218 के तहत दायर इस महाभियोग प्रस्ताव

को कांग्रेस, भाजपा, टीडीपी, जेडीयू, सीपीएम समेत विभिन्न दलों के सांसदों का समर्थन प्राप्त हुआ है। इस प्रस्ताव पर रविशंकर प्रसाद, अनुराग ठाकुर, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सुप्रिया सुले, राजीव प्रताप रूडी, केसी वेणुगोपाल और पीपी चौधरी जैसे सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने की मांग वाला प्रस्ताव मिला है। यह 50 से अधिक राज्यसभा के सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव मिला है और यदि दोनों सदनों में प्रस्ताव आता है, तो यह संसद की संपत्ति बन जाता है। उन्होंने प्रस्ताव की पुष्टि के लिए राज्यसभा के सेक्रेटरी जनरल को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। सभापति धनखड़ ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश, हाईकोर्ट के एक चीफ जस्टिस और एक सदस्य को लेकर तीन सदस्यीय कमेटी बनाई जाती है। उक्त कमेटी की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद स्पीकर या चेयरमैन मोशन पर फैसला ले सकते हैं।

हंगामें के साथ मानसून सत्र का आगाज

संसद मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए सरकार तैयार हो गई है। मीडिया रिपोट्स के मुताबिक, इस मुद्दे पर लोकसभा में 16 और राज्यसभा में 9 घंटे बहस होगी। सदन के पहले दिन दोनों सदनों में विपक्ष के हंगामे के बाद चर्चा का समय तय किया गया है। हालांकि अभी डेट तय नहीं है। इधर, पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा जारी है। विपक्ष ने दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। लोकसभा 4 बजे तक स्थगित है। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में इंटेलिजेंस फेलियर हुआ। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- देश में ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि सरकार पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं करना चाहती।

पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी से मिलकर कोयला डंपिग यार्ड हटाने के लिए पहल की मांग

दुमका : उपराजधानी दुमका रेलवे साइडिंग से कोयला के परिवहन से होने वाले प्रदूषण एवं स्वास्थ्य संबंधित अन्य समस्याओं के को लेकर सोमवार को रवि शंकर मंडल के नेतृत्व में आंदोलनकारी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी से मिलकर यहां से कोयला साइडिंग हटाने के लिए पहल की मांग की। इस संबंध में एक ज्ञापन श्री मरांडी को सौंपा गया है। सौंपे गए ज्ञापन में आंदोलनकारियों ने दुमका की भौगोलिक स्थिति को बताते हुए कहा है कि कोयला साइडिंग से हजारों लोगों के साथ साथ यहां पर स्थित महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थान और विद्यालय के बच्चे नौजवान प्रभावित हो रहे हैं। आंदोलनकारियों ने कहा है कि भारत के किसी भी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की आवाजाही और कोयला ढुलाई का कार्य एक साथ नहीं किया जाता हैं इसके बावजूद वर्ष 2021 से दुमका रेलवे स्टेशन पर कोयला डंपिंग यार्ड स्थापित कर कोयले की ढुलाई की जा रही है इससे न केवल यात्रियों की सुविधा बाधित हो रही है बल्कि आसपास के क्षेत्रों में गंभीर वायु और ध्वनि प्रदूषण भी फैल रहा है जो स्थानीय निवासियों, विशेषकर विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।ज्ञापन में कहा गया है कि इस कोल डंपिंग यार्ड के खिलाफ वर्ष 2021 से निरंतर जनविरोध किया जा रहा है किंतु अब तक इसे हटाने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है यह अत्यंत चिंता का विषय है कि बार-बार आपत्तियाँ दर्ज कराने के बावजूद झारखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से इस यार्ड को कैसे प्राप्त होता रहा है? इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों की भी खुली अवहेलना की जा रही है। जबकि एनजीटी के द्वारा कोयला कंपनी को 10 करोड रुपए का फाइन भी लगाया गया है इसलिए दुमका रेलवे साइडिंग से कोयला डंपिंग यार्ड को वर्तमान घनी आबादी वाले क्षेत्र से हटाकर किसी बिना आबादी वाले क्षेत्र में स्थानांतरण कराया जाए । मौके पर रवि शंकर मंडल के साथ हेमंत श्रीवास्तव, बिमल मरांडी, अभय गुप्ता, अमन सिंह, मनोज मंडल ,लिल्टू दे आदि उपस्थित थे।

बासुकीनाथ धाम में दूसरी सोमवारी को श्रद्धा और भक्ति का उमड़ा सैलाब

उपायुक्त द्वारा पूरे मेला क्षेत्र की हर गतिविधियों पर रखी जा रही है नजर

दुमकाःसावन की दूसरी सोमवारी के पावन अवसर पर बासुकीनाथ धाम "हर-हर महादेव" के गगनभेदी नारों से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन का अनुपम संगम देखने को मिला, जब देशभर से आए लाखों श्रद्धालु बाबा बासुकीनाथ पर जलार्पण हेतु कतारबद्ध होकर अपनी बारी की प्रतीक्षा करते रहे।देर रात से ही श्रद्धालुओं का तांता शिवगंगा में आस्था की डुबकी लगाने के लिए लगा रहा। जलार्पण के लिए श्रद्धालु अनुशासित ढंग से कतारबद्ध होकर अर्घा पद्धति के माध्यम से बाबा पर जल अर्पित करते नजर आ रहे हैं। मेला क्षेत्र में अद्भुत धार्मिक उत्साह के साथ-साथ सुरक्षा एवं प्रबंधन की भी प्रशंसा की जा रही है।उपायुक्त अभिजीत सिन्हा प्रत्येक गतिविधि पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।सभी विभाग मुस्तैदी से कार्य में लगे हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार स्वास्थ्य शिविरों में अलर्ट मोड में कार्यरत है, जिससे श्रद्धालुओं को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं सुगमता से उपलब्ध कराई जा रही है।सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं सुरक्षाबल के जवान अपने-अपने कर्तव्य स्थलों पर तैनात रहकर श्रद्धालुओं की सहायता कर रहे हैं। उनके प्रयासों से जलार्पण प्रक्रिया शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुगम हो रही है।जिला प्रशासन की ओर से यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में विधि-व्यवस्था, सफाई, पेयजल, प्राथमिक उपचार आदि सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रूप से लागू है।श्रावणी मेला की यह दूसरी सोमवारी भक्ति, अनुशासन और जनसेवा का प्रतीक बनकर उभरी है।

संक्षिप्त ख़बरें

प्रभारी प्राचार्य की अध्यक्षता मे टी बी मुक्त अभियान चलाया

दुमकाः मयूराक्षी ग्रामीण महाविद्यालय रानीश्वर मे राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 3,4,एवं 5 की ओर से प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर नब कुमार पाल की अध्यक्षता मे टी बी मुक्त अभियान चलाया गया जिसमे एन एस एस वालंटियर्स को जागरूक कराया गया। इस संदर्भ मे स्मार्ट बोर्ड के द्वारा टी बी से सम्बंधित जानकारिया दी गयी उसके निवारण के उपाय भी बताये गए। जिसमे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जो निक्षय मित्र से सम्बंधित जानकारिया दी गयी इस अवसर पर इकाई 3 कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रूपम कुमारी ने बताया की एन एस एस के द्वारा गोद लिए गाँव मे भी यह जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। जिसमे टी बी मरीज जैसे अत्यंधिक खासी से सम्बंधित कुछ परेशानिया हो वालंटियर्स द्वारा खोज निकाल उससे सम्बंधित जानकारिया देकर टी बी निवारण के उपाय को गाँव मे जागरूकता अभियान चलाया जायेगा।इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य ने सभी वालंटियर्स को जागरूक करते सभी को कार्यक्रम मे सहयोग करने को कहा, साथ ही आई क्यू ए सी को ऑर्डिनेटर प्रोफेसर आबिद राजा ने खान पान पे ध्यान देने को कहा साथ ही उन्होंने धन्यवाद ज्ञापन किये इस अवसर पर इकाई 4 कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रशांत पातर, इकाई 5 कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर आशीष कुमार मंडल, साथ ही प्रोफेसर बिभाष चंद्र झा, डॉ हिमांशु कुमार सिंह, प्रोफेसर माजिद नदीम अहशन तथा पिंटू मंडल, ऋतिक कुमार दास सुदीपता सेन, राखी बागती, शर्मिला मुर्मू, प्रीति टुडू, सूर्यो बागती आदि वालंटियर्स उपस्थित थे।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के लिए अंतर विभागीय जांच आवश्यक : उपायुक्त

पलामू(ईएमएस)।पलामू उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पर्यटन संवर्द्धन परिषद की बैठक हुई।समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित बैठक में पिछली बैठक के आलोक में लिये गये निर्णयों की जानकारी ली गयी,बताया गया की राज्य स्तर पर पर्यटन की बैठक नहीं होने के कारण विभिन्न कार्य लंबित है।बैठक में मोहम्मदगंज के भीम चूल्हा के समीप बजट होटल के निर्माण हेतु चयनित भूमि का अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने को लेकर सीओ,भूमि सुधार उप समाहर्ता व अपर समाहर्ता को आपस में बेहतर समन्वय स्थापित करने को लेकर निर्देशित किया।वहीं बैठक में चतरा सांसद प्रतिनिधि ने पांकी के राहेवीर पहाड़ी पर बने शिव मंदिर और तरहसी में महादेव माड़ा को पर्यटकीय दृष्टिकोण से विकसित करने को लेकर रेखांकित किया।इसी तरह हुसैनाबाद विधायक प्रतिनिधि मिथिलेश पांडेय ने हुसैनाबाद के दाताशाह के मजार पर कुछ रेस्ट हॉउस बनाने का अनुरोध किया।उन्होंने बताया कि इस मजार पर झारखंड,बिहार और उत्तर प्रदेश से पर्यटकों का आना-जाना होता है।बैठक में उपायुक्त द्वारा विभिन्न पर्यटकीय स्थलों पर हो रहे निर्माण कार्यों की जानकारी ली,इस दौरान

उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर निर्माण कार्य हो रहा है,उन सभी के गुणवत्ता की जांच अंतर विभागीय पदाधिकारी द्वारा किया जाये ताकि कार्य की गुणवत्ता का आकलन निष्पक्षता से किया जा सके।उन्होंने कहा कि इससे निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी बनाया जा सकेगा साथ ही जब जांचकर्ता और कार्यकारी अधिकारी अलग-अलग विभागों से हों,तभी जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सकती है और कार्यों का निष्पादन गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संभव हो पाता है।बैठक में उपायुक्त ने कहा कि जिले के पर्यटन एवं ट्रेवल से जुड़े व्यवसाईयों को झारखंड टूरिस्ट ट्रेड रजिस्ट्रेशन पोर्टल में निबंधन कराया जाना है।इस पोर्टल में पर्यटन से जुड़े सभी व्यवसाईयों का अधिकाधिक निबंधन हो,इसके लिये होटलों,कार/मिनी बस ऑपरेटरों,एडवेंचर स्पोर्ट्स से जुड़े लोग,टूरिस्ट गाइड, फोटोग्राफरों के बीच व्यापक रूप से जागरूकता अभियान चलाया जाना आवश्यक है।उन्होंने पर्यटन पदाधिकारी को जागरूकता अभियान चलाने को लेकर निर्देशित किया।बैठक में उपरोक्त के अलावे उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन,वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार,अपर समाहर्ता कुंदन कुमार,भूमि सुधार उप समाहर्ता सह प्रभारी पर्यटन पदाधिकारी प्यारेलाल, जिला परिवहन पदाधिकारी जितेंद्र यादव,भवन निर्माण के कार्यपालक अभियंता, सहायक नगर आयुक्त, जिला पर्यटन विशेषज्ञ सुशील द्विवेदी, विश्रामपुर व पांकी विधायक के प्रतिनिधि समेत अन्य उपस्थित रहे।

सेवा, सुरक्षा और संकल्प, श्रावणी मेला में स्वास्थ्य विभाग का समर्पण

दुमकाःश्रावणी मेला 2025 के पावन अवसर पर लाखों श्रद्धालु कठिन यात्रा कर बाबा बासुकीनाथ का जलार्पण करने पहुँच रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ और उनकी आस्था का सम्मान करते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तत्परता के साथ सेवा में जुटा हुआ है।सावन की दूसरी सोमवारी को लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम देर रात्रि से ही अपने-अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित रही, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। कठिन यात्रा कर आने वाले श्रद्धालुओं को अक्सर थकावट, चक्कर आना, डिहाइड्रेशन, बुखार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की टीम संवेदनशीलता और सेवा-भाव से उन्हें हर संभव सहायता प्रदान कर रही है।मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में स्वास्थ्य शिविर लगाए गए हैं, जहाँ प्राथमिक उपचार, निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं जीवन रक्षक दवाइयाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही हर शिविर में योग्य चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति की गई है जो निरंतर ड्यूटी पर तैनात हैं।भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों और आपात स्थितियों को ध्यान में रखते हुए एम्बुलेंस के साथ-साथ बाइक एम्बुलेंस की भी व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को जरूरत पड़ने पर त्वरित रूप से स्वास्थ्य केंद्र तक पहुँचाया जा सके।

श्रावणी मेला : दूसरी सोमवारी को लेकर उपायुक्त कंट्रोल रूम से कर रहे निगरानी

दुमकाःसावन की दूसरी सोमवारी के अवसर पर बासुकीनाथ धाम में उमड़े श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित जलार्पण की सुविधा प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय और सतर्क है।उपायुक्त अभिजीत सिन्हा कंट्रोल रूम के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था संधारण को प्राथमिकता देते हुए वे पल-पल की स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दे रहे हैं।श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मेला क्षेत्र में 750 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की स्थापना की गई है, जिनकी मदद से हर गतिविधि पर रियल टाइम निगरानी की जा रही है। कंट्रोल रूम में प्रशिक्षित तकनीकी स्टाफ और प्रशासनिक अधिकारी सतत रूप से कैमरों की फुटेज की समीक्षा कर रहे हैं, ताकि किसी भी असामान्य स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हर श्रद्धालु को श्रद्धा एवं सुविधा के साथ बाबा बासुकीनाथ का दर्शन और जलार्पण करने का अवसर मिले। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह से तैयार है और सभी अधिकारी/कर्मचारी अपने-अपने कर्तव्य स्थल पर तैनात हैं।जिला प्रशासन द्वारा मेला क्षेत्र में सुरक्षा बलों की पर्याप्त तैनाती, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, पेयजल और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं सुरक्षा बल के जवान श्रद्धालुओं को सुगमतापूर्वक करा रहे हैं जलार्पण

दुमकाःसावन माह की दूसरी सोमवारी को लेकर बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालु 'हर हर महादेव' के जयघोष के साथ शिवगंगा में आस्था की डुबकी लगाकर बाबा बासुकीनाथ पर जलार्पण हेतु कतारबद्ध दिखाई दिए।श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और निर्बाध दर्शन व्यवस्था को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त अभिजीत सिन्हा एवं पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार द्वारा रुट लाइन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं अन्य संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने रुट लाइन पर मौजूद श्रद्धालुओं से बातचीत की। श्रद्धालुओं ने प्रशासनिक व्यवस्था की सराहना करते हुए बताया कि उन्हें दर्शन में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हुई तथा व्यवस्था में लगे कर्मियों का व्यवहार अत्यंत सहयोगात्मक और सराहनीय रहा।तपती गर्मी को देखते हुए उपायुक्त ने संपूर्ण रुट लाइन में नियमित अंतराल पर पानी का छिड़काव कराने का निर्देश दिया, जिससे नंगे पांव चल रहे श्रद्धालुओं को राहत मिल सके।शिवगंगा में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की हर गतिविधि पर निगरानी रखी जाए तथा कतार में खड़े न हो सकने वाले श्रद्धालुओं को जलार्पण काउंटर के माध्यम से जल चढ़ाने हेतु प्रोत्साहित किया जाए। इससे भीड़ का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

टेंट सिटी में आवासन की उत्तम व्यवस्था, श्रद्धालुओं ने जताया संतोष

दुमकाःसावन की दूसरी सोमवारी के अवसर पर उपायुक्त श्री अभिजीत सिन्हा ने बासुकीनाथ धाम स्थित टेंट सिटी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहाँ ठहरे श्रद्धालुओं से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। श्रद्धालुओं ने व्यवस्था को लेकर संतोष जताते हुए जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार को धन्यवाद दिया।टेंट सिटी में श्रद्धालुओं के सुचारु आवासन हेतु सभी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित की गई हैं। यहाँ शुद्ध पेयजल, पर्याप्त शौचालय, स्वच्छता, मोबाइल चार्जिंग यूनिट, पंखे और रोशनी की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। टेंट सिटी को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि यह हवादार और सुरक्षित रहे, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के विश्राम कर सकें।उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि टेंट सिटी की व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कोताही न हो और सभी आवश्यक सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध रहे। उन्होंने यह भी कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए श्रद्धालुओं ने कहा कि बासुकीनाथ में अब यात्रा अधिक सहज और सुरक्षित हो गई है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, बोकारो

अत्यावश्यक सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनहित में निदेशानुसार सेक्टर–11 रेलवे क्रॉसिंग, बोकारो से तेलमच्चो (NH-18 पर) भाया भतुआ पथ में भारी वाहनों का परिचालन दिनांक 24.07.2025 से अगले आदेश तक वर्जित रहेगा। सभी प्रकार के भारी वाहनों के चालकों एवं मालिकों से अनुरोध है कि सेक्टर 11 से तेलमच्चो की ओर आने एवं जाने वाले सभी भारी वाहन वैकल्पिक मार्ग "Bokaro Chas, I.T.I. More से होते हुए NH-18" द्वारा वाहनों का परिचालन करेंगे। असुविधा के लिए खेद है।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,
बोकारो।

PR.NO.357840 Road(25-26):D

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची
कार्यालय- भूमि संरक्षण (सर्वे) पदाधिकारी, बोकारो

वित्तीय वर्ष 2025–26 में ''जलनिधि'' योजनान्तर्गत डीप बोंरिंग एवं परकोलेशन टैंक के निर्माण हेतु कृषकों के लिए आम सूचना

बोकारो जिला के सभी किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि कृषि कार्य को बढ़ावा देने, बहुफसलीय कृषि के विकास, मानसून पर कृषकों का निर्भरता कम करने एवं विभिन्न स्रोतों से सिंचाई की समुचित व्यवस्था हेतु वित्तीय वर्ष 2025–26 में **जलनिधि** योजनान्तर्गत डीप बोरिंग एवं परकोलेशन टैंक का निर्माण किया जाना है, जिसकी शर्तें निम्नवत् है :–

(I) डीप बोरिंग की योजना

कार्य योजना	पात्रता	संभावित भौतिक लक्ष्य (सं0)	अनुदान की राशि: योजना लागत प्रति इकाई	अनुदान की राशि: अधिकतम अनुदान की राशि	अनुदान की राशि: पानी पंचायत अंशदान की राशि
1	2		5	6	7
योजनान्तर्गत 6 इंच Diameter deep boring, submersible pump 1.5HP, आवश्यक Accessories एवं संस्थापन (Installation) के साथ	योजना लघु एवं सीमान्त कृषक समूहों के लिए लागू होगा। विभागीय मार्गदर्शन के आलोक में विधिवत् पानी पंचायत का गठन कर इसका कार्यान्वयन कराया जायेगा। समिति के सदस्यों के पास कलस्टर में न्यूनतम 5 एकड़ भूमि होना अनिवार्य होगा।	07	3.50 लाख	90 प्रतिशत (3.15 लाख)	10 प्रतिशत (0.35 लाख)

(ii) परकोलेशन टैंक निर्माण (मध्यम एवं निचले खेत में तालाब) की योजना

कार्य योजना	पात्रता	संभावित भौतिक लक्ष्य (सं0)	अनुदान की राशि: योजना लागत प्रति इकाई	अनुदान की राशि: अधिकतम अनुदान की राशि	अनुदान की राशि: पानी पंचायत अंशदान की राशि
1	2		5	6	7
Length of Percolation Tank 120ft. Width of Percolation Tank 100ft. Depth of Percolation Tank 12ft. Length of Bound -370ft Side Slope 1:1	योजना लघु एवं सीमान्त कृषक समूहों के लिए लागू होगा। विभागीय मार्गदर्शन के आलोक में विधिवत पानी पंचायत का गठन कर इसका कार्यान्वयन कराया जायेगा। समिति के सदस्यों के पास कलस्टर में न्यूनतम 10 एकड़ भूमि होना अनिवार्य होगा।	47	4.30 लाख	90 प्रतिशत (3.87 लाख)	10 प्रतिशत (0.43 लाख)

डीप बोरिंग एवं परकोलेशन टैंक के लिए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 08.08.2025 (कार्यालय अवधि में) निर्धारित की जाती है।

- ⇨ भूमि संरक्षण (सर्वे) पदाधिकारी, बोकारो के लिए निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध सुपात्र कृषकों से विहित प्रपत्र–1 में आवेदन प्राप्त किया जाएगा।
- ⇨ आवेदन – पत्र भूमि संरक्षण (सर्वे) कार्यालय, बोकारो के कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।
- ⇨ जिन कृषकों को पूर्व में डीप बोरिंग, सिंचाई पम्प का लाभ प्राप्त कराया जा चुका है, उनकी पात्रता जलनिधि योजना के लिए मान्य नहीं होगी।
- ⇨ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/लघु/सीमान्त कृषक/महिला, कृषकों/इच्छुक कृषक समूहों का चयन प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा।

आवेदन की प्रक्रिया :–
आवेदन पत्र निम्न कागजातों के साथ भूमि संरक्षण (सर्वे) कार्यालय, बोकारो में जमा लिया जायेगा।
1. संबंधित योजना ग्राम–सभा में पारित होनी चाहिए एवं पारित प्रस्ताव की छायाप्रति मुखिया द्वारा अभिप्रमाणित।
2. गॉव के नक्शे पर संबंधित योजना को चिन्हित कर नक्शे की छायाप्रति।
3. जमीन का अद्यतन रसीद एवं पहचान पत्र।

उक्त योजना से संबंधित अन्य जानकारियों के लिए निम्न पते पर संपर्क किया जा सकता है।
कार्यालय का पता :– भूमि संरक्षण (सर्वे) पदाधिकारी, बोकारो,
संयुक्त जिला कृषि कार्यालय भवन, चास
बोकारो 827013

निवेदक
ह0
भूमि संरक्षण (सर्वे) पदाधिकारी,बोकारो

PR 357785 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(25-26).D

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, धनबाद
(जिला भू-अर्जन शाखा)
Email Id- dlao.dhanbad@gmail.com

-::आम सूचना::-

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है, कि भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार का अधिनियम् 2013 की धारा–04 के प्रावधानों के तहत बी0सी0सी0एल0 परियोजना हेतु धनबाद जिला अन्तर्गत पुटकी अंचल के मौजा–तेतुलमुड़ी, थाना नं0–271 में अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि के लिए सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु अधिसूचना संख्या–179/भू0अ0, दिनांक–25.01.2025 के द्वारा M/s Center for Devlopment Communication and Studies, 133(1st Floor) Devi Nagar, Nannu Marg, New Sanganer Road, Sodala Jaypur-302019. cdecsjpr@gmail.com को एस0आई0ए0 दल नियुक्त किया गया है। एस0आई0ए0 दल द्वारा उपरोक्त अधिसूचना के आलोक में सर्वे उपरान्त ड्राफ्ट एस0आई0ए0 रिपोर्ट समर्पित किया गया है।

अतः ड्राफ्ट एस0आई0ए0 रिपोर्ट के प्रमुख निश्कर्षो पर विमर्ष करने हेतु अधिनियम की धारा–5 एवं नियमावली के नियम–11 के तहत दिनांक–23/07/2025 को 11.00 बजे पूर्वाह्न में **सिजुआ स्टेडियम सिजुआ, धनबाद** में लोक सुनवाई निर्धारित की जाती है।

प्रभावित होने वाले परिवारों से अनुरोध है, कि उक्त लोक सुनवाई में उपस्थित होकर सामाजिक समाघात निर्धारण के संबंध में अपने विचार रखने का कष्ट करेंगे।

उपायुक्त
धनबाद

PR 357819 Land Reforms(25-26)#D

डाक बम कांवड़ियों के बीच केला दवा, दर्द का स्प्रे और पानी की बोतल का वितरण

दुमकाःअखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दुमका इकाई द्वारा सोमवार को स्टूडेंट्स फॉर सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत हंसडीहा में डाक बमों की सेवा की गई। सेवा के तहत कांवड़ यात्रा के दौरान डाक बम कांवड़ियों के बीच केला, दवा, दर्द का स्प्रे और पानी की बोतल का वितरण किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित नगर सहमंत्री विवेक धर ने बताया कि डाक सेवा, कांवड़ यात्रा के दौरान दी जाने वाली एक विशेष सेवा है। यह सेवा विशेष रूप से डाक बम कांवड़ियों के लिए होती है, जो 24 घंटे के भीतर सुल्तानगंज से देवघर एवं भागलपुर से बासुकीनाथ तक की लगभग 105 किलोमीटर की दूरी बिना रुके तय करते हैं।इस सेवा का उद्देश्य इन श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य तक गंगाजल पहुँचाने में सहायता करना है, ताकि वे निर्बाध रूप से अपनी यात्रा पूरी कर सकें। परिषद की यह सेवा भावनात्मक, सामाजिक और धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत सराहनीय है।इस अवसर पर विभाग संगठन मंत्री हिमांशु दुबे, गौतम कुमार,दशरथ महतो, विवेक धर तन्मय राज आयुष कुमार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे, जिन्होंने पूरी सेवा कार्य को सफलतापूर्वक संचालित किया।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस ने नेपाल हाउस से रांची रेलवे स्टेशन तक की नई सड़क और चौक का नाम राजीव गांधी के नाम पर रखने की मांग की

रांची(ईएमएस)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि भूषण राय ने झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के साथ सोमवार को बैठक की और ज्ञापन सौंपा।उन्होंने नेपाल हाउस से रांची रेलवे स्टेशन तक की नई सड़क और चौक का नाम राजीव गांधी के नाम पर रखने की मांग की। यह सड़क नेपाल हाउस जैसे प्रमुख स्थल को रांची रेलवे स्टेशन से जोड़ती है। इस क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय, व्यावसायिक केंद्र और आवासीय क्षेत्र हैं, जिससे यह सड़क अत्यधिक व्यस्त और महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष से अनुरोध किया कि इस मांग को राज्य सरकार को भेजकर आवश्यक कार्रवाई की जाए।उन्होंने कहा कि यह मांग स्थानीय लोगों की भावनाओं और आकांक्षाओं को दर्शाती है।

केंद्रीय सरना समिति ने लोक संगीत में अश्लीलता रोकने के लिए डीजीपी को ज्ञापन सौंपा

रांची(ईएमएस)।केंद्रीय सरना समिति ने सोमवार को बबलू मुंडा की अगुवाई में झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से झारखंडी लोक संगीत में बढ़ती अश्लीलता, फूहड़ता व सांस्कृतिक प्रदूषण पर रोक लगाने की मांग रखी। बबलू ने सौंपे ज्ञापन में कहा कि झारखंड की पहचान इसकी लोक भाषाओं, आदिवासी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से है।लेकिन हाल के दिनों में झारखंडी संगीत में तेजी से अश्लीलता, फूहड़ता देखी जा रही है। इससे समाज में सांस्कृतिक प्रदूषण बढ़ रहा है। मौके पर महादेव टोप्पो, पवन राय, पंकज राय, रमन गुप्ता, मनोज शहरी, मोनू राज, किशन, अमित तिर्की, सुरेंद्र कुजूर, कुमार प्रीतम, इग्नेश कुमार,अनिता बाड़ा, ज्योति साहू, मोनिका मुंडू सहित कई मौजूद थे।

एचईसी के सप्लाई श्रमिकों ने अर्धनग्न होकर विरोध प्रदर्शन किया

रांची(ईएमएस)।एचईसी के सप्लाई मजदूरों ने सोमवार को अर्धनग्न होकर विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में श्रमिक मुख्यालय के सामने जुटे और घंटों नारेबाजी की।आंदोलन कर रहे श्रमिकों की मांग लंबे समय से लंबित है। इनमें सितंबर 2023 से जनवरी 2024 तक का बकाया वेतन, पुराना ठेका नियम लागू करना, ईएसआई की चिकित्सा सुविधा बहाल करना, कार्यस्थल पर सुरक्षा और सम्मानजनक कार्य दिवस शामिल है। इन मांगों को लेकर श्रमिक कई बार ज्ञापन सौंप चुके हैं और झारखंड के श्रम मंत्री, श्रम आयुक्त, सांसद, विधायक समेत संबंधित अधिकारियों से मुलाकात भी कर चुके हैं, बावजूद इसके एचईसी प्रबंधन की ओर से कोई ठोस आश्वासन अब तक नहीं मिला है।श्रमिकों ने लगातार हो रही अनदेखी और चुप्पी के विरोध पर अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया है। उनका कहना है कि जब, श्रम की गरिमा की कोई कद्र नहीं, जब वेतन के लिए बार-बार दरवाजे खटखटाने पड़ रहे हैं तो अब शांत बैठना संभव नहीं है। प्रदर्शन के दौरान कई बार माहौल तनावपूर्ण हुआ और पुलिस बल के साथ हल्की धक्का-मुक्की और नोकझोंक की स्थिति बनी। प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर भारी संख्या में सीआईएसएफ और स्थानीय पुलिस बल की तैनाती की गई थी। अधिकारी लगातार हालात पर नजर रखे हुए थे।सुरक्षाकर्मियों ने मुख्य गेट के आसपास बेरिकेडिंग कर रखी थी, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो।सप्लाई मजदूर यूनियन के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि यदि आने वाले दिनों में प्रबंधन, उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं करती है तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।श्रमिकों ने कहा कि वेतन न मिलने से, उनके घरों में भुखमरी की स्थिति है और बच्चे स्कूल छोड़ने पर मजबूर हैं।ऐसे में वे अब आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार हैं।

वज्रपात से एक महिला की मौत,दो घायल

रांची(ईएमएस)।मांडर थाना क्षेत्र के गोरखो गांव में वज्रपात से एक महिला की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। मृतका 25 वर्षीय अंजलि कच्छप गोरखो गांव की निवासी है। वहीं घायल अर्शराज एक्का और ममता कुजूर का मांडर के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना सोमवार की शाम लगभग चार बजे की है। बताया जाता है कि अर्थराज एक्का, ममता कुजूर और अंजलि कच्छप अपने खेत में धनरोपनी कर घर लौट रहे थे।

डीएसपीएमयू में छात्र संगठनों का हंगामा दोषी कर्मचारी की बर्खास्तगी की मांग

रांची(ईएमएस)।डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में सोमवार को छात्र संगठनों ने कुलसचिव, प्रॉक्टर और डीएसडब्ल्यू (छात्र कल्याण अधिष्ठाता) का घेराव कर एक महिला कर्मचारी की आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।छात्र नेताओं का आरोप है कि संबंधित महिला कर्मचारी ने असामाजिक तत्वों को बुलाकर विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों और शिक्षकों के साथ मारपीट व गाली-गलौज की। इतना ही नहीं इन बाहरी तत्वों द्वारा हथियारों का भी प्रदर्शन किया गया, जिससे विश्वविद्यालय परिसर का माहौल तनावपूर्ण हो गया।छात्र प्रतिनिधि अभिषेक झा ने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर उक्त कर्मचारी को बर्खास्त नहीं किया गया और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई, तो विश्वविद्यालय को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया जाएगा।छात्र संगठनों की मुख्य मांगों में शामिल हैं,आरोपी कर्मचारी की तत्काल बर्खास्तगी,बाहरी असामाजिक तत्वों पर कानूनी कार्रवाई,विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है।मामले की गंभीरता को देखते हुए कुलपति ने उच्चस्तरीय जांच समिति के गठन की घोषणा की है और निर्देश दिया है कि समिति 24 घंटे के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे। इस दौरान आरोपी कर्मचारी को निलंबित कर दिया गया है।घटनाक्रम के बाद विश्वविद्यालय परिसर में तनाव का माहौल बना हुआ है। छात्र संगठनों ने स्पष्ट किया है कि जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती, वे आंदोलन जारी रखेंगे।

अवैध लकड़ी तस्करी मामले में पांच गिरफ्तार, गुमला जेल भेजा गया

गुमला(ईएमएस)।चैनपुर अंचल के कुरूमगाड़ थाना क्षेत्र में रविवार रात अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ चलाए गए एक अभियान में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लकड़ी लदा एक पिकअप वाहन और एक बोलेरो भी जब्त किया गया है। कुरूमगाड़ थाना प्रभारी मुनेश्वर तिवारी को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ तस्कर अवैध रूप से लकड़ी लोड कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत हरकत में आई और एक छापेमारी दल का गठन किया गया। इस दल ने मौके पर पहुंचकर लकड़ी से भरे पिकअप वाहन और उसे एस्कॉर्ट कर रही बोलेरो से पांच व्यक्तियों को धर दबोचा।गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में कोटाम निवासी उपेंद्र कुमार पिता भमन महतो और आशुतोष कुमार पिता उपेंद्र कुमार शामिल हैं।इनके अलावा रांची के हिंदपीढ़ी निवासी लड्डु लाल पिता गुलजार आलम और समीर अंसारी पिता अबुल अंसारी को भी गिरफ्तार किया गया है।पांचवें व्यक्ति की पहचान अभी स्पष्ट नहीं है। गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों को कुरूमगाड़ थाने लाया गया, जहां आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में गुमला भेज दिया गया है।पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

पुलिस की वर्दी पहनकर अपहरण करने वाले दो अपराधी गिरफ्तार

जामताड़ा(ईएमएस)।पुलिस की वर्दी पहनकर अपहरण करने वाले दो अपराधी को जामताड़ा पुलिस ने बंगाल से गिरफ्तार किया है। एसपी कार्यालय में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता ने कहा कि 14 जुलाई को खैरा गांव से जमाल अंसारी नामक एक व्यक्ति का अपहरण हुआ था। इसको लेकर बिंदापाथर थाना में केस दर्ज की गई थी। वहीं पुलिस ने 24 घंटे के अंदर अपहृत व्यक्ति को बरामद कर लिया था लेकिन अपहरणकर्ता फरार हो गए थे। जिसे बंगाल से गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार अपराधी का नाम अजीज अब्दुल तथा काला खान है। यह लोग पुलिस की वर्दी पहनकर जमाल अंसारी का अपहरण किया था। इन लोगों के पास से बोलेरो तथा पुलिस की वर्दी बरामद की गई है।

सम्मान सफलता की पहली सीढ़ी, सफलता के क्षेत्र में निरंतरता जरूरी : शिल्पी नेहा तिर्की

रांची(ईएमएस)। बेड़ो एस एस प्लस टू उच्च विद्यालय में भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान से 280 छात्रों को सम्मानित किया गया।बेड़ों प्रखंड के मैट्रिक इंटर परीक्षा के टॉपर सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के ये सम्मान मिला। बेड़ो प्रखंड की छात्राएं इस बार मैट्रिक और इंटर के तीनों संकाय में टॉप करने में सफलता अर्जित की है।राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सभी छात्र छात्राओं को प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया।इस मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि साल 2005 से शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण प्रतिभा को सम्मानित करने का दौर चल रहा है।आज बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ का सपना टॉपर की सूची में दर्ज बेटियों के नाम से साकार हो रहा है।ये सम्मान सफलता की पहली सीढ़ी है।छात्रों को सफलता की निरंतरता को बरकरार रखने के लिए समय का सदुपयोग करना होगा। छात्रों के सम्मान से शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता आती है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी ने देश की जनता को सूचना क्रांति,पंचायती राज व्यवस्था और जवाहर नवोदय विद्यालय की सौगात दी। देश के हर एक जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना स्वर्गीय राजीव गांधी के शिक्षा के प्रति दूरगामी सोच का परिणाम था। वहीं साल 2020 में केंद्र सरकार ने बगैर किसी तैयारी के नई शिक्षा नीति को थोप दिया।नई शिक्षा नीति की वजह से स्कूल पर अचानक दबाव बढ़ा है।छात्रों को बैठने से लेकर शिक्षकों कमी से जूझना पड़ रहा है। अगर दो टूक शब्दों में कहें तो ये ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने की एक साजिश है।कृषि मंत्री ने कहा कि समाज में कुछ ऐसी ताकतें है जो ग्रामीण इलाकों के बच्चों को शिक्षा से दूर रखना चाहती है।भविष्य बनाने की उम्र में पढ़ने लिखने वाले युवा पीढ़ी को धर्म की राजनीति में उलझाने का प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि अगर इससे बचना है तो शिक्षा से नाता जोड़ना होगा, अगर भविष्य में कुछ बनना है,तो शिक्षा से नाता जोड़ना होगा, अगर गरीबी के दलदल से निकलना है तो शिक्षा से नाता जोड़ना होगा। स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान समारोह में छात्रों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

स्वर्गीय राजीव गांधी की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर समारोह की शुरुआत की गई।इस मौके पर मैट्रिक टॉपर श्रुति कुमारी 94 प्रतिशत,इंटर साइंस टॉपर कल्याणी कुमारी 90 प्रतिशत,इंटर कॉमर्स टॉपर मोनिका कुमारी 76 प्रतिशत और इंटर कला टॉपर उषा कुमारी 82 प्रतिशत सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया।समारोह में बेड़ों अंचलाधिकारी प्रताप मिंज, प्राचार्य हेंडरिता मिंज, जिला परिषद बेरोनिका कच्छप , उप प्रमुख मुद्दसिर हक,फातिमा तिर्की, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, नवल किशोर सिंह, मुखिया सुशांति भगत, मानकु कुजूर, पंचू मिंज, रोशनी तिर्की, सिल्वेस्टर कच्छप, विशेश्वर उरांव, सोमरा लोहरा, अनमोल विशेष रूप से मौजूद थे।

वित्त मंत्री का स्पीकर को पत्र, विधानसभा परिसर में डॉ अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा लगाने का आग्रह

रांची(ईएमएस)। राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने स्पीकर रवींद्र नाथ महतो को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने स्पीकर से झारखंड विधानसभा परिसर में डॉ भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा लगाने का आग्रह किया है।उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर एक व्यक्ति नहीं थे, एक विचार थे, क्रांति थे। एक ऐसी प्रेरक रौशनी थे, जो सदियों से अंधेरे में डूबे समाज को समानता एवं न्याय का प्रकाश दिखाने आये थे। मध्य प्रदेश के महु में एक दलित परिवार में जन्मे डॉ. बाबा साहेब ने अपने जीवन में हर उस बाधा को तोड़ा जो सामाजिक एवं सांस्कृतिक रूढ़ियों ने उनके सामने खड़ी की थी।राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि एक दलित परिवार में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने न केवल भारत में, बल्कि विश्व के प्रतिष्ठित संस्थानों कोलंबिया विश्वविद्यालय, लंदन स्कूत ऑफ़ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की।वित्त मंत्री ने पत्र में आगे लिखा है कि उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि भारत के संविधान का निर्माण, एक ऐसा संविधान, जिससे हर भारतीय को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार उपलब्ध कराया।डॉ. बाबा साहेब ने न सिर्फ दलित समाज को सशक्त किया बल्कि महिलाओं, श्रमिकों और किसानों के अधिकारों के लिए भी बुलंद आवाज उठाई।उन्होंने छूआछूत के विरुद्ध आंदोलन चलाया।उनके ही योगदान से दलितों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने लाखों-करोड़ों लोगों को नया मार्ग दिखलाया, एक ऐसा मार्ग जो समता करुणा और बंधुत्व पर आधारित है।बाबा साहब ने एक ऐसा संविधान दिया है जो हर इंसान को हक देता है। उन्होंने एक ऐसी व्यवस्था बनाई, जिसमें हर व्यक्ति को अपनी पहचान के साथ जीने का अधिकार है। डॉ. बाबा साहब का सम्मान हर उस व्यक्ति के लिए जरूरी है, जो समानता और न्याय में विश्वास रखता है।बाबा साहब के विचारधाराओं का सम्मान भारत की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक तथा एकता और अखंडता के लिए आवश्यक है। डॉ. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा झारखंड विधानसभा परिसर में लगाई जाए।

जिले में नहीं मिल रही उर्दू किताबें उर्दू अल्पसंख्यक आयोग ने जताई नाराज़गी

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के उर्दू स्कूलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जिले के उर्दू माध्यम के स्कूलों में न तो उर्दू किताबें उपलब्ध कराई जा रही हैं और न ही उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति हो रही है। उर्दू माध्यम में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को हिंदी किताबों से पढ़ाई करनी पड़ रही है, जिससे उनकी शिक्षा पर असर पड़ रहा है।इस गंभीर स्थिति को लेकर झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान और उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने जमशेदपुर सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद आयोग ने स्पष्ट किया कि वे इस मामले को लेकर जल्द ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिकायत करेंगे।आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा विभाग की लापरवाही के कारण आज भी उर्दू किताबों का वितरण नहीं हो पाया है और ना ही शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर कोई पहल की गई है। उन्होंने बताया कि पिछले साल भी इस मुद्दे को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए थे, लेकिन इस वर्ष की समीक्षा में यह साफ हो गया कि उन निर्देशों का पालन नहीं हुआ।शमशेर आलम ने जानकारी दी कि जिले में उर्दू शिक्षकों के 72 पद बीते चार वर्षों से रिक्त हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार से अधिक जिम्मेदार शिक्षा विभाग और संबंधित अधिकारी हैं, जिन्होंने समय पर आवश्यक कदम नहीं उठाए।बैठक में यह भी सामने आया कि जिले के अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में स्वास्थ्य उपकेंद्रों की भी भारी कमी है। आयोग ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया है कि वे ऐसे इलाकों में उप स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना के लिए प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भेजें।इसके अलावा बैठक में कब्रिस्तान की चहारदीवारी, अल्पसंख्यक छात्रावास निर्माण, और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों की भी समीक्षा की गई।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के लिए अंतर विभागीय जांच आवश्यक : उपायुक्त

पलामू(ईएमएस)।पलामू उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पर्यटन संवर्द्धन परिषद की बैठक हुई।समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित बैठक में पिछली बैठक के आलोक में लिये गये निर्णयों की जानकारी ली गयी,बताया गया की राज्य स्तर पर पर्यटन की बैठक नहीं होने के कारण विभिन्न कार्य लंबित है।बैठक में मोहम्मदगंज के भीम चूल्हा के समीप बजट होटल के निर्माण हेतु चयनित भूमि का अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने को लेकर सीओ,भूमि सुधार उप समाहर्ता व अपर समाहर्ता को आपस में बेहतर समन्वय स्थापित करने को लेकर निर्देशित किया।वहीं बैठक में चतरा सांसद प्रतिनिधि ने पांकी के राहेवीर पहाड़ी पर बने शिव मंदिर और तरहसी में महादेव माड़ा को पर्यटकीय दृष्टिकोण से विकसित करने को लेकर रेखांकित किया।इसी तरह हुसैनाबाद विधायक प्रतिनिधि मिथिलेश पांडेय ने हुसैनाबाद के दाताशाह के मजार पर कुछ रेस्ट हॉउस बनाने का अनुरोध किया।उन्होंने बताया कि इस मजार पर झारखंड,बिहार और उत्तर प्रदेश से पर्यटकों का आना-जाना होता है।बैठक में उपायुक्त द्वारा विभिन्न पर्यटकीय स्थलों पर हो रहे निर्माण कार्यों की जानकारी ली,इस दौरान उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर निर्माण कार्य हो रहा है,उन सभी के गुणवत्ता की जांच अंतर विभागीय पदाधिकारी द्वारा किया जाये ताकि कार्य की गुणवत्ता का आकलन निष्पक्षता से किया जा सके।उन्होंने कहा कि इससे निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी बनाया जा सकेगा साथ ही जब जांचकर्ता और कार्यकारी अधिकारी अलग-अलग विभागों से हों,तभी जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सकती है और कार्यों का निष्पादन गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संभव हो पाता है।बैठक में उपायुक्त ने कहा कि जिले के पर्यटन एवं ट्रेवल से जुड़े व्यवसाईयों को झारखंड टूरिस्ट ट्रेड रजिस्ट्रेशन पोर्टल में निबंधन कराया जाना है। इस पोर्टल में पर्यटन से जुड़े सभी व्यवसाईयों का अधिकाधिक निबंधन हो,इसके लिये होटलों,कार/मिनी बस ऑपरेटरों, एडवेंचर स्पोर्ट्स से जुड़े लोग, टूरिस्ट गाइड, फोटोग्राफरों के बीच व्यापक रूप से जागरूकता अभियान चलाया जाना आवश्यक है।

उन्होंने पर्यटन पदाधिकारी को जागरूकता अभियान चलाने को लेकर निर्देशित किया।

झारखंड के लिए भाजपा का कोई योगदान नहीं : डॉ इरफान अंसारी

रांची(ईएमएस)। कांग्रेस भवन में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने सोमवार को जनता दरबार लगाया। उन्होंने जनता की समस्याओं को सुना और उसके समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। जनता दरबार के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भाजपा ने पूरे सिस्टम को बर्बाद कर दिया है, लेकिन राज्य के प्रति हमारी संवेदना है। झारखंड राज्य के लिए भाजपा का कोई योगदान नहीं है। राज्य के लोगों का विकास होगा। निचले स्तर के अधिकारियों को जनता के प्रति नरम रुख रखना होगा। जनता दरबार में जमीन, मंईयां सम्मान योजना, जन वितरण प्रणाली, बिजली बिल सुधार, 50 बेड के अस्पताल निर्माण, आपदा प्रबंधन व कल्याण विभाग, नगर विकास, स्वास्थ्य खाद्य आपूर्ति सहित कई विभागों से संबंधित समस्याएं आयी हैं।उनका प्रयास है कि समस्याओं का निराकरण हो। जनता दरबार से जनता के साथ-साथ संगठन को भी फायदा मिल रहा है। जनता दरबार में स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष 123 लोगों ने अपनी समस्याओं को रखा। इस पर उन्होंने तत्काल पहल करते हुए अधिकारियों से समाधान का रास्ता निकालने को कहा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आम लोगों की समस्याओं को अधिकारियों को समझना होगा। जब तक अधिकारी-कर्मचारी अपने कार्यों का स्वमूल्यांकन नहीं करेंगे, तब तक जनता की समस्याओं को गंभीरता से नहीं समझ पाएंगे। लोग जिस उम्मीद से कांग्रेस के पास आते हैं, वे खाली हाथ नहीं जाते। जनता दरबार में सिल्ली में जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न एनजीओ को दी गई एंबुलेंस, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश द्वारा गंज परिवार को दी गई कार्डियक एम्बुलेंस के संचालित नहीं होने को लेकर मामला आया।इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्र निर्माण संबंधित,समस्याएं भी मंत्री के समक्ष लोगों ने रखा। कई मामलों में डॉ इरफान अंसारी ने अधिकारियों को सीधे निर्देश दिया और कई समस्याओं के समाधान के लिए प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। कार्य की प्रगति से अवगत कराने का भी निर्देश दिया। जनता दरबार में रांची, गुमला, धनबाद, पलामू, चतरा, गिरिडीह, हजारीबाग, खूंटी सहित विभिन्न जिलों के लोगों ने अपनी समस्याओं को रखा।

स्थानीय लोगों की भावनाओं का भी ख्याल रखे सेल बोकारो : मुख्य सचिव अलका तिवारी

रांची(ईएमएस)।मुख्य सचिव अलका तिवारी ने कहा है कि बोकारो स्टील प्लांट विभिन्न मसलों का समाधान समन्वय बनाकर करें। इसके लिए लगातार पारदर्शी संवाद कायम करें।इस प्रक्रिया में स्थानीय लोगों की भावनाओं का भी ख्याल रखें।स्टील पॉलिसी के तहत सेल की विभिन्न इकाइयों में कई विकासात्मक कार्य हो रहे हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि बोकारो के लोग यह नहीं महसूस करें कि वे इसमें पीछे छूट रहे हैं। इसके लिए जरूरी है कि हम स्थानीय निवासियों की फीलिंग को समझें। उनके मनोविज्ञान को पढ़ें और मानवीय आधार पर सकारात्मक ढंग से आगे बढ़ें।सेल जिन युवाओं को विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षित करता है, उन्हें रोजगार के अवसर मुहैय्या कराने पर भी फोकस करें।साथ ही स्थानीय समस्याओं का समाधान लोकल स्तर पर समन्वय बनाकर करने को कहा।मुख्य सचिव सोमवार को सेल के चेयरमैन और उनकी टीम, संबंधित विभागों के सचिव और बोकारो जिला प्रशासन के साथ बोकारो स्टील सिटी के विविध मसलों को लेकर आहूत बैठक में बोल रहीं थीं।बैठक के दौरान विस्थापितों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।इस मसले का हल समन्वित प्रयास से करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए जवाबदेही के साथ आपसी विश्वास और सौहार्द विकसित करने पर बल दिया गया।मुख्य सचिव ने इसके लिए सक्षम समन्वित योजना और समयबद्ध समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का निर्देश दिया।पुनर्वास से वंचित 20 गांवों के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई।इस मामले में बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा का कहना था कि जिला पंचायती राज विभाग ने चास ब्लॉक के 9 पंचायतों के पुनर्गठन का प्रस्ताव दिया है, ताकि वहां के निवासियों के कुछ मूलभूत अधिकार कायम हो सके, लेकिन सेल इसके लिए तैयार नहीं हो रहा है।सेल के चेयरमैन अमरेंद्र प्रकाश ने कहा कि हमारी मंशा किसी को उजाड़ने की नहीं है। बोकारो स्टील सिटी का भविष्य में जिस अधिग्रहित जमीन पर विस्तार की कोई गुंजाइश नहीं है, उस जमीन पर प्रशासन सरकारी मकान बनाकर लोगों को बसाये।मुख्य सचिव ने बोकारो के उपायुक्त को इस पर आगे बढ़ने का निर्देश दिया।बोकारो स्टील सिटी द्वारा अप्रयुक्त 756.94 एकड़ वन भूमि को वन विभाग को लौटाने को लेकर भी चर्चा हुई। सेल उक्त भूमि को लौटाने की सहमति दे चुका है, लेकिन अभी तक इसका क्रियान्वयन नहीं हुआ है। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि सेल और वन विभाग पहले एक समन्वित टीम बनाकर उक्त जमीन का नक्शा बनायें, ताकि यह स्पष्ट हो जाये कि लौटाने वाली जमीन की सीमा क्या है।वन सचिव अबू बक्कर सिद्दीख ने प्रस्ताव दिया कि सीमांकन के बाद वन विभाग उसकी पिलरिंग कराने के लिए तैयार है, बशर्ते सेल उसके खर्च का भुगतान करे। सेल चेयरमैन ने पैसा देने की सहमति दी।वहीं अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल करिडोर में सामने आ रही समस्या का समाधान राजस्व सचिव के साथ समन्वय से करने का निर्देश दिया गया।मुख्य सचिव ने गरगा डैम की मरम्मति और वहां की खाली जमीन पर पर्यटन विकास का भी निर्देश दिया।मुख्य सचिव अलका तिवारी ने व्यवस्थित ढंग से बसे बोकारो स्टील सिटी को भी टॉप टेन में लाने का प्रयास करने को कहा।बोकारो उपायुक्त ने बैठक में इसे टॉप वन सिटी बनाने का खाका प्रस्तुत किया।सेल के चेयरमैन ने इसमें पूरा सहयोग देने की बात कही।उन्होंने कहा कि बोकारो में अतिक्रमण बड़ा मसला है। 1932 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण है। इसी कारण समस्या है। उन्होंने कहा कि बोकारो को व्यवस्थित करने के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। 20 हजार करोड़ से प्रस्तावित बोकारो स्टील सिटी के विस्तारीकरण के साथ आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी। सेल में एक व्यक्ति को नौकरी मिलेगी, तो सात स्थानीय बाहरी लोगों को भी रोजगार मिलेगा।

बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी ने सीएम नीतीश को दी सलाह

नीतीश से नहीं संभल रहा बिहार बेटे को बना दें मुख्यमंत्री

पटना (ईएमएस)। बिहार में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। राज्य में चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत के राजनीति में आने को लेकर अटकलें लग रही हैं। हालांकि, अभी इस मुद्दे पर खुद निशांत या उनके पिता सीएम नीतीश कुमार ने अब तक कुछ नहीं कहा है। इस बीच अब राजद की नेता और बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी ने सीएम नीतीश को एक सलाह दे दी है। बिहार में बढ़ते अपराध के मुद्दे पर राबड़ी देवी ने कहा है कि नीतिश से यह नहीं संभल रहा है इसलिए उन्हें अपने बेटे को मुख्यमंत्री बना देना चाहिए।पटना में राबड़ी देवी ने कहा कि अपराध बिहार में बढ़ा गया है। पूरे बिहार में अपराध चरम पर है। बिहार में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति ठीक नहीं है। इसके बाद यदि नीतीश कुमार से बिहार संभल नहीं रहा है। नीतिश गृह हैं और मुख्यमंत्री भी हैं लेकिन नीतिश से अपराध नहीं संभल नहीं रहा है। इसके बाद जब राबड़ी देवी से पूछा गया कि क्या नीतीश को इस्तीफा देना चाहिए? तब इसपर राजद की नेता ने कहा, 'इस्तीफा दें या ना दें, अपने बेटे को मुख्यमंत्री बना दें। उनसे नहीं संभल रहा है, तब बेटा संभालेगा।'वहीं विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम पर राबड़ी देवी ने कहा कि वोटरों का नाम काटा जा रहा है और यह गलत हो रहा है। उन्होंने सवाल उठाकर कहा कि जिसका नाम कट जाएगा क्या वहां बिहार का या भारत का नागरिक नहीं है? राबड़ी ने कहा, 'तीन करोड़ लोग जो बाहर जाते हैं उनका नाम कट गया, ये गलत काम कर रहा है। चुनाव आयोग को समझना चाहिए कि बरसात का दिन है, बाढ़ का दिन है और लोग कमाने के लिए बाहर जाते हैं।

तेजस्वी और तेजप्रताप घर में नहीं, पर विधानसभा में एक साथ बैठे नजर आएंगे

पटना(ईएमएस)। बिहार विधानसभा का मानसूत्र आखिरी सत्र है। इसके बाद राज्य में अक्टूबर नवंबर में चुनाव होना है। 25 जुलाई तक चलने वाले इस सत्र में लालू यादव परिवार एक बार फिर चर्चा में आ गया है। जहां मनमुटाव के चलते दोनों भाई तेजस्वी और तेजप्रताप एक छत के भीतर तो नहीं रह रहे हैं, लेकिन फिर भी वे एक सत्र के भीतर जरूर नजर आने वाले हैं।तेजप्रताप का अनुष्का के साथ फोटो वायरल होने की चर्चा ने बिहार सियासी तपिश बढ़ा दी थी। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को पार्टी और परिवार दोनों से ही बाहर का रास्ता दिखा दिया था। तेजस्वी यादव और उनके बड़े भाई तेजप्रताप यादव के बीच मनमुटाव की खबरें पिछले कुछ महीनों से सुर्खियों में हैं। पारिवारिक विवाद के बाद मीडिया के सामने तेजस्वी यादव बड़े भाई तेजप्रताप को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। तेजस्वी पर कई गंभीर-जैसे कि उनपर परिवार और पार्टी में अपना दबदबा कायम करने के लिए तेजप्रताप की बेदखली में शामिल होने जैसे आरोप लगे थे।यह पहली बार है जब मई के बाद दोनों एक ही मंच पर सार्वजनिक रूप से साथ दिखेंगे। इससे पहले वे 3 मई को पटना के मिलर हाई स्कूल में आयोजित 'अत्यंत पिछड़ा वर्ग जागरूकता सम्मेलन' में दोनों भाई साथ नजर आए थे।मई में तेजप्रताप को न सिर्फ राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से बाहर कर दिया गया था, बल्कि उन्हें पारिवारिक घर से भी निकाल दिया गया था। तेजप्रताप की गर्लफ्रेंड को लेकर विवाद की वजह से परिवार के भीतर तनाव बढ़ गया था। हालांकि, आज 11 बजे से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में तेजप्रताप और तेजस्वी अगल-बगल बैठे नजर आएंगे। बिहार विधानसभा सचिवालय की सीटिंग अरेंजमेंट के मुताबिक, दोनों भाइयों के बैठने की जगहों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यानी पारिवारिक मनमुटाव और पार्टी से निष्कासन के बावजूद वे विधानसभा में साथ होंगे। चुनावी मौसम में तेजप्रताप की वायरल फोटो के बाद माना गया कि पार्टी के लिए मुश्किलें पैदा हो सकती हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि तेजप्रताप पहले से ही शादीशुदा हैं और उनकी पहली पत्नी के साथ तलाक का मामला फंसा हुआ है। ऐसे में तेजप्रताप दूसरी लड़की के साथ नजर आए, जिससे लालू यादव ने माना कि न सिर्फ परिवार का नाम खराब हुआ, बल्कि चुनाव में पार्टी को भी नुकसान हो सकता है। यही वजह रही कि लालू ने सख्त कदम उठाते हुए तेजप्रताप को पार्टी से बेदखल करना बेहतर समझा।

संक्षिप्त ख़बरें

पूर्व विधायक अनंत सिंह के समर्थकों पर गोली चलाने वाला टीटू धमाका गिरफ्तार

पटना,(ईएमएस)। पूर्व विधायक अनंत सिंह के समर्थकों और सोनू-मोनू गैंग के बीच जनवरी में नौरंगा में हुई गोलीबारी में भी शामिल टीटू धमाका उर्फ चंदन को पटना पुलिस ने गिरफ़्तार कर लिया है। कई मामलों में टीटू फरार था। इस संबंध में पंचमहला थाने में दर्ज दो मामलों में वह आरोपित है। पुलिस सरगर्मी से उसकी तलाश में जुटी थी। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह दिल्ली में छुपा था।पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय कुमार शर्मा ने बताया कि आरोपित टीटू धमाका उर्फ चंदन लखीसराय जिले के बड़हिया थाना इलाके के जैतपुर गांव का रहने वाला है। उस पर पंचमहला थाने में पहले से दो कांड दर्ज हैं। इसके अलावा उसके खिलाफ बाढ़, बड़हिया, मराची, वीरुपुर और झारखंड के रिखिया सहित अन्य थानों में 14 मामले दर्ज हैं। कई कांडों में वह लंबे समय से फरार चल रहा था।उसकी गिरफ्तारी के लिए पटना पुलिस की एक टीम गठित की गई थी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि वह नई दिल्ली के कापसहेड़ा थाना इलाके के विजवासन में छिपकर रह रहा है। इसके बाद पुलिस टीम ने नई दिल्ली में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके पहले वह हत्या, लूट, डकैती सहित कई गंभीर कांडों में जेल जा चुका है।

तेज प्रताप यादव ने लॉन्च किया नया सोशल मीडिया पेज

नई पार्टी बनाने की अटकलें हुई तेज

पटना (ईएमएस)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर 'टीम तेज प्रताप यादव' नाम से नया पेज लॉन्च किया है। यह पेज फेसबुक और एक्स (पूर्व ट्विटर) पर बनाया गया है, जिसमें उन्होंने अपने माता-पिता लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की तस्वीरें भी साझा की हैं। तेज प्रताप ने इस पेज पर एक नारा लिखा है, जिसका कायम है प्रताप, वो है आपका अपना तेज प्रताप, और समर्थकों से इसे फॉलो करने की अपील की है। तेज प्रताप ने अपने पेज पर यह भी बताया कि उन्होंने जनता दरबार सीधी बात, सीधा समाधान के तहत राज्यवासियों की समस्याएं सुनीं और त्वरित समाधान के लिए कार्रवाई की। इस कदम के बाद राजनीतिक गलियारों में तेज प्रताप की नई पार्टी बनाने की चर्चा शुरू हो गई है, हालांकि उन्होंने अभी तक इस पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि, तेज प्रताप के राजनीतिक करियर में हाल ही में विवाद भी हुआ था। उन्होंने सोशल मीडिया पर अनुष्का नाम की एक लड़की के साथ तस्वीरें साझा की थीं, जिसमें दावा था कि वे 12 साल से रिश्ते में हैं। इस पर राजद सुप्रीमो लालू यादव ने उन्हें पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। इसके बाद तेज प्रताप ने पोस्ट डिलीट कर दी थी, लेकिन वायरल तस्वीरों ने विवाद को हवा दी। इसके चलते लालू प्रसाद ने तेज प्रताप से पारिवारिक संबंध भी तोड़ने का फैसला किया। राजद ने तेज प्रताप के निष्कासन का पत्र बिहार विधानसभा को अभी तक औपचारिक रूप से नहीं भेजा है। इसलिए, आगामी विधानसभा मानसून सत्र में तेज प्रताप यादव के विपक्षी नेता तेजस्वी यादव के साथ बैठने की संभावना बनी हुई है। इस बीच, तेज प्रताप की राजनीतिक सक्रियता और नए पेज ने उनकी आगामी योजनाओं को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है।

झाझा-आसनसोल-भुवनेश्वर-विजयवाड़ा-पेरम्बूर-काटपाडी के रास्ते पटना और एरणाकुलम के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर, (ईएमएस)। यात्रियों की अत्याधिक भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में झाझा-आसनसोल-भुवनेश्वर-विजयवाड़ा-पेरम्बूर (चेन्नई)-काटपाडी-कोयम्बत्तूर के रास्ते पटना और एरणाकुलम के मध्य एक स्पेशल ट्रेन 06085/06086 का परिचालन करने का निर्णय लिया गया है। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि यह स्पेशल पटना से प्रत्येक सोमवार एवं एरणाकुलम से प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित की जाएगी।गाड़ी सं. 06085 एरणाकुलम-पटना स्पेशल 25 जुलाई से 15 अगस्त तक प्रत्येक शुक्रवार को एरणाकुलम से 23.00 बजे खुलकर सोमवार को 03.30 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में 06086 पटना-एरणाकुलम स्पेशल 28 जुलाई से 18 अगस्त तक प्रत्येक सोमवार को पटना से 23.45 बजे खुलकर गुरूवार को 10.30 बजे एरणाकुलम पहुंचेगी। इस स्पेशल में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का 01, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 13 तथा साधारण श्रेणी के 04 कोच होंगे।

अलग-अलग हादसों में दो कांवड़ियों की मौत, तीन घायल

मुजफ्फरनगर (ईएमएस)। मुजफ्फरनगर जिले में अलग-अलग सड़क हादसों में दो कांवड़ियों की मौत हुई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पहली घटना जिले के सिमली बायपास के पास हुई।पुलिस ने बताया कि एक पिकअप ट्रक के पलट जाने से एक कांवड़िए अमित (28) की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।पुलिस के अनुसार घटना तब हुई जब चार कांवड़िए हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने वाहन में हरियाणा के महेंद्रगढ़ लौट रहे थे। दूसरी घटना में दिल्ली निवासी कांवड़िए विक्की (35) को नई मंडी थाना क्षेत्र में दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर पंचेंडा पुल के पास अचेत अवस्था में पाया गया।पुलिस ने बताया कि विक्की को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा संदेह है कि हरिद्वार से दिल्ली पैदल लौटते समय किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से विक्की के सिर में चोट लग गई जिससे उसकी मौत हो गई। बघेल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अरे भाई जो भारत का नागरिक ही नहीं है, वह चुनाव में वोट कैस दे सकता : ललन सिंह

पटना (ईएमएस)। बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष के हंगामे के बीच केंद्रीय मंत्री और जेडी(यू) सांसद राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह का बड़ा बयान दिया है। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने विपक्ष पर पलटवार कर कहा कि इस पर चर्चा से कौन भाग रहा है? यदि आप यह कहना चाहते हैं कि जो व्यक्ति इस देश का नागरिक नहीं है, उस अपना वोट देना चाहिए,....... और फिर आप संविधान की एक प्रति लेकर घूमते हैं। जब जो व्यक्ति भारतीय नागरिक नहीं है, वह भारत में अपना वोट कैसे डाल सकता है?केंद्रीय राज्य मंत्री और जदयू सांसद रामनाथ ठाकुर ने कहा कि विपक्ष का काम विरोध करना है, लेकिन मोदी सरकार का काम निर्णय लेना है। जिन लोगों के पास पहचान पत्र हैं, उनके नाम (मतदाता सूची से) नहीं काटे जाएंगे। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों ने पहलगाम आतंकी हमले और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद सहित अन्य विषयों पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा किया, इसकारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के करीब 20 मिनट बाद दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।सत्र के पहले दिन पारंपरिक रूप से राष्ट्रगान की धुन के साथ कार्यवाही की शुरुआत हुई। फिर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सात पूर्व सदस्यों किशन कपूर, भगत राम, कुमारी अनंथन, गिरिजा व्यास, मिनाती सेन, सुखदेव सिंह ढींढसा और छोटे सिंह यादव के निधन के बारे में सदन को सूचित किया। इसके बाद बाद उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले और अहमदाबाद विमान हादसे का उल्लेख करते हुए दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि दी। लोकसभा अध्यक्ष ने हाल में देश के कई हिस्सों में आई प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुए जानमाल के नुकसान का भी उल्लेख किया। इसके बाद सदन ने कुछ देर मौन रखकर दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि दी।

बिहार में जमीन रजिस्ट्री की प्रक्रिया हुई आसान, अब घर बैठे ही केवाला करें डाउनलोड

पटना, (ईएमएस)। बिहार में जमीन रजिस्ट्री की प्रक्रिया को और भी पारदर्शी व सुगम बनाने के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने नई व्यवस्था शुरू की है। अब राज्य के निबंधन कार्यालयों में जमीन का निबंधन होते ही क्रेता और विक्रेता के मोबाइल पर दस्तावेज का लिंक भेजा जा रहा है। इस लिंक के जरिए दोनों पक्ष घर बैठे ही केवाला डाउनलोड कर प्रिंट निकाल सकते हैं। साथ ही निबंधन के तुरंत बाद कार्यालय से भी दस्तावेज प्राप्त किया जा सकता है। निबंधन के तुरंत बाद निबंधन कार्यालय से भी दस्तावेज प्राप्त किए जा सकते हैं। यह व्यवस्था जिला निबंधन कार्यालयों में इस सप्ताह से शुरू हो गई है। इसमें जमीन के क्रेता-विक्रेता दोनों के मोबाइल पर निबंधन के साथ-साथ दस्तावेज का लिंक भेजा जा रहा है। बताया गया है कि निबंधन कार्य में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से ऐसा किया गया है। इस नई व्यवस्था से अब क्रेता और विक्रेताओं की कितनी भी संख्या हो, उनके मोबाइल पर जमीन निबंधन के साथ दस्तावेज का लिंक आ जाएगा।

नालंदा में राजद नेता की पिटाई, आक्रोशत ग्रामीणों ने किया पुलिस पर पथराव

नालंदा, (ईएमएस)। बिहार के नालंदा जिले में सोमवार सुबह जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। स्थानीय राजद नेता हेमंत कुमार को बुरी तरह से पीटा गया। साथ ही उन पर कई राउंड फायरिंग की गई। एक गोली उनके सिर को छूकर निकल गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोग उग्र हो गये और पुलिस पर पथराव कर दिया। इस बीच राजद नेता हेमंत कुमार को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी स्थिति सामान्य बतायी जा रही है। उधर इस घटना से नाराज लोगों ने सड़क जाम कर दिया और एक बाइक में आग लगा दी। जब मौके पर पुलिस पहुंची तो लोगों ने पुलिस कर्मियों पर पथराव कर दिया। इसमें कुछ पुलिस कर्मियों के घायल होने की भी खबर है। वहीं बेकाबू हालात देख हिलसा अनुमंडलीय पदाधिकारी अमित कुमार पटेल पुलिस पदाधिकारी गोपाल कृष्ण सहित कई थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस प्रशासन के आश्वासन के बाद घंटों लगे जाम को लोगों ने हटा दिया। इस दौरान हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा और पुलिस ने उपद्रवियों को वहां से खदेड़ दिया तब जाकर मामला शांत हुआ। बताया जा रहा है कि एकंगरसराय थाना क्षेत्र के रक्शा गांव में दो साल से जमीन विवाद चला आ रहा है। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है और पुलिस मौक़े पर कैम्प कर रही है। पुलिस घटना में शामिल आरोपियों की तलाश कर रही है। गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए एहतियातन पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

बिहार में भूमि सर्वे के नियमों में होगा बड़ा बदलाव विधानसभा में संशोधन विधेयक पेश करेगी सरकार

पटना, (ईएमएस)। इन दिनों बिहार में भूमि सर्वे का कार्य चल रहा है. हालांकि यह कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है। 2024 में भूमि सर्वेक्षण के कार्य ने रफ्तार पकड़ी लेकिन मार्च 2025 आते-आते इसकी रफ्तार काफी धीमी हो गई। सूत्रों की मानें तो भूमि सर्वेक्षण के दौरान हो रही परेशानी से सरकार के खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश को देखते हुए नीतीश सरकार ने विधानसभा चुनाव तक सर्वेक्षण कार्य को धीमा करा दिया है। विधानसभा चुनाव के बाद सर्वे कार्य में तेजी आने की उम्मीद है। वहीं बिहार विधानसभा के इस अंतिम सत्र में नीतीश सरकार ने विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) विधेयक 2025 लाई है। इस विधेयक को विधानमंडल से पास कराकर सरकार पुराने नियम में कई तरह के बदलाव करेगी। सरकार ने कहा है कि भूमि सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त में यह महसूस किया जा रहा है कि नगर क्षेत्र के सर्वेक्षण में शुद्धता, पारदर्शिका सुनिश्चित करने के लिए प्रावधानों में संशोधन की जरूरत है। ऐसे में इस विधेयक के पास होने के बाद नगर क्षेत्रों के राजस्व ग्रामों के भूमि सर्वेक्षण कार्य में सुविधा होगी। साथ ही संबंधित ग्राम/नगर क्षेत्र की जनता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। राजस्व ग्रामों के लिए अलग-अलग खानापूरी दलों का गठन किया जाएगा। अधिकार अभिलेख के संबंध में दावे एवं आपत्तियां एवं उनके अंतिम प्रकाशन के तीन माह के अंदर भूमि सुधार उप समाहर्ता के स्तर के एक या एक से अधिक पदाधिकारी के समक्ष दायर किया जा सकेगा। इसके साथ ही अधिकार अभिलेख के अंतिम प्रकाशन के बाद पारित आदेश के खिलाफ 3 माह के अंदर अपील किया जा सकेगा। एक या एक से अधिक भूमि सुधार उपसमाहर्ता स्तर के पदाधिकारी को राज्य सरकार द्वारा अपील की सुनवाई के लिए अधिसूचित किया जाएगा। अधिकार अभिलेख को तैयार करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के राजस्व ग्राम, नगर पालिका क्षेत्र के लिए अलग-अलग खाना पूरी दलों का गठन किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में अवस्थित राजस्व ग्रामों के लिए खानापूरी दल में सहायक बंदोबस्त अधिकारी, कानूनगो और अमीन होंगे। वहीं नगर पालिका क्षेत्र में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग एवं नगर पालिका के पदाधिकारी, कर्मचारी एवं तकनीकी कर्मियों को मिलाकर खाना पूरी दल का गठन किया जाएगा।

बाबा गरीबनाथ मंदिर में वीआईपी दर्शन को लेकर महिला पुलिसकर्मी और स्वयंसेवक के बीच हाथापाई

मुज्जफरपुर : सावन की दूसरी सोमवारी के अवसर पर बाबा गरीबनाथ धाम में दर्शन-पूजन को लेकर भारी भीड़ उमड़ी। इस बीच वीआईपी दर्शन को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि महिला पुलिसकर्मी और स्वयंसेवक संस्था की सदस्य के बीच कहासुनी के बाद हाथापाई हो गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं और आम लोगों के बीच भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। घटना दोपहर के समय उस वक्त हुई जब मंदिर परिसर में जलाभिषेक का क्रम जारी था। बताया जा रहा है कि कुछ श्रद्धालु नियमों की अनदेखी करते हुए गर्भगृह में जबरन प्रवेश कर विशेष पूजा करना चाह रहे थे। ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मी ने उन्हें रोका, जिस पर स्वयंसेवक संस्था की एक सदस्य ने आपत्ति जताई। देखते ही देखते दोनों के बीच बहस शुरू हो गई और बात हाथापाई तक पहुंच गई। स्वयंसेवकों का आरोप है कि पुलिसकर्मी मनमाने तरीके से अपने परिचितों को वीआईपी प्रवेश दिलवाती हैं, और जब कोई इसका विरोध करता है तो बदसलूकी व मारपीट पर उतारू हो जाती हैं। वहीं पुलिसकर्मियों का कहना है कि स्वयंसेवकों द्वारा ड्यूटी में हस्तक्षेप और अभद्र व्यवहार किया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर मौजूद मंदिर प्रशासन और अन्य पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप कर स्थिति को शांत कराया। बाबा गरीबनाथ मंदिर के महंत पुजारी अभिषेक पाठक ने बताया, "दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी, जिसे तत्काल शांत करा दिया गया। अब माहौल पूरी तरह से सामान्य है। मंदिर प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है। वहीं जिला प्रशासन ने भी पूरे मामले की जानकारी ली है।यह पहली बार नहीं है जब बाबा गरीबनाथ मंदिर में वीआईपी दर्शन को लेकर विवाद हुआ है। बीते सोमवार की रात भी गर्भगृह में दर्जनों लोगों के विशेष प्रवेश की तस्वीरें सामने आई थीं। वायरल वीडियो में 50 से अधिक लोग गर्भगृह के भीतर नजर आए, जबकि मुख्य पुजारी का दावा था कि आरती के दौरान केवल 10–12 लोग ही बाबा की सेवा में रहते हैं। फिलहाल मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन दोनों ही पूरे घटनाक्रम की जांच कर रहे हैं, ताकि आगे इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बिहार में अगले 24 घंटे में भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी

पटना, (ईएमएस)। एक बार फिर मौसम ने करवट ली है और मौसम विभाग ने भी अगले 24 घंटे में भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी दी है। बारिश के दौरान लोगों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए मौसम विभाग ने कुछ सुझाव दिए हैं। विभाग ने अपील की है कि खराब मौसम होने पर खेत पर काम करने से बचें, आसमानी बिजली गिरने की संभावना भी जतायी गई है। बारिश में किसी बिजली के पोल के पास खड़े ना हों और पक्के मकान की शरण लें। इस बीच मौसम विभाग ने बिहार के कई जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण और पूर्वी बिहार के जिलों में भारी बारिश, ठनका और तेज हवा चलने की संभावना है। वहीं मौसम विभाग ने कोसी और सीमांचल के क्षेत्रों के लिए भी अलर्ट जारी किया है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बिहार के दक्षिण और पूर्वी जिलों में अगले 24 घंटों में मौसम खराब रहने की संभावना है। इन इलाकों में तेज बारिश और वज्रपात होने की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती है। मौसम विभाग ने बिहार के दक्षिण और पूर्वी क्षेत्र के 25 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। दक्षिण बिहार में गया, अरवल,औरंगाबाद, जहानाबाद, नवादा, नालंदा, रोहतास, कैमूर, बक्सर, भोजपुर और पटना शामिल है. वहीं पूर्वी बिहार में भागलपुर, जमुई, बांका मुंगेर,खगड़िया, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज और अररिया के लिए अलर्ट जारी किया गया है। जबकि कोसी सीमांचल क्षेत्र में सुपौल, सहरसा और मधेपुरा के लिए अलर्ट जारी किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

मोहाली में बब्बर खालसा इंटरनेशनल का बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

मोहाली (ईएमएस)। मोहाली पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी नामक एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। यह आरोपित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़ा हुआ है। गुरप्रीत सिंह ने 10 जुलाई को मोहाली के एयरोसिटी में एक प्रॉपर्टी डीलर के दफ्तर के बाहर फायरिंग कर रंगदारी मांगी थी। पुलिस ने जब आरोपी को रोकने की कोशिश की, तब उसेन पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली से उसके पैर में चोट लगी, जिसके बाद गिरफ्तार कर मोहाली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुरप्रीत सिंह फतेहगढ़ साहिब के मंडी गोबिंदगढ़ का निवासी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह विदेश में बैठे आतंकियों के इशारे पर काम करता था, जो उसे हथियार और पैसे मुहैया कराते थे। हाल ही में स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, मोहाली ने बीकेआई से जुड़े तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया था, जिन्होंने पटियाला और हरियाणा में पुलिस चौकियों पर ग्रेनेड से हमला किया था। इन्हीं से पूछताछ के दौरान गुरप्रीत का नाम सामने आया था। गुरप्रीत सिंह पर पहले से ही फिरौती और फायरिंग सहित चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह पहले भी जेल की सजा काट चुका है। पुलिस को उम्मीद है कि गुरप्रीत सिंह से पूछताछ के दौरान कुछ और महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

नूंह जिले के एक गांव में सात वर्षीय बच्चे की चाकू मारकर हत्या

नूंह,(ईएमएस)। हरियाणा के नूंह जिले के एक गांव के पास सात वर्षीय एक लड़के की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि मामला तब प्रकाश में आया जब कलवाड़ी गांव के कुछ निवासियों ने कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर बच्चे का खून से लथपथ शव देखा और पुलिस को सूचित किया। शव के पास एक चाकू भी मिला। संदेह है कि हत्या में इसी चाकू का इस्तेमाल हुआ था। मृतक बच्चे की पहचान एक निजी कंपनी में काम करने वाले कमल के बेटे आशीष के रूप में हुई है। परिवार में बच्चे की मां, एक बड़ा भाई और बहन है। परिवार मूल रूप से राजस्थान के अलवर के पालकरी गांव का रहने वाला था, लेकिन पिछले तीन महीनों से फतेहपुर गांव में किराए के मकान में रह रहा था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डॉक्टरों ने पेट से 10.6 किलोग्राम का गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर निकाला

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सफदरजंग अस्पताल में डॉक्टरों ने एक मरीज के पेट से 10.6 किलोग्राम का गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर (जीआईएसटी) सफलतापूर्वक निकाला है। यह एक दुर्लभ कैंसरयुक्त ट्यूमर होता है जो पाचन तंत्र में विकसित होता है। ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर ने बताया कि ट्यूमर का वजन 10.6 किलोग्राम था, जो कि एक असाधारण आकार है। यह ट्यूमर मरीज के पेट और उसके आसपास के लगभग सभी आंतरिक अंगों को प्रभावित कर रहा था, जिससे उन पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा था। मरीज पिछले आठ महीने से इस बीमारी से जूझ रहा था। सर्जरी की जटिलताः वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल के निदेशक डॉ. संदीप बंसल ने बताया कि इतने बड़े और कई अंगों से जुड़े ट्यूमर को निकालना बेहद जटिल प्रक्रिया थी। इसमें उच्च स्तर की सर्जिकल विशेषज्ञता और विभिन्न विभागों के बीच बेहतरीन समन्वय की आवश्यकता थी। डॉ. बंसल ने इस उपलब्धि को अस्पताल में उत्कृष्ट सहयोगात्मक चिकित्सा पद्धति का प्रमाण बताया। इसमें विशेषज्ञ सर्जिकल टीम, कुशल एनेस्थेसियोलॉजिस्ट और समर्पित नर्सिंग स्टाफ शामिल थे।

ऑनलाइन खाना ऑर्डर किया, पनीर समझकर खाया, लेकिन चिकन निकाला

पीड़ित ने रेस्टोरेंट संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया

लखनऊ। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक व्यक्ति को ऑनलाइन खाना ऑर्डर करना मंहगा पड़ गया। दरअसल लखनऊ के विभूतिखंड थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने एक फूड डिलीवरी एप के जरिए पनीर काली मिर्च नामक शाकाहारी पकवान का ऑर्डर दिया। जब खाना घर पहुँचा और व्यक्ति ने खाने को खाया, तब उस शख्स को एहसास हुआ कि यह पनीर नहीं बल्कि चिकन था। पीड़ित, जो मांसाहारी नहीं है, उन्हें यह जानकर गंभीर मानसिक और शारीरिक परेशानी हुई। इस घटना से नाराज होकर, पीड़ित ने सीधे थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शख्स ने आरोप लगाया कि रेस्टोरेंट ने लापरवाही बरती है और यह सिर्फ एक गलती नहीं, बल्कि धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ है। पीड़ित ने रेस्टोरेंट संचालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह मामला गंभीर है क्योंकि यह धार्मिक भावनाओं से जुड़ा हुआ है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह जानबूझकर किया गया था या गलती से हुआ। पुलिस ने कहा है कि जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

सपा विधायक ने कहा- कांवड़ यात्रा में शिवभक्तों से ज्यादा गुंडे

संभल,(ईएमएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक इकबाल महमूद ने कांवड़ यात्रा को लेकर एक विवादित बयान देकर राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा में शिवभक्तों से ज्यादा गुंडे शामिल हैं, जो तोड़फोड़ और गुंडागर्दी कर रहे हैं। सपा विधायक महमूद ने ऐसे लोगों को जेल भेजने की मांग करते हुए कहा कि उनकी हरकतें यात्रा की पवित्रता को कलंकित कर रही हैं। विधायक ने मुजफ्फरनगर में एक स्कूल वैन पर हुए कथित हमले का हवाला देते हुए कहा कि उपद्रवी तत्व श्रद्धा की आड़ में हिंसा फैला रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सच्चे शिवभक्तों की संख्या कम है और उपद्रवियों की संख्या अधिक। महमूद ने कहा, ये लोग अच्छे कर्म नहीं कर रहे, इनका हिसाब परलोक में होगा।

अलग-अलग हादसों में दो कांवड़ियों की मौत, तीन घायल

मुजफ्फरनगर (ईएमएस)। मुजफ्फरनगर जिले में अलग-अलग सड़क हादसों में दो कांवड़ियों की मौत हुई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पहली घटना जिले के सिमली बायपास के पास हुई। पुलिस ने बताया कि एक पिकअप ट्रक के पलट जाने से एक कांवड़िए अमित (28) की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।
पुलिस के अनुसार घटना तब हुई जब चार कांवड़िए हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने वाहन में हरियाणा के महेंद्रगढ़ लौट रहे थे। दूसरी घटना में दिल्ली निवासी कांवड़िए विक्की (35) को नई मंडी थाना क्षेत्र में दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर पंचेंडा पुल के पास अचेत अवस्था में पाया गया।
पुलिस ने बताया कि विक्की को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

उत्तराखंड में अग्निवीरों को सरकारी नौकरी में 10 प्रतिशत आरक्षण की तैयारी

राजस्थान, हरियाणा और उत्तरप्रदेश पहले ही दे चुके छूट

देहरादून (ईएमएस)। उत्तराखंड की पुष्कार सिंह धामी सरकार पूर्व अग्निवीरों को सरकारी सेवाओं में 10 प्रतिशत आरक्षण देने की तैयारी कर रही है। उत्तराखंड सरकार के कार्मिक विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार कर विधायी विभाग को परामर्श के लिए भेजा है। यह आरक्षण अग्निवीरों के कल्याण और पुनर्वास के लिए दिया जाएगा। सरकार के सूत्रों के अनुसार, अग्निवीरों को वर्दीधारी सेवाओं जैसे पुलिस, परिवहन, आबकारी और वन विभाग में आरक्षण देने की सिफारिश की गई है, क्योंकि सेना से प्रशिक्षित होने के कारण वे प्रवर्तन सेवाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री धामी ने पिछले साल घोषणा की थी कि अग्निवीरों की सेवा पूरी होने के बाद उनके समायोजन और पुनर्वास के लिए ठोस व्यवस्था होगी। एक उच्च स्तरीय कमेटी ने भी अपनी रिपोर्ट धामी सरकार को सौंप दी है, जिसमें सरकारी सेवाओं में अधिकतम आयु सीमा में छूट, शैक्षिक योग्यता बढ़ाने के इच्छुक पूर्व अग्निवीरों के लिए राज्य के शिक्षण संस्थानों में सीटों पर आरक्षण और स्वरोजगार व ऋण योजनाओं में प्राथमिकता देने की सिफारिश की गई है।

फूलों से समृद्ध हो रहा मध्यप्रदेश, पुष्प उत्पादन में देश में तीसरा स्थान हासिल

वर्ष 2024-25 में किसानों ने 5 लाख 12 हजार 914 टन फूलों का किया रिकॉर्ड उत्पादन

इंदौर (ईएमएस)। मध्य प्रदेश ने पुष्प उत्पादन में देश में अपनी एक विशिष्ट पहचान बना ली है और अब यह देश में तीसरे स्थान पर पहुँच गया है। यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत और सरकारी नीतियों का सुखद परिणाम है। प्रदेश में कुल 27.71 लाख हेक्टेयर उद्यानिकी क्षेत्र में से 42,978 हेक्टेयर में फूलों की खेती हो रही है। वर्ष 2024-25 में किसानों ने 5 लाख 12 हजार 914 टन फूलों का रिकॉर्ड उत्पादन किया है। यह स्पष्ट संकेत है कि वह दिन दूर नहीं जब मध्य प्रदेश फूलों के उत्पादन में देश का सिरमौर बनेगा।
इस अभूतपूर्व प्रगति की मुख्य वजह है किसानों का फूलों की खेती के प्रति बढ़ता रुझान। पिछले चार सालों में, फूलों का रकबा 37,647 हेक्टेयर (2021-22) से बढ़कर 42,976 हेक्टेयर (2024-25) हो गया है, जिससे उत्पादन में 86,294 टन की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। केंद्र और राज्य सरकारें किसानों की आय दोगुनी करने और खेती को मुनाफे का सौदा बनाने के लिए उन्हें लगातार कैश-क्रॉप की ओर प्रेरित कर रही हैं। अब तो छोटी जोत वाले किसान भी, जिनके पास एक से तीन एकड़ तक कृषि भूमि है, फूलों का उत्पादन कर बंपर मुनाफा कमा रहे हैं।

:: अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी म.प्र. के फूलों की मांग ::

मध्य प्रदेश में उत्पादित फूलों की मांग न सिर्फ देश के महानगरों में, बल्कि विदेशों में भी बढ़ी है। गुना जिले के गुलाब अब जयपुर, दिल्ली और मुंबई के बाद पेरिस और लंदन तक पहुँच रहे हैं। राजधानी भोपाल की श्रीमती लक्ष्मीबाई कुशवाह जैसी सफल किसान धान-गेहूं की पारंपरिक खेती छोड़कर गुलाब, जरबेरा और गेंदा का उत्पादन कर हर महीने तीन से चार लाख रुपये कमा रही हैं।
प्रदेश में मुख्य रूप से गेंदा (24,214 हेक्टेयर), गुलाब और सेवंती जैसे फूलों का उत्पादन होता है। फूलों की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता 15.01 मीट्रिक टन है, जिसे फूलों की खेती के लिए सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। यह उच्च उत्पादकता प्रदेश की अनुकूल जलवायु, मिट्टी, सिंचाई सुविधाओं और शासकीय सहयोग का परिणाम है।
उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग फूलों के उत्पादन से लेकर गुणवत्ता सुधार और मार्केटिंग पर लगातार काम कर रहा है। वर्ष 2024-25 में फूलों का रकबा 5329 हेक्टेयर बढ़ा है। इसी कड़ी में, केंद्र सरकार के सहयोग से ग्वालियर जिले में 13 करोड़ रुपये की लागत से एक हाईटेक फ्लोरी कल्चर नर्सरी विकसित की जा रही है, जो भविष्य में मध्य प्रदेश में पुष्प उत्पादन के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

ईडी को फटकराते हुए सुप्रीम कोर्ट ने क्यों कहा, कुछ बोलने पर मजबूर मत करो

राजनीतिक लड़ाई में ईडी क्यों इस्तेमाल हो रहा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज किया। इस दौरान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) ने ईडी पर तीखी टिप्पणी कर कहा कि कुछ बोलने पर मजबूर मत करो, वरना हमें ईडी के बारे में कुछ कठोर कहना पड़ सकता है। शीर्ष अदालत ने सवाल उठाया कि राजनीतिक लड़ाइयां नेताओं और मतदाताओं के बीच लड़ी जानी चाहिए और ईडी क्यों खेल में इस्तेमाल हो रहा है। यह टिप्पणी कर्नाटक में चल रहे मुड्डा घोटाले के मामले में ईडी की भूमिका पर सवाल उठाती है। ईडी ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन बेंच ने सुनने से इंकार किया। सीजेआई ने कहा कि हाईकोर्ट का फैसला स्पष्ट है और इसमें कोई दखल देने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को सख्त लहजे में चेतावनी दी कि वे अपनी जांच को राजनीतिक मकसदों के लिए न बनाए, क्योंकि यह संस्था की विश्वसनीयता को कमजोर करती है। मामला मैसूरु अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (मूडा) द्वारा सीएम सिद्धारमैया की पत्नी को 14 साइटें आवंटित करने से जुड़ा है, जिसे अवैध और मनी लॉन्ड्रिंग का हिस्सा माना जा रहा था। जांच एजेंसी ईडी का दावा था कि सौदे में सिद्धारमैया और उनके परिवार ने गलत तरीके से फायदा उठाया। हालांकि, पार्वती ने पहले ही ये साइटें वापस करने की पेशकश की थी, जिसे मुडा ने स्वीकार कर लिया था। इसके बावजूद ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के तहत कार्रवाई शुरू की, ईडी की इसी कार्रवाई को हाईकोर्ट ने गलत ठहराया।
कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने केंद्र सरकार की ओर से ईडी के दुरुपयोग का सबूत बताया, जबकि विपक्षी भाजपा ने सिद्धारमैया के बचाव के प्रयास के रूप में देखा। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह साफ है कि ईडी को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है और सुप्रीम कोर्ट ने इसकी पोल खोल दी।

केरल हाईकोर्ट को एआई पर क्यों लेना पड़ा बड़ा फैसला

जिला न्यायपालिका में एआई पूर्ण प्रतिबंध

नीति उल्लंघन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई

कोच्चि,(ईएमएस)। एक तरफ हर क्षेत्र में एआई का प्रभाव परिलक्षित हो रहा है तो दूसरी तरफ केरल हाईकोर्ट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग को लेकर एक ऐतिहासिक नीति जारी कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। दरअसल जारी इस नीति के तहत राज्य की जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशों, कर्मचारियों और विधि प्रशिक्षुओं को किसी भी न्यायिक निर्णय, आदेश या कानूनी तर्क में एआई टूल्स का उपयोग करने से सख्त मना किया गया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में एआई का प्रयोग निष्कर्ष, राहत या निर्णय तक पहुंचने के लिए नहीं किया जाएगा, क्योंकि न्यायिक निर्णय की विषयवस्तु और सत्यनिष्ठा की जिम्मेदारी पूरी तरह जजों की होती है। यह देश में अपनी तरह की पहली नीति है, जो एआई टूल्स की तेजी से बढ़ती पहुंच और संभावित खतरों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। कोर्ट ने निजता, डेटा सुरक्षा और न्यायिक विश्वास पर असर जैसे विषयों पर गहरी चिंता जताई है। नीति का उद्देश्य है कि एआई का उपयोग यदि हो भी, तो केवल सहायक उपकरण के रूप में, वो भी पूर्व अनुमति प्राप्त उद्देश्यों तक ही सीमित रहे। यह नीति जनरेटिव एआई टूल्स जैसे चैटजीपीटी, जेमिनीi, कॉपिलॉट और डीप-सीक के साथ-साथ अन्य डेटा आधारित टूल्स को भी कवर करती है। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि इस नीति का उल्लंघन करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें संबंधित सेवा नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

एयर इंडिया हादसे पर सरकार का बयान हर सवाल का जवाब देंगे, अटकलों से बचें

विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने की संयम बरतने की अपील, विपक्ष ने किया वाकआउट

नई दिल्ली,(ईएमएस)। 260 लोगों की जान लेने वाली एयर इंडिया एआई-171 विमान दुर्घटना को लेकर केंद्रीय विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने सोमवार को राज्यसभा में बयान दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है, लेकिन सोशल मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में चल रही अटकलों से बचने की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा, कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) पारदर्शी और पेशेवर तरीके से जांच कर रहा है। अभी जांच पूरी नहीं हुई है, इसलिए जल्दबाज़ी में निष्कर्ष पर न पहुंचे। उन्होंने पश्चिमी मीडिया पर आरोप लगाया कि वे अपनी मनगढ़ंत कहानियों के जरिए जांच को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही मंत्री ने भारतीय मीडिया से भी संयम बरतने और जिम्मेदार रिपोर्टिंग करने की अपील की। नायडू ने कहा, कि हम केवल सच्चाई के साथ खड़े हैं। जांच पूरी होने के बाद पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। देशवासियों को भरोसा दिलाते हैं कि किसी भी स्तर पर कोई पक्षपात नहीं होगा। विपक्ष ने इस मुद्दे के साथ-साथ पहलगाम आतंकी हमले और ट्रंप-पाकिस्तान युद्धविराम दावे को लेकर सरकार को घेरा और प्रधानमंत्री से जवाब की मांग की। कांग्रेस सांसदों ने इस पर राज्यसभा से वॉकआउट कर दिया। एआई-171 विमान ने अहमदाबाद से उड़ान भरने के सिर्फ तीन सेकंड बाद ही इंजन फेल्योर का सामना किया। शुरुआती जांच रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि दोनों इंजनों में ईंधन की आपूर्ति अचानक बंद हो गई थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यह बंद होना तकनीकी खामी थी या मानव त्रुटि।

ईडी का आरोप, डीएलएफ प्रोजेक्ट की लैंड डील में रॉबर्ट वाड्रा ने 58 करोड़ रुपये हासिल किए

नई दिल्ली,(ईएमएस)। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित डीएलएफ प्रोजेक्ट की लैंड डील में अनियमितता की जांच में जुटी ईडी ने सोनिया गांधी के दामाद और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा पर 58 करोड़ रुपये हासिल करने का आरोप लगाया है। ईडी का कहना है कि शिकोहपुर गांव में जो जमीन खरीदी गई थी, उसमें गड़बड़ी थी और इस सौदे से 58 करोड़ रुपये की रकम वाड्रा को मिली थी। ईडी ने केस में बीते सप्ताह ही रॉबर्ट वाड्रा सहित 11 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। शिकोहपुर में ही गुरुग्राम का सेक्टर 83 बसा हुआ है। जमीन को डीएलएफ ने खरीदा था और वहां कई सोसायटियां बस गई हैं। फिलहाल यहां जमीन काफी महंगी है, लेकिन एक समय में 3.5 एकड़ की भूमि महज 7.5 करोड़ रुपये में खरीदी गई थी। यह जमीन रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर ली गई थी। फिर इसी जमीन को डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में 2012 में बेचा गया था। यह मामला तब सामने आया, जब आईएएस अधिकारी अशोक खेमका ने जमीन के म्यूटेशन यानी दाखिल खारिज पर रोक लगा दी थी। इस केस में रॉबर्ट वाड्रा से एजेंसी कई राउंड की पूछताछ कर चुकी है और उसके आधार पर ही चार्जशीट दाखिल की गई है। रिपोर्ट के अनुसार इस लैंड डील के लिए 53 करोड़ रुपये का भुगतान स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी के नाम से हुआ था। इसके अलावा 5 करोड़ रुपये ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर दिए गए। आरोप है कि रॉबर्ट वाड्रा के नाम जमीन जाने के बाद उसका लैंड यूज बदला गया था। ईडी का कहना है कि रकम का इस्तेमाल रॉबर्ट वाड्रा ने पूंजी का इस्तेमाल कुछ अंचल संपत्तियों की खरीद, निवेश, लोन चुकाने आदि में किया। ईडी का कहना है कि रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी को कॉमर्शियल लाइसेंस देने के मामले में भी काफी गड़बड़ियां की गई थीं।

स्पीकर समय दें हम 'ऑपरेशन सिंदूर' पर पूरी रात चर्चा को तैयार : राजनाथ

'ऑपरेशन सिंदूर' को बीजेपी सांसदों ने विजय का उत्सव करार दिया

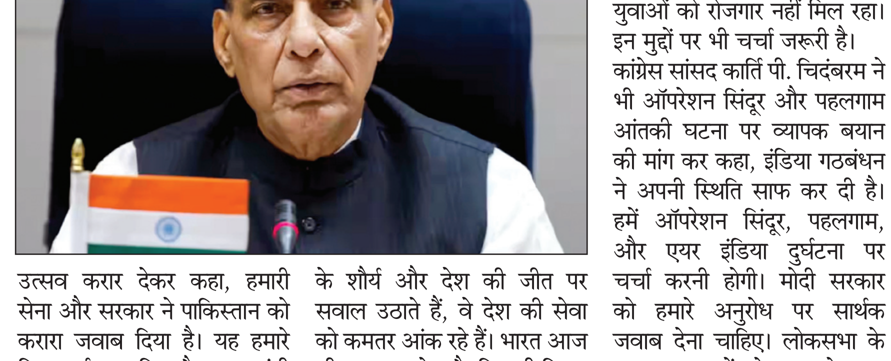

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोमवार संसद का मानसून सत्र शुरू होने के साथ ही 'ऑपरेशन सिंदूर' और विभिन्न मुद्दों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली है।
भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सभी दलों को पहले ही विश्वास में लिया था। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे उन नेताओं से डरती है, जो भारत और राष्ट्रवाद के पक्ष में बोलते हैं। विपक्षी दलों के नेताओं ने विदेश जाकर ऑपरेशन सिंदूर और भारत की ताकत का समर्थन किया, इससे कांग्रेस को डर है कि ये लोग उनके राजनीतिक दुश्मन बन जाएंगे।
उन्होंने कांवड़ यात्रा पर विपक्ष के सवालों को लेकर तंज कसा और कहा कि विपक्ष को उम्मीद थी कि यात्रा में पत्थरबाजी होगी, लेकिन इस बार यात्रियों ने एक-दूसरे का स्वागत कर माला पहनाई, जिससे विपक्ष परेशान है।
भाजपा सांसद रवि किशन ने ऑपरेशन सिंदूर को विजय का उत्सव करार देकर कहा, हमारी सेना और सरकार ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। यह हमारे लिए गर्व का दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसके लिए धन्यवाद।
वहीं, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पूरी दुनिया को साफ संदेश दिया है कि भारत अब आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा, पहलगाम की घटना के बाद भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया, इस प्रहार को कई देशों ने समर्थन दिया।
वहीं भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने सत्र को 'ऑपरेशन सिंदूर' का उत्सव बताकर कहा, जो लोग सेना के शौर्य और देश की जीत पर सवाल उठाते हैं, वे देश की सेवा को कमतर आंक रहे हैं। भारत आज सीधा जवाब देता है, फिर भी विपक्ष सवाल उठाता है।
वहीं कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से बचने का आरोप मोदी सरकार पर लगाया। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा, हम चाहते हैं कि सदन में हर मुद्दे पर खुलकर चर्चा हो। केंद्र सरकार को ऑपरेशन सिंदूर और विजय उत्सव के बारे में स्पष्ट जवाब देना चाहिए।
कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की उपलब्धियों पर सवाल उठाकर कहा, पहलगाम के आतंकी कहां गए? मोदी सरकार को जवाब देना चाहिए। विदेश नीति बर्बाद है, किसान परेशान हैं, युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा। इन मुद्दों पर भी चर्चा जरूरी है।
कांग्रेस सांसद कार्ति पी. चिदंबरम ने भी ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आंतकी घटना पर व्यापक बयान की मांग कर कहा, इंडिया गठबंधन ने अपनी स्थिति साफ कर दी है। हमें ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम, और एयर इंडिया दुर्घटना पर चर्चा करनी होगी। मोदी सरकार को हमारे अनुरोध पर सार्थक जवाब देना चाहिए। लोकसभा के मानसून सत्र में सोमवार को बार-बार व्यवधान दिखाई दिया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन को आश्वासन दिया कि मोदी सरकार पहलगाम हमले सहित राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर विस्तृत बहस के लिए पूरी तरह तैयार है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि मैं सांसदों को भरोसा दिलाता हूं कि सुरक्षा से जुड़े किसी भी मुद्दे पर, चाहे चर्चा कितनी भी लंबी क्यों न हो, हम पूरी तरह से चर्चा के लिए तैयार हैं। जब भी स्पीकर समय देते हैं हम

बाराबंकी में कांवड़ियों से झड़प, दो हिरासत में

बाराबंकी। उत्तरप्रदेश के बाराबंकी जिले के भगौलीतीर्थ प्रसन्न नाथ महादेव मंदिर में जलाभिषेक कर लोधेश्वर महादेव जा रहे कांवड़ियों और नशे में धुत कुछ युवकों के बीच झड़प हुई। यह घटना बीती करीब 11 बजे ग्राम चंदूरा के पास हुई। पुलिस के अनुसार, सीतापुर से आए कांवड़ियों के एक जत्थे पर कुछ युवकों ने हमला किया। कांवड़ियों ने भी अपना बचाव किया, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को शांत कराया और कांवड़ियों को आगे रवाना किया। इस घटना के बाद पूरे मार्ग पर पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस ने बताया कि एक दुकान पर कहासुनी और झड़प की बात सामने आई है। उन्होंने बताया कि दो युवकों को हिरासत में लिया गया है और शांतिपूर्ण ढंग से कांवड़ यात्रा जारी है।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना संख्या : 04-MC-COMPRESSOR-2025-26 धनबाद, दिनांक : 18/07/2025 वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय), पूर्व मध्य रेल धनबाद के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–खुली निविदा (e-open tender) Two Packet System में IREPS Portal में आमंत्रित की जाती है।
1. कार्य का नाम : धनबाद डिवीजन के एयर कंप्रेसर मशीनों का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (CAMC) और साथ ही प्रेशर वेसल्स का परीक्षण और प्रमाणन। **2. संविदा की अवधि :** 36 महीना, **3. कार्य स्थान :** धनबाद डिवीजन, **4. अनुमानित बोली मूल्य :** मात्र 1,38,51,168/– रुपये (एक करोड़ अड़तीस लाख इक्यावन हजार एक सौ अड़सठ रुपये)। **5. निविदा दस्तावेज मूल्य :** मात्र 5,000/– रुपये (पाँच हजार रुपये)। **6. बयाना राशि (निविदा सूचना के तदनुसार):** मात्र 2,19,300/– रुपये (दो लाख उन्नीस हजार तीन सौ रुपये)। **7. ई–निविदा जमा करने का तारीख तथा समय :** तारीख 25/07/2025 से 08/08/2025 को 11:00 बजे तक। **8. ई–निविदा खुलने का तारीख तथा समय :** 08/08/2025 को 11:30 बजे। **9. वेब साईट विवरण : http://www.ireps.gov.in** (ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।)

वरीय मंडल यांत्रिक अभियंता (समन्वय)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/0626/डीएचएन/याँ०/टी/25–26/36

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई:निविदा सूचना सं एस.जी.664–13–संकेत–2025–26. भारत के राष्ट्रपति की और से निम्न कार्य हेतु ई: निविदा आमंत्रित की जाती है।
1. कार्य का नाम : धनबाद यार्ड के जल भराव वाले क्षेत्र में मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (एमएसडीएसी) का प्रावधान हेतु। 2. कार्य का आकलित मुल्य : ₹3,42,25,375.43 (लगभग)। 3. कार्य का अग्रधन राशि : ₹3,21,100.00, 4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 08.08.2025 (12:30 बजे)। 5. ऐसी ई: निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नही किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई निविदा के ई निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http//www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट : http//www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभि./
पूमरे/धनबाद
पीआर/0633/डीएचएन/सि./टी/25–26/36

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

सत्ता पक्ष और विपक्ष चर्चा के लिए तैयार, नियमों पर घमासान

लोकसभा और राज्यसभा का मानसून सत्र शुरू हो गया है। मानसून सत्र शुरू होने के पहले सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बैठक भी हुई। सत्ता पक्ष ने कहा हम किसी भी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है। विपक्ष ने जिन मुद्दों पर वह चर्चा कराना चाहता है उसके बारे में लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय को अवगत कराते हुए ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम की घटना पर काम रोको प्रस्ताव की सूचना दी है। जैसा पिछले 11 वर्षो से होता आया है, सरकार काम रोको प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करना चाहती है। सरकार हमेशा यह कहती है वह सभी मामलों में चर्चा करने के लिए तैयार है। आसंदी कहती है धारा 167 के अंतर्गत चर्चा करने की अनुमति विपक्ष को दी जाएगी। विपक्ष द्वारा प्रस्तुत सभी काम रोको प्रस्ताव को आसंदी द्वारा निरस्त कर दिया जाता है। नियमों के कारण सत्ता पक्ष और विपक्ष में हो हल्ला और हंगामा होता है। सदन की कार्यवाही नहीं चल पाती है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में एक-दूसरे के ऊपर यह आरोप लगाया जाता है, कि सरकार सदन के अंदर चर्चा नहीं कराना चाहती है। सरकार विपक्ष के ऊपर आरोप लगाती है, विपक्ष सदन की कार्रवाई में भाग लेने के स्थान पर हंगामा करता है। लोकसभा और राज्यसभा की आसंदी से भी विपक्ष को यही सीख मिलती है। विपक्ष को धारा 167 के अंतर्गत चर्चा कराने का अवसर आसंदी देगी। मणिपुर में जो हिंसा हुई थी उसको लेकर भी कई दिनों तक सदन की कार्रवाई नहीं चल पाई थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष अपनी-अपनी बातों पर अड़ा रहा, जिसके कारण संसदीय कार्य प्रभावित हुआ। आखिर चर्चा भी काम रोको प्रस्ताव पर नहीं हो पाई। विपक्ष मणिपुर की हिंसा मामले पर प्रधानमंत्री के बयान को लेकर खड़ा रहा। संसद के दोनों सदनों में लगभग दो सप्ताह तक सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में प्रतिरोध बना रहा। उसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष ने अपना एक-एक कदम पीछे खींचा। सदन में नियम 167 के अंतर्गत चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने सदन के अंदर अपना बयान दिया। अब स्थितियां बदल गई हैं। पहले की तुलना में विपक्ष मजबूत हुआ है। विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम की घटना तथा बिहार में जो स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन हो रहा है को लेकर दोनों सदनों में काम रोको प्रस्ताव सदन में पेश किया है। विपक्ष अपनी मांगों पर अड़ा हुआ है। मानसून सत्र के पहले ही दिन सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित हुई। विपक्ष के पास इस बार बहुत सारे ऐसे मुद्दे हैं जिसके बल पर वह सरकार को अपदस्थ होते हुए देखना चाहते हैं। इसके लिए विपक्ष ने सामूहिक रणनीति तैयार की है। सत्ता पक्ष को जिन सहयोगी राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त है, उनमें से तेलुगु देशम पार्टी मतदाता सूची में जिस तरह से चुनाव आयोग बिहार में काम कर रहा है उसके प्रति उन्होंने असहमति व्यक्त करते हुए चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। भारतीय जनता पार्टी अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष 1 साल से ज्यादा का समय हो गया चुन नहीं पा रही है। सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच में जिस तरह की तल्खी देखने को मिल रही है, भारतीय जनता पार्टी के अंदर भी विवाद की स्थिति देखने को मिल रही है। पहलगाम की घटना ऑपरेशन सिंदूर तथा बिहार में मतदाता सूची का सघन पुनरीक्षण के नाम पर विपक्ष के हाथ ऐसे मुद्दे लग गए हैं जो सरकार को नुकसान पहुंचा सकते हैं। विपक्ष अपनी पूरी ताकत के साथ इस बार सरकार के खिलाफ आर या पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार दिख रहा है। वहीं सरकार ने भी विपक्ष के इस रूख को समझ लिया है। सरकार भी आक्रामक मुद्रा में है। इसके साथ ही सरकार ने बचाव की रणनीति अपना रखी है। मानसून सत्र के दौरान 23 और 24 जुलाई को प्रधानमंत्री विदेश के दौरे पर जा रहे हैं। इससे विपक्ष भड़क गया है। विपक्ष का कहना है कि जब मानसून सत्र चल रहा है, ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री का विदेश जाना यह बताता है कि उनके लिए संसद की कोई अहमियत नहीं है। वह अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। जवाब देने से बच रहे हैं। मानसून सत्र में जिस तरह की स्थिति देखने को मिल रही है उससे ऐसा लगता है विपक्ष इस बार काम रोको प्रस्ताव को मंजूर कराकर ही मानेगा। नियम 167 के अंतर्गत सरकार चर्चा करने की अनुमति देती है तो ऐसी स्थिति में सदन के अंदर बहस की अनुमति नहीं होती है। संसद सदस्य अपनी बात सदन के अंदर रख पाते हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी राय रखते हैं। सरकार की ओर से जवाब भी आ जाता है। इस नियम के अंतर्गत बहस की अनुमति नहीं होती है, जिसके कारण विपक्ष को इसका कोई लाभ नहीं हो पाता है वहीं सरकार को भी कोई खतरा नहीं होता है। धारा 167 के अंतर्गत कराई गई बहस में मतदान नहीं हो सकता है। इस बार मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में आर-पार की लड़ाई लड़ने की स्थिति बन गई है। अब देखना यह है कि मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष अपना कौशल किस तरह से दिखाते हैं।

दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रूपये पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा अध्यात्मिक धन का धनी है। शाŒा और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह निश्चिंत होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके। अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित करके ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चप्र को पार करके दु?ख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चप्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें। भागवत् कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, करमैती बाई इसके उदाहरण हैं।

भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना ही हमारा कर्तव्य

संजय गोस्वामी

भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है क्योंकि इस धरती पर भगवान राम के चरण पड़े और सीता माता की रक्षा के लिए रावण जैसे विशाल सेना क़ो हराया और रावण के अहंकार क़ो भी भगवान राम ने चूर चूर कर दिया भगवान श्री राम के भक्त हनुमान जी और तुलसीदास जी थे एक बार अकबर ने राम के नाम का प्रचार प्रसार क़ो देखकर इतना गुस्सा हो गया कि तुलसीदास क़ो महल में बुलाया और सर ना झुकाने पर उसे बंदी बना लिया तब हनुमान जी की बानर सेना ने धावा बोल दिया और महल में उत्पाद मचाने लगे तब अकबर क़ो समझ आया कि तुलसीदास के पास भगवान राम साथ रहते हैं और छोड़ दिया इतिहास में दर्ज है अकबर की क्रूरता सभी हिन्दू राजा क़ो दास बनाना एक बार राणा प्रताप तुलसीदास से मिले और राम भक्त बन गए और वही अकबर ने उसे अपनी दसिता मेवाड़ के राजा के रूप में उसके साथ ना मिलने पर हल्दीघाटी का युद्ध हुआ अतः अकबर ने मेवाड़ के राजा राणा प्रताप क़ो बहुत कोशिश की उनकी दासता क़ो स्वीकार करें और राजपूत मुगलों से एक रिश्ता बन सके लेकिन वो इसी सिलसिले में राणा प्रताप तुलसीदासजी के पास जाते हैं और अपनी व्यथा सुनाते हैं और राजा मान सिंह का दबाब बताते हैं तभी तुलसीदास जी ने भगवान राम का साक्षात दर्शन कराया और कहा भगवान राम हर समय तुम्हे रक्षा करेंगे और तुम्हारी बहादुरी क़ो भारत के इतिहास में अमर रहेगा और उसके बाद अकबर से किसी भी प्रकार के संधि से मना कर युद्ध करने क़ो तैयार हो गए और उनके सामने थे राजा मान सिंह और मुगलों की विशाल सेना जिसे हल्दीघाटी के युद्ध से भी जाना जाता है दरअसल राजा मान सिंह, जिन्हें मिर्ज़ा राजा के नाम से जाना जाता था, अकबर के एक वरदहस्त साथी थे, और उस मंडली के सदस्य थे जिसे बादशाह नौरत्न या नौ रत्न कहते थे। वे 1562 में अकबर के दरबार में शामिल हुए, जोधाबाई अकबर की पत्नी मरियम-उज़-ज़मानी का एक लोकप्रिय नाम है। मान सिंह उनके भतीजे थे। वे उनके भाई, राजा भगवंत दास के पुत्र थे। हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप ने जिस बहादुरी से लड़ा वो इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं उन्होंने सीधा मान सिंह जो हाथी पर सवार थे उनका घोड़ा चेतक ने हाथी पर चढ़ना चाहा और घायल हो गया अतः उनके साथियों ने सलाह दि की आप यहाँ से दूर जाकर चेतक की रक्षा करें युद्ध के दौरान, चेतक घायल हो गया था, लेकिन फिर भी वह महाराणा प्रताप को युद्ध के मैदान से दूर ले गया। चेतक ने एक 22 फुट चौड़ा नाला भी पार किया, जिसे मुगल सेना पार नहीं कर पाई थी चेतक की वीरता और वफादारी के कारण, उसे आज भी याद किया जाता है।

युद्ध के बाद, चेतक की मृत्यु हो गई और उसकी याद में एक स्मारक बनाया गया, जिसे चेतक समाधि के नाम से जाना जाता है। हल्दीघाटी युद्ध का भले ही क़ोई परिणाम नहीं निकला क्योंकि वहाँ महाराणा प्रताप क़ो पकड़ा नहीं गया और उनके बदले किसी और ने महराणा प्रताप का मुकुट पहना था और वो शहीद हो गया लेकिन इतिहास लिखने वाले कैसे अकबर क़ो महान मानते हैं लगता है उन्हें हल्दीघाटी युद्ध की जानकारी नहीं होगी और महाराणा प्रताप के बारे में समझा नहीं होगा और फ़िल्म कार भी कैसे अकबर जो क्रूर था उसक़ो महान बनाने में फ़िल्म भी बना दि क़ोई अकबर दि ग्रेट बनाया क़ोई जोधाबाई इससे आपको नहीं लगता देश के सच्चे नायक महराणा प्रताप जो भारत क़ो अकेले ही मुगलों से लोहा लिया और उस समय उसका नेतृत्व अकबर ने ही किया था दरअसल अकबर बहुत चालक था जो भगवान राम की धरती पर पूर्ण मुग़ल समाराज्य की स्थापना ब्रेन वास कर करना चाहता था इसलिए हिन्दू क़ो भ्रमित करने के लिए राजा मान सिंह से मंदिर भी बनवाएं और इस तरह धन का लालच देकर सबको अपना गुलाम बना लिया इससे भारत क़ो केवल अपने पाठ्यक्रम में बदलाव नहीं भारत क़ो राम का कर्मभूमि समझ कर देशहित में निर्णय लेना चाहिए आज अमेरिका क्यों कूद रहा भारत के आंतरिक मामलों पर चीन के साथ हाथ क्यों मिला रहें हैं यह 140 करोड़ भारतीय का लोकतान्त्रिक देश है जो मर सकता है मिट जाएगा लेकिन किसी के सामने कभी नहीं झुकेगा आखिर क्या सीखा भगवान राम से हथियार डाल दे याद कीजियेगा भारत के रक्षक गुरू गोविन्द सिंह की चमकौर युद्ध की जिस मुगलों ने आनंदपुर साहिब क़ो पुरी तरह से घेर रखा था और रसद पानी सब बन्द कर दिए गए उसके बाद जब 40 सिख ने विरोध किया तो गुरुगोविन्द सिंह ने कहा क्या मैं खुद के लिए लड़ रहा हूँ तब सभी 40 सिखों ने वजीर खान की दस लाख सेना से लड़े और गुरूजी ने 5-5 की तादाद में भेजना चालू किया और अंत में विजय हुए हालांकि उसमें सारे शहीद जरूर हुए लेकिन गुरूजी पंच प्यारे के कहने पर वहाँ से दूर जरूर गए लेकिन उनकी वीरता और भारत के आत्मसम्मान क़ो कभी झुकने नहीं दिया भाषण देने मंदिर बनाने से ज्यादा जरुरी है भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना भारतीय सेना के बहादुरी क़ो सलाम करना भारत में किसी चीज की कमी नहीं है हमें रोटी कपड़ा और मकान की जरुरत से ज्यादा भगवान राम ने दि है इसे किसी के आगे झुकने नहीं दो चाहे देश के लिए मर मिटो नहीं चाहिए टेस्ला कार और भौतिक सुखों का अम्बार टेस्ला कार मुंबई में अचानक नहीं आई होगी पहले से प्लांनिंग होगी अब इससे भ्रस्टाचार और बढ़ेंगे कार क़ो पाने के लिए आखिर कौन लेगा जिसके पास पैसा होगा और पैसा अमीरों के पास होगा जो गरीबों से ही बसूला जायेगा अतः भारत में अब भाषण नहीं भगवान राम के आदर्शो से सिखने की जरुरत है जो स्थूल शरीर भारत माता के स्वाभिमान के लिए मिट सकता है लेकिन मर नहीं सकता क्योंकि आत्मा अमर होती है और देश से बढ़कर कुछ नहीं है जिसे भारत माता के वीर सपूत महाराज शिवाजी, महाराणा प्रताप, गुरू गोविन्द सिंह और संभाजी से प्रेरणा लें उन्होंने अपने बारे में कभी नहीं देश के बारे में सोचा।अभी जो चर्चा का विषय बना है मुग़ल सम्राट अकबर का एन सी आर टी के पाठ्यक्रम में बदलाव जिसमें पहले अकबर क़ो इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में एक अच्छा मुग़ल शासक बताया गया बदलाव ठीक है लेकिन अमल करना चाहिए भारत माता क़ो माँ समझ कर उसके स्वाभिमान की रक्षा करना हर भारतीय का दायित्व है अमेरिका के राष्ट्रपति जिस तरह भारत के आंतरिक मामलों में दखल दे रहें है वो बिलकुल गलत है युद्ध होता है तो दोनों तरफ से बमबारी खून खराबी होती है लेकिन जरुरी ऐ होता हैं हमने अपना लक्ष्य हासिल की या नहीं अब ऑपरेशन सिंदूर में 5फायटर जेट गिरे या क्या हुआ ऐ भारतीय सेना के गर्व की बात है जिसे सेना के सीडीएस प्रमुख ने खुद मीडिया के सामने बयान दिया सेना के उप प्रमुख ने तो यहाँ तक कह दिया की हम युद्ध पाकिस्तान के साथ साथ तीन फ्रंट पर लड़ रहें थे जिसमें चीन औऱ तुर्की भी शामिल था अतः वो अब मज़ाक के पात्र बन गए है ऐ कहना चाहिए भारतीय सेना ने जान की बाजी लगाकर भारत की रक्षा की हमें सेना की बहादुरी क़ो सलाम करना चाहिए।

रोग होने पर रोग की चिन्ता करना उसे द्विगुणित कर देता है। रोग का उपाय अवश्य करना चाहिए, किंतु रोग का चिन्तन एवं उसकी बार-बार चर्चा करना और रोग से भयभीत होकर जीवन को सड़ा देना मूर्खता ही है। रोग के मूड में रहने से रोग बढ़ता ही है। होम्योपैथी, एलोपैथी आदि से बढ़कर लाभकारी एपेथी (रोग की परवाह न करना है) है। राम कृपा नासहिं सब रोगा।यदि श्रीराम जी की कृपा से इस प्रकार का संयोग बन जाए तो ये सब रोग नष्ट हो जाएँ। सद्गुरु रूपी वैद्य के वचन में विश्वास हो। विषयों की आशा न करे, यही संयम (परहेज) है। कुछ लोग नाजुक-मिजाजी में रोग बना रहना चाहते हैं। यह उनके लिए एक शान की बात होती है।

ऐसे लोगों से सदा बचते रहें। उनके सम्पर्क से काल्पनिक रोग लगते हैं। मेरे एक पूर्वज इसी रोग से मर गये थे-ऐसा तर्क मूर्खतापूर्ण होता है। अमुक व्यक्ति जैसे रोग के लक्षण कहीं मुझमें तो नहीं है, कहीं मुझमें भी वह रोग तो नहीं आने लगा है, इस प्रकार अपने को दूसरे रोगियों के समान रोगी समझने लगना अथवा रोग के लक्षणों की मिथ्या कल्पना करना भयंकर भूल है। यदि आप चिकित्सक नहीं है तो व्यर्थ ही रोगों की सविस्तार जानकारी करने का प्रयत्न न करें, क्योंकि रोगों की जानकारी करते हुए आप अपने भीतर भी रोगों की मिथ्या कल्पना कर सकते हैं। ऐसे चिकित्सक को दूर रखें जो रोग को भयंकर कहकर उसे असाध्य बना देता है। आप बहुत सोचते हैं, मन में ताना-बाना बुनते रहते हैं, आपको भारी हृदय-रोग हैं, आपकी चिकित्सा करना कठिन है-इत्यादि बातें अविवेकी चिकित्सक कहते हैं। किसी रोगी से अपनी तुलना न करें, स्वस्थ व्यक्तियों से प्रेरणा लें। प्रत्येक व्यक्ति की स्थिति अलग-अलग होती है। आशा और विश्वास रखने से तथा प्रबल इच्छा-शक्ति से भयंकर रोग भी ठीक हो जाते हैं। अतः ऋणात्मक चिन्तन करना सर्वथा त्याज्य है। अपने स्वस्थ हो जाने में तथा स्वस्थ रहने में अनन्त और अखंड विश्वास रखें। जीवन के प्रति आस्था, उत्साह और विश्वास मनुष्य को सदा तरुण बनाये रखते हैं।

अपच और अनिद्रा चिन्ता के कारण उत्पन्न होते हैं तथा चिंता से ये उग्र रूप धारण कर लेते हैं। अनिद्रा में जप करने के लिए बैठ जाएं। बैठकर केवल तटस्थ चिन्तन (अपने विचारों के साथ सहयोग न करते हुए, उन्हें देखते रहना) करने लगना भी मन को शान्त कर देता है। आखिर, मन के विचार तो आपके ही हैं। उनसे आप कब तक डरेंगे ? मन के विचारों को , वे कितने भी डरावने क्यों न हों, शांत भाव से तटस्थ होकर बार-बार देखने से, उनकी भीषणता का शमन हो जाता है। मन के साथ समझौता तथा अपने साथ मेल करने का यही एक ढंग है। यदि मन के साथ मैत्री हो गयी, तो आपने रोग और कष्ट पर आधी विजय पा ली। मन के साथ मित्रता करने का अर्थ है, मन को समझकर उसे स्वीकार करना तथा धैर्यपूर्वक उत्तम दिशा देना अथवा उसे जीत लेना। मन को जीतकर मानो आपने एक साम्राज्य जीत लिया।

घृणा, क्रोध, भय, चिन्ता, ईर्ष्या, द्वेष, क्लेश आदि मनोविकार रक्त संचार पर भी कुप्रभाव डाल देते हैं तथा मानसिक विकलता उत्पन्न कर देते हैं। यदि आपको एक बार कोई रोग हुआ था और अब पुनः उसका प्रभाव हो गया है तो आप यह कल्पना एवं चिन्ता न करने लगें कि पुनः रोग उग्र हो जायगा। अब तो आपको आदत पड़ गयी और आप उस रोग का रहस्य जान गये। अतः विश्वास करें कि शीघ्र ही आप उस पर विजय पा लेंगे। सैकड़ों लोग की रोग से मुक्ति होती है, आपकी भी होगी। मन में यह विश्वास दृढ़ कर लें। मन के जीते जीत है मन के हारे हार।

संसद में हंगामा मतलब समय और संसाधनों की बर्बादी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो चुकी है और जैसा कि उम्मीद थी, सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने दोनों सदनों में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ। दरअसल, वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें पूछना तो यह चाहिए कि हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान को किस तरह तहस-नहस कर दिया? लेकिन राहुल गांधी द्वारा अनाप-शनाप तरीके से ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना किसी के भी गले नहीं उतर रही है।

वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कहीं राजनीतिक तौर मोदी सरकार को न मिल जाए, इसलिए विपक्ष लगातार रणनीति के तहत अनावश्यक सवाल पूछ कर ऑपरेशन सिंदूर पर सेना और सरकार को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। विपक्ष के इस रवैये से सेना का मनोबल तो गिरता ही है, वहीं देश की उपलब्धियों और गर्व के क्षणों पर भी ग्रहण लगता है।ये कोई पहली बार नहीं है जब विपक्ष खासकर कांग्रेस किसी विदेशी नेता के बयान या रिपोर्ट के आड़ में संसद को समय बर्बाद कर रहा है। विपक्ष अपने आलोचना धर्म की आड़ में विपक्ष देश की उपलब्धियों और मान—सम्मान पर बेजा टीका—टिप्पणियां करने से बाज नहीं आता। राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई अपनी जगह है। पक्ष—विपक्ष में बहस, तर्क वितर्क और टीका टिप्पणी तो लोकतंत्र की प्राणवायु है। लेकिन सरकार या किसी राजनीतिक दल पर हमला करते करते देश के मान सम्मान को नीचा गिरा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।

और देश के संविधान, सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को हासिल नहीं है। भले ही व्यक्ति किसी भी पद या पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ हो। हर नागरिक के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि, सर्वोत्तम और सिर माथे पर होना ही चाहिए।मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिये करता है।2023 के बजट सत्र में अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ था। अगस्त 2024 में हिंडनबर्ग की एक और रिपोर्ट सामने आई थी। तब भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के समय को लेकर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा था कि, पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा है कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले विदेश से एक रिपोर्ट जारी कर दी जाती है। इसको आधार बनाकर विपक्ष संसद में हंगामा खड़ा करता है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया था। अब हिंडनबर्ग के बारे में एक भी शब्द राहुल गांधी या विपक्ष का कोई नेता बोलता सुनाई नहीं देता।विपक्ष की राजनीतिक सोचऔर विचार का समर्थन करने वाला एक तथाकथित तबका देश में मौजूद है। ये लोग भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के विरोध के लिए 'से नो टू वॉर' कह रहे थे वही लोग आज सीजफायर की खिल्ली उड़ा रहे हैं। अब यही लोग कह रहे हैं कि सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे झुक गई। यह लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इरादे और जज्बे से कर रहे हैं। इनका मूल उद्देश्य यही है कि किसी भी तरह यह साबित कर सकें कि सीजफायर को स्वीकार करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक कमजोर पीएम साबित किया जा सके। इस तरह की दोहरा रवैया देखकर वास्तव में हंसी आती है कि खुद को बुद्धिजीवी समझने वाले ये लोग आखिर चाहते क्या हैं?

इस साल बजट सत्र में राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119 प्रतिशत, जबकि लोकसभा की 118 प्रतिशत रही। विपक्ष ने नई शिक्षा नीति, मणिपुर के हालात और बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान कुल 16 बिल पास हुए। जट सत्र के आंकड़े भले थोड़े अच्छे दिख रहे हों, पर आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। लेकिन बजट सत्र के विपरीत शीतकालीन सत्र में संसद के बहुमूल्य समय और संसाधन नष्ट हुए।

18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57.87 प्रतिशत, राज्यसभा में 41 प्रतिशत रही। संविधान पर चर्चा के दौरान लोकसभा में 16 घंटे जबकि राज्यसभा में 17 घंटे बहस हुई। वहीं, लेजिस्लेटिव थिंक टैंक पीआरएस इंडिया के अनुसार 20 दिनों की कार्यवाही में से लोकसभा में 12 दिन प्रश्न काल 10 मिनट से ज्यादा नहीं चल सका। शीत सत्र उदाहरण है, जब लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसियों में शांति कराई। अब तो उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि संघर्ष में कुछ जेट गिरे थे। सरकार पर स्थिति स्पष्ट करने का दबाव होगा। इसी तरह, चुनाव आयोग का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी सर केवल वोटिंग लिस्ट की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी सर की टाइमिंग को सही नहीं माना है, तो सरकार को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधाराओं के हो सकते हैं, मगर सदन का अच्छी तरह चलना सभी की जिम्मेदारी है। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का काम नहीं करना समय के साथ देश के संसाधनों की भी बर्बादी है। उम्मीद करनी चाहिए कि हमारे प्रतिनिधि संसद के चालू सत्र में हंगामा करके राजनीति चमकाने और सस्ती लोकप्रियता बटोरने की बजाय संसद के बहुमूल्य समय और संसाधनों का सकारात्मक और सार्थक उपयोग करेंगे।

शिवभक्ति के साथ आत्मशुद्धि, अनुशासन और आस्था का प्रतीक श्रावणी मेला

कुमार कृष्णन

भगवान शिव, कैलाशवासी, ध्यानस्थ योगी है और वे प्रकृति के सर्वोच्च संरक्षक भी हैं। शिवजी की जटाओं से ही मां गंगा प्रकट होती हैं, उनके कंठ में विष और गले में नाग हैं, उनका वाहन नंदी है, ये सभी प्रतीक हैं कि शिवजी सृष्टि के समस्त जीव-जंतुओं और प्रकृति से गहराई से जुड़े हुए हैं।ऋतुओं की इस गति में जब धरती हरियाली की चादर ओढ़ती है, आकाश से अमृत-जल बरसती है और नदियाँ कलकल करती हैं, तब आता है श्रावण मास। भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक माह है श्रावण मास। इस मास में भगवान शिव की आराधना, संयम, साधना और सेवा का भाव सर्वोपरि रहता है। श्रद्धालु भक्तगण गंगाजल लाकर शिवलिंग का अभिषेक करते हैं और यही भाव एक विराट सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिकता का प्रतीक है।

श्रावण, भगवान शिव का अत्यंत प्रिय महीना है। इस माह की प्रत्येक तिथि किसी न किसी धार्मिक, पौराणिक अथवा प्राकृतिक चेतना से जुड़ी है। भगवान शिव को जल अर्पण करने का प्रतीकात्मक भाव, आत्मशुद्धि, तप और समर्पण से जुड़ा है।कांवड़ यात्रा इसी भक्ति का जीता-जागता उत्सव है, जिसमें लाखों श्रद्धालु पैदल चलकर पवित्र नदियों, विशेषकर मां गंगा से जल लेकर अपने गांव, नगर अथवा तीर्थस्थलों पर स्थापित शिवालयों में अभिषेक हेतु जाते हैं।यह न केवल आस्था की शक्ति का प्रमाण है, बल्कि भारतीय संस्कृति की जीवंतता, सामूहिकता और समर्पण का भी प्रतीक है।श्रावण मास, जल चढ़ाने के साथ जल धारा व जीवन की धारा को शुद्ध करने का उत्सव भी है। कांवड़ यात्रा केवल आस्था की नहीं, उत्तरदायित्व की यात्रा है।

शिवत्व अर्थात लोक मंगल की वह विराट भावना जिसमें स्वयं अनेक कष्टों को सहकर भी दूसरों के कष्टों को मिटाने का हर सम्भव प्रयास किया जाता है।

अपने भक्तों की हर उस इच्छा की पूर्ति भगवान महादेव ने की जो भक्तों द्वारा उनसे याचना की गई।जिसके अंदर लोकमंगल का भाव न हो,जिसकी प्रवृत्ति में परोपकार न हो और जिसका मन किसी की पीड़ा को देखकर व्यथित न होता हो वह व्यक्ति शिव-शिव कहने मात्र से कभी भी शिव भक्त नहीं हो सकता।जो हर स्थिति में भक्तों का कल्याण करे वह शिव और जो कल्याण की भावना रखे वही शिव भक्त है।

सावन शुरू होते ही विश्व श्रावणी मेले में एक माह तक सुल्तानगंज (बिहार) से बाबा वैद्यनाथ की नगरी देवघर (झारखंड) तक आस्था का महासमुंद्र उमड़ पड़ता है और इसमें गोते लगाती है कांवरियों की महाआस्था। परंपराओं से बंधी बाबा धाम कांवर यात्रा की शुचिता और पवित्रता के साथ ही सामाजिक और सांस्कृतिक गरिमा भी है। जब संग में मां गंगा हों और रास्ते में हर सहयात्री शिव के रूप में हों। जहां सिर्फ और सिर्फ एक्य का भाव हो, वहां शिवत्व का बोध तो होना ही है और इस यात्रा का उद्देश्य भी यही है, समाज को एक सूत्र में बांधना।

चिदानंद रूपः शिवोहम शिवोहम...

मैं चैतन्य रूप हूं। आनंद हूं। शिव हूं। शिव हूं...।

श्रावण मास हिन्दू पंचांग के अनुसार भगवान शिव को समर्पित सबसे पवित्र मास है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु गंगा से जल भरकर 105 किमी लंबी नंगे पांव पवित्र कांवर यात्रा करने बाबा वैद्यनाथ पर जलाभिषेक करते हैं।कांवड़ यात्रा भारत की एक अद्भुत आध्यात्मिक परंपरा है, जो श्रद्धा, समर्पण और संयम का प्रतीक है। श्रावण मास में लाखों श्रद्धालु विभिन्न तीर्थों से गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करते हुए भगवान शिव को अर्पित करते हैं। यह यात्रा शिवभक्ति के पर्व के साथ आत्मशुद्धि, अनुशासन और आस्था का भी संदेश देती है।

यह यात्रा धर्म के साथ ही समाजवाद की एक अदभुद/आदर्श परिकल्पना है। एक ऐसी व्यवस्था जहां न जाति, न धर्म। सब बराबर हैं। यहां सब कुछ एक है। उत्तरवाहिनी गंगा के एक ही घाट से संकल्प के साथ सब जल उठाते हैं। सब के रास्ते एक होते हैं। सबके नाम एक होते हैं यानि सभी कांवर यात्री 'बम' हैं। सबका नारा एक होता हैं 'बोल बम'। सबके कपड़े एक होते हैं- 'गेरुआ'। सबका दर्द एक होता है यानि पैर में छाले व असह्य पीड़ा और सबकी दवा भी एक होती है- 12 ज्योतिर्लिंग में सर्वाधिक महिमामंडित बाबा वैद्यनाथ कामना लिंग पर जलाभिषेक। महादेव को जल चढ़ाते ही कष्ट ग़ायब। सहिष्णुता ऐसी की रास्ते में कुत्ते मिल जायें तो उसे भी कांवरिये 'भैरव बम' के नाम से पुकारते हैं।कांवर यात्रा पुरातन काल से भोले की भक्ति का बड़ा ज़रिया है और हर साल उनके भक्तों में बढ़ोतरी ही हो रही है। पूरे देश की तो बात छोड़ दीजिए, सावन में सिर्फ देवघर में ही रोज तकरीबन एक लाख लोग कामना लिंग पर जलाभिषेक करते हैं। यह संख्या रविवार को दोगुनी और सोमवार को चौगुनी हो जाती है। हालांकि, पूरा भादो भी कांवरिये चलते हैं। उनमें खेतीबारी से निवृत्त हो चुके किसान बमों की संख्या ज्यादा होती है।बिहार के सुल्तानगंज से झारखंड की बाबा नगरी (देवघर) तक की 105 किलोमीटर लंबी कांवर यात्रा में नियमों का हर कांवरिया दृढ़ता से पालन करता है। सुल्तानगंज की उत्तर वाहिनी गंगा में डूबकी लगाने के बाद कांवरिये बाबा अजगैबीनाथ की पूजा करते और दो पात्रों में गंगा जल भरकर संकल्प के साथ कंधे पर कांवर वरण कर 'बोलबम' के महामंत्र का जाप करते हुए यात्रा पर निकल पड़ते हैं। उस समय भक्ति का माहौल देखते बनता है। यात्रा के दौरान कांवर कहीं भी जमीन पर नहीं रखे जाते। विश्राम करने वक्त अगर झपकी भी आ गयी तो बगैर स्नान किये कांवर छूना भी मना है। बहुत सारे शिवभक्त फलाहार पर जाते हैं। बाल-नाखून काटने की मनाही है। साबुन का इस्तेमाल भी वर्जित। यात्रा के दौरान कड़ी धूप या बारिश में पांव में छाले लिये कई किलोमीटर चलने के बाद जहां रुकते हैं वहां सभी उनके सहयोग के लिए तत्पर मिलते हैं।105 किमी में 95 किमी बिहार में पड़ता है। बिहार समाप्त होते ही दुम्मा में विशाल गेट से झारखंड में कांवरिया प्रवेश करते हैं और 10 किमी चल कर बाबा की शरण में पहुंच जाते हैं। पूरे रास्ते में लगभग दोनों ओर दुकानें सजी होती हैं। उसमें कांवरियों के लिए खाने-पीने से लेकर हर तरह की मुकम्मल व्यवस्था। सरकार भी अपनी भूमिका में सजग दिखती है। कांवरियों की सुरक्षा में पुलिस पेट्रोलिंग, स्नान, शौचालय, बिजली, पीने का पानी, स्वास्थ्य शिविर, सरकारी धर्मशालों, स्कूलों और कॉलेज भवनों में ठहरने की व्यवस्था सहित अन्य सहयोग में तत्पर दिखती है। लेकिन, इतनी लंबी और जंगल, पहाड़ होते हुए बाबा धाम की दुरूह यात्रा बगैर जनसहभागिता के सिर्फ सरकार के भरोसे पूरी नहीं हो सकती और यह दिखता भी है। सरकार से ज्यादा गैर सरकारी संस्थाएं पूरे रास्ते कांवरियों की सेवा निःस्वार्थ भाव से करती हैं। एक से बढ़कर एक शिविर लगाये जाते हैं। उसमें कांवरियों के लिए निःशुल्क पीने का पानी, नींबू और सत्तू के शर्बत, दवा सहित इलाज की व्यवस्था, पैर सेंकने के लिए गर्म पानी, स्नान की सुविधा, शौचालय, रात्रि विश्राम सहित मालिश की मुकम्मल मुफ्त व्यवस्था रहती है। और सबसे बड़ी सेवा भावना तो सिखने लायक। अदभुत जनसरोकार। डाक बम की सेवा के लिए पूरी रात इन संस्थाओं के लोग फल, मिठाई, जूस, पानी लेकर खड़े दिखते हैं। इनमें महिलाओं की भूमिका तो वंदनीय है। सेवा शिविरों में होनेवाले सांस्कृतिक कार्यक्रम तो कांवरियों के दर्द ही हर लेते हैं। भोले और मइया पार्वती का भजन सुनते ही वे झूम उठते हैं। और इस धार्मिक पर्यटन का लाभ व्यावसायिक रूप से दोनों प्रदेशों को मिलता है। इस एक महीने में अरबों का व्यापार होता है।

झारखंड के देवघर स्थित कामना लिंग को भगवान शंकर के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में सर्वाधिक महिमामंडित माना जाता है। वैसे तो किसी भी पूजा के पूर्व संकल्प की पुरानी मान्यता है, लेकिन यहां दो बार संकल्प की अनोखी परंपरा है। वैद्यनाथ धाम के मुख्य पुजारी पंडित श्रीनाथ तिवारी बताते हैं कि संकल्प के बिना कोई भी पूजा पूर्ण नहीं होती। अन्य तीर्थस्थलों में एक बार संकल्प होता है, लेकिन वैद्यनाथ धाम की कांवर यात्रा में दो बार संकल्प की प्रथा है। पहला संकल्प सुल्तानगंज में उत्तर वाहिनी गंगा से कांवर में जल उठाने के समय होता है और दूसरा बाबा के दरबार में पहुंचकर शिवगंगा में स्नान करने के बाद दोनों पात्रों में लाए गए जल का संकल्प करवाना अनिवार्य है। श्रद्धालु संकल्प के बाद एक पात्र से यहां कामना लिंग पर जलाभिषेक करते हैं और दूसरे पात्र का जल बाबा बासुकीनाथ के दरबार में पहुंचकर चढ़ाया जाता है। बैद्यनाथ धाम , देवघर के पुजारी रुपेश बाबा कहते हैं, सुल्तानगंज में संकल्प यात्रा निर्विघ्न पूरी होने के लिए कराया जाता है और देवघर में कराया गया संकल्प मनोकामना और सुख-समृद्धि के लिए।बाबा बैद्यनाथ धाम में स्थित शिवलिंग पर श्रृंगार पूजा में सजने वाला 'पुष्प नाग मुकुट' देवघर जेल में ही तैयार किया जाता है और इसे बनाते हैं वहां के कैदी। पूरी शुद्धता और स्वच्छता से जेल के अंदर इस मुकुट को तैयार करने के लिए एक विशेष कक्ष है, जिसे बाबा कक्ष कहते हैं। यहां पर एक शिवालय भी है। कैदी उपवास रखकर बाबा कक्ष में नाग मुकुट बनाते हैं और वहां स्थित शिवालय में रख पूजा-अर्चना करते हैं। शाम में यह मुकुट जेल से बाहर निकालता है और फिर जेल के बाहर बने शिवालय में मुकुट की पूजा होती है। इसके बाद कोई जेलकर्मी इस नाग मुकुट को कंधे पर उठाकर बोलबम-बोलबम का जाप करते हुए इसे बाबा के मंदिर तक पहुंचाता है।

छाती में दर्द को न करें नजर अंदाज

छाती का दर्द होने पर गैस सोचकर इसे नजरअंदाज न करें। हर्ट अटैक के अलावा कभी-कभी कई अन्य कारणों से भी छाती में दर्द की होता है। हर बार ऐसा नहीं होता कि आपकी छाती का दर्द हर्ट अटैक का ही लक्षण हो। कभी-कभी कई अन्य कारणों से भी छाती में दर्द की समस्या जन्म लेती है। छाती में किसी भी तरह का दर्द हो, उसे नजरअंदाज करना कतई सही नहीं है। हो सकता है कि यह कोई बड़ी बीमारी की वजह से न हो लेकिन अगर आप उसे यूं ही हल्के में लेते रहे तो एक दिन आपके लिए यह गंभीर समस्या भी बन सकती है। पेट में किसी भी तरह की समस्या छाती दर्द का कारण हो सकती है। पित्त की थैली में बना गैस जब छाती की तरफ आता है तो सीने में दर्द की शिकायत उठती है। सोने के टाइम पर होने वाला यह दर्द पेट में खराबी का संकेत है।

अगर आपकी छाती के बगल किसी भी तरह का दर्द हो या फिर सांस लेने और खांसने में छाती में दर्द होना शुरू हो जाए तो यह समझ लीजिए कि आपको फेफड़े से संबंधित कोई बीमारी है।

सीने की अंदुरूनी दीवारों पर कभी-कभी सूजन का हो जाना भी दर्द का कारण हो सकता है। सीने की अंदरूनी सूजन की वजह से सांस लेने पर सीने में असहनीय दर्द होता है। इसका कारण टीबी या फिर निमोनिया हो सकता है ।

टीबी की वजह से फेफड़ों की झिल्ली में सूजन आ जाती है। ऐसे में जब भी हम सांस लेते हैं तो सूजन के हवा से रगड़ खाने पर तेज दर्द उठता है। यह चिकित्सा शास्त्र में प्ल्यूराइटिस कहा जाता है।

अगर आपके सीने की बाईं ओर दर्द हो रहा है तो यह हर्ट अटैक की वजह से भी हो सकता है। एंजाइना पिक्टोरिस की वजह से भी सीने में दर्द उठ सकता है। इसमें दिल तक रक्त की बेहद कम मात्रा ही पहुंच पाती है। इस वजह से दिल को ऑक्सीजन कम मिलता है और सांस लेने में भी दिक्कत आने लगती है।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, श्रावण कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, बारस, तेरस, मंगलवासरे, मृगशिरा नक्षत्रे, ध्रुव योगे, तैतिल करणे, मिथुन की चंद्रमा, भद्रा 55/32 प्रदोष व्रत, द्विपुस्कर योग, सूती स्नान तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम तथा फलदायी होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल..........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, वक्ता-अधिवक्ता, जिद्दीr-हठी, मार्केटिंग मैनेजर, प्रबंधक, धनी-मानी, गुणी प्रवक्ता होगा।

मेष राशि :- समय विफल होगा, कार्यगति में बाधा, चिन्ता एवं व्यर्थ भ्रमण होगा, कार्य अवरोध होगा।

वृष राशि :- इष्ट मित्रों से सुख, अधिकारियों से मेल-मिलाप होगा तथा रुके कार्य बनेंगे।

मिथुन राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल होगा, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे, समय का लाभ लेवें।

कर्क राशि :- भाग्य प्रबल होगा, रुके कार्य समय पर बना लें, समस्याओं का समाधान अवश्य निकालें।

सिंह राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, कुटुम्ब की समस्यायें सुलझेंगी, स्त्री वर्ग से हर्ष होगा।

कन्या राशि :- भावनायें संवेदनशील रहेंगी, कुटुम्ब में सुख, अचानक धन प्राप्ति से हर्ष होगा।

तुला राशि :- समय अनुकूल नहीं, स्वास्थ्य नरम रहेगा, किसी धारणा की अनदेखी अवश्य होगी।

वृश्चिक राशि :- स्त्री शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी, स्वभाव में अस्थिरता अवश्य रहेगी धैर्य से काम लें।

धनु राशि :- आशानुकूल सफलता में सुधार होगा, व्यवसाय गति उत्तम अवश्य होगी लाभ लें।

मकर राशि :- धन का व्यर्थ व्यय होगा, मानसिक उद्विघ्नता हानिप्रद होगी, समय का ध्यान रखें।

कुंभ राशि :- इष्ट मित्र सहयोगी होगा, कार्य बनेंगे, कार्यगति अनुकूल होगी ध्यान दें।

मीन राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल होगा, बिगड़े कार्य समय पर बना लें, कार्य पर ध्यान अवश्य दें।

तंबाकू के धुएं से आंखें हो सकती हैं खराब

धूम्रपान से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बना रहता है। अब एक नये अध्ययन के अनुसार अत्यधिक धूम्रपान के कारण डायबिटीज, फर्टिलिटी में कमी तथा अंधेपन की भी आशंकाएं होती हैं। तंबाकू का ज्यादा मात्रा में सेवन आंखों की रोशनी के लिए काफी नुकसानदेह होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि रक्त में निकोटिन की मात्रा ज्यादा हो जाने पर आंखों के रेटिना पर बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा भी इसके आंखों पर कई दुष्प्रभाव होते हैं। आंखों की सतह पर नमी बनाए रखने के लिए कुछ तत्व जिम्मेदार होते हैं। ये तत्व अत्यधिक धूम्रपान से क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे में आंखों की सतह की नमी और गीलापन खत्म हो जाता है। इस वजह से आंखों में खुजली या फिर नजर में धुंधलापन आने की संभावना होती है। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि धूम्रपान से मोतियाबिंद भी हो सकता है। एक शोध में यह दावा किया गया है कि तंबाकू खाने वाले लोगों में मोतियाबिंद की संभावना कुछ ज्यादा ही होती है। साथ ही साथ ऐसे लोगों के संपर्क में रहने वाले लोग भी इससे प्रभावित होते हैं। धूम्रपान की वजह से तंबाकू में मौजूद निकोटिन रेटिना और ऑप्टिकल नसों पर घातक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में आंखों को दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ने वाली क्षति भी हो सकती है। धूम्रपान करने वाले लोगों को अक्सर मधुमेह और हाई ब्लडप्रेशर की शिकायत होती है। इन बीमारियों में भी आंखों की रोशनी कम हो जाती है।

केदारनाथ मंदिर का शिव से शक्तिशाली संबंध

केदारनाथ मंदिर के आध्यात्मिक महत्व और शिव के साथ इसके संबंध के बारे में जानिए, सद्गुरु इस प्राचीन, शक्तिशाली मंदिर के कम ज्ञात पहलुओं के बारे में बता रहे हैं।

केदारनाथ एक असाधारण स्थान है। यहाँ पर शिव ध्वनि का उच्चारण एक बिल्कुल नया आयाम और महत्व प्राप्त कर लेता है। यह एक ऐसा स्थान है जिसे इस खास ध्वनि के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। जब हम 'शिव' शब्द का उच्चारण करते हैं, तो यह अनिर्मित का स्वातंत्र्य है, जो सृजित नहीं है उसकी मुक्ति है। ऐसा कहना सही नहीं है, लेकिन यह लगभग ऐसा है कि इस धरती पर 'शिव' की ध्वनि केदारनाथ से निकलती है। हजारों सालों से, लोगों ने उस स्थान को उस ध्वनि के स्पंदन के रूप में अनुभव किया है।

जब हम शिव कहते हैं, तो इसका मतलब एक और मूर्ति या भगवान बनाना नहीं है, जिनसे हम जीवन में और अधिक समृद्धि या बेहतर चीजें मांग सकते हैं। शिव शब्द का अर्थ है "वह जो नहीं है।" आज, आधुनिक विज्ञान हमारे लिए यह साबित कर रहा है कि सब कुछ शून्य से आता है और शून्य में वापस चला जाता है। अस्तित्व का आधार और ब्रह्मांड का मूल गुण विशाल शून्यता है। आकाशगंगाएँ बस एक छोटी सी घटना हैं - एक फुहार। बाकी सब विशाल खाली जगह है, जिसे शिव कहा जाता है।

केदारनाथ ज्योतिर्लिंग और पंच केदार की कहानी

एक पौराणिक कथा है कि कुरुक्षेत्र युद्ध के बाद, पांडव बहुत दुखी थे, क्योंकि उन्होंने अपने ही परिजनों को - अपने ही भाइयों और रिश्तेदारों को मार डाला था। इसे गोत्रवध कहा जाता था। वे इस कृत्य के लिए दोषी और कलंकित महसूस कर रहे थे और खुद को इससे मुक्त करने का रास्ता तलाश रहे थे। तो वे शिव की तलाश में निकल पड़े। शिव उन्हें इस भयानक कृत्य से अचानक मुक्त हो जाने का सुख नहीं देना चाहते थे, तो उन्होंने खुद को एक बैल के रूप में बदल लिया और भागने की कोशिश की। लेकिन उन्हें पकड़ने की कोशिश में पांडव उनका पीछा करने लगे । शिव जमीन में चले गए और जब वे ऊपर आए, तो शरीर के अलग-अलग हिस्से अलग-अलग जगहों पर उभर आए। बैल का कूबड़ केदारनाथ है, आगे के दो पैर तुंगनाथ हैं, जो केदार के रास्ते में है। नाभि हिमालय के भारतीय भाग में मध्य-महेश्वर नामक स्थान पर प्रकट हुई जो एक बहुत शक्तिशाली मणिपूरक लिंग है, और शिव की जटाएँ कल्पनाथ

नामक स्थान पर प्रकट हुईं। इस तरह, शरीर के अलग-अलग अंग अलग-अलग जगहों पर प्रकट हुए। शरीर के अंगों का यह वर्णन सात चक्रों से संबंधित है। इन मंदिरों की स्थापना मानव शरीर के रूप में की गई थी। यह एक महान प्रयोग था - एक विशाल शरीर बनाने की कोशिश करना। ऐसा ही एक शरीर भारतीय हिमालय की दिशा में हुआ। ऐसा ही एक दूसरा शरीर पश्चिमी दिशा की ओर बढ़ गया जहाँ उन्होंने नेपाल को ही एक शरीर में बदलने की कोशिश की। केदारनाथ ऊर्जाओं का एक बहुत ही मादक मिश्रण है। यह एक ऐसा स्थान है जिसने हर प्रकार के हजारों योगियों और दिव्यदर्शियों को देखा है। जब मैं कहता हूं हर प्रकार के, तो आप कल्पना नहीं कर सकते ऐसे प्रकार। ये ऐसे लोग थे जिन्होंने किसी को कुछ भी सिखाने का कोई प्रयास नहीं किया। दुनिया को भेंट करने का उनका तरीका था, अपनी ऊर्जाओं, अपने मार्ग, अपने कार्य - सब कुछ - को इन स्थानों में एक विशेष तरीके से छोड़ देना। जब आप आध्यात्मिक मार्ग पर किसी के बारे में सोचते हैं, तो आप शायद उन्हें एक निश्चित प्रकार के व्यवहार, पोशाक या बोली के संदर्भ में एक निश्चित प्रकार के ढांचे के भीतर सोचेंगे। लेकिन यह केवल उस प्रकार के आध्यात्मिक व्यक्ति की भूमि नहीं है। आपकी समझ के तरीकों में फिट बैठें ऐसे लोग भी यहाँ रहे हैं। लेकिन ऐसे और भी बहुत से लोग रहे हैं जो पूरी तरह से जंगली हैं, जिन्हें आप कभी आध्यात्मिक व्यक्ति के रूप में नहीं पहचान सकते। लेकिन ये ऐसे लोग हैं जिन्होंने अस्तित्व के शिखरों को छुआ है। जब हम "एक योगी" कहते हैं, तो हमारा मतलब एक निश्चित व्यवहार या नैतिकता वाले व्यक्ति से नहीं होता। एक योगी जीवन के साथ पूरी तरह से सामंजस्य में होता है। इतना सामंजस्य कि वह जीवन को विघटित कर सकता है और फिर से जोड़ सकता है। मूलभूत जीवन जो आप हैं, अगर आप उसे पूरी तरह से विघटित कर सकते हैं और वापस जोड़ सकते हैं, तभी आप एक योगी हैं। ऐसे कई अद्भुत मनुष्य रहे हैं। किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जो किसी तरह के आध्यात्मिक उत्थान की तलाश में है, केदारनाथ एक वरदान है जिसकी विशालता की आप कल्पना भी नहीं कर सकते। इसका क्या मतलब है, यह समझाना बहुत मुश्किल है। आखिरकार, यह सिर्फ चट्टान का एक उभार है। लेकिन जो बात बहुत बड़ा अंतर पैदा करती है, वो वह काम है जो यहाँ हज़ारों सालों से रहने वाले लोगों ने इस जगह पर किया है। यही वो जगह है जहाँ बहुत से योगियों ने अपने शरीर त्यागे हैं। यह कुछ ऐसी चीज है जिसे आपको जरूर अनुभव करना चाहिए। भारत में जन्म लेने के बाद, इससे पहले कि आप बहुत बूढ़े हो जाएँ और किसी चीज के लायक न रहें, आपको एक बार हिमालय जरूर जाना चाहिए। आदिशंकराचार्य की बुद्धि असाधारण थी और वे भाषा के प्रकांड पंडित थे। अपने छोटे से जीवन के दौर में, उन्होंने इस देश की लंबाई और चौड़ाई चलकर नापी। शंकराचार्य कालाडी नामक एक गाँव से आए थे, जिसका शाब्दिक अर्थ है "पैरों के नीचे।" दक्षिण में, हम भारत माता के चरणों में हैं। भारत का मतलब है कि हमने हमेशा सीखा कि कैसे ईश्वर के चरणों में रहना है। ईश्वर के चरणों में रहकर, हम विकसित हुए और खिले। यह दिखावटी आडंबर की संस्कृति नहीं है, बल्कि स्वाभाविक धर्मपरायण संस्कृति है। आदिशंकराचार्य ने कहा, "सब कुछ माया है।" माया का अर्थ भ्रम होता है, इस मायने में कि आप इसे उस तरह नहीं देख रहे हैं जैसा कि यह है। यहाँ आपका यह शरीर ठोस लगता है, लेकिन आप जो खाना खाते हैं, जो पानी पीते हैं, और जो हवा साँस लेते हैं, उससे आपके शरीर की कोशिकाएँ हर दिन बदलकर नई हो रही हैं। इसका मतलब है कि कुछ समय बाद, आपके पास एक बिल्कुल नया शरीर होगा। लेकिन आपके अनुभव में, ऐसा लगता है कि यह वही शरीर है - यही माया है। इसी तरह, जिस तरह से आप पाँच इंद्रियों के माध्यम से अस्तित्व को समझते हैं, वह पूरी तरह से गलत है - यह भ्रम है, माया है, जिसके बारे में शंकर ने बात की थी। एक कहानी है कि कैसे काशी में एक बार, सुबह-सुबह स्नान के बाद आदिशंकर मंदिर में प्रवेश कर रहे थे। तभी एक चांडाल उनके रास्ते में आ गया। चांडाल एक खास जाति थी, जो श्मशान घाटों की देखभाल करती थी। उन्हें सबसे नीचा और अशुभ माना जाता था। ऐसी मान्यता थी कि अगर आप चांडाल को देख लेंगे, तो मृत्यु आ जाएगी। कोई भी उनसे कोई संबंध नहीं रखना चाहता था और उन्हें बहिष्कृत किया जाता था।

शुगर सहित कई रोगों में फायदेमंद है मखाना

डायबिटीज यानी शुगर की बीमारी। बदलते लाइफस्टाइल में यह रोग इतनी तेजी से फैल रहा है कि ज्यादातर लोग इसकी चपेट में आते चले जा रहे है। यह रोग ऐसा है कि इससे खून में शुगर की मात्रा अधिक हो जाती है, जिससे शरीर में इंसुलिन बनना बंद हो जाता है। यह बीमारी काफी गंभीर है जो आगे चलकर कई बीमारियों की जड़ बनती है। अगर शुगर के मरीज को कोई घाव भी लग जाए तो वह जल्दी से भरने का नाम नहीं लेता। शुगर के मरीज को दवाईयों और टीकों के सहारे जीना पड़ता है लेकिन इस रोग के कुछ घरेलू नुस्खे भी है जिससे इस रोग को जड़ से खत्म किया जा सकता है। जी हां, आप मखाने के चार दानों का सेवन करके शुगर से हमेशा के लिए निजात पा सकते है। इसके सेवन से शरीर में इंसुलिन बनने लगता है और शुगर की मात्रा कम हो जाती है। फिर धीरे-धीरे शुगर रोग भी खत्म हो जाता है।

सेवन की विधि

अगर आप जल्द से जल्द मधुमेह को खत्म करना चाहते है तो सुबह खाली पेट चार दाने मखाने खाएं। इनका सेवन कुछ दिनों तक लगातार करें। इससे मधुमेह का रोग तेजी से खत्म होगा।

दिल के लिए फायदेमंद

मखाना केवल शुगर के मरीज के लिए ही नहीं बल्कि

हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों में भी फायदेमंद है। इनके सेवन से दिल स्वस्थ रहता है और पाचन क्रिया भी दुरूस्त रहती है।

तनाव कम

मखाने के सेवन से तनाव दूर होता है और अनिद्रा की समस्या भी दूर रहती है। रात को सोने से पहले दूध के साथ मखानों का सेवन करें।

जोड़ों का दर्द दूर

मखाने में कैल्शियम भरपूर मात्रा में होता है। इनका सेवन जोड़ों के दर्द, गठिया जैसे मरीजों के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है।

पाचन में सुधार

मखाना एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो सभी आयु वर्ग के लोगों को आसानी से पच जाता है। इसके अलावा फूल मखाने में एस्ट्रीगजन गुण भी होते हैं जिससे यह दस्त से राहत देता है और भूख में सुधार करने के लिए मददगार है।

किडनी को मजबूत

फूल मखाने में मीठा बहुत कम होने के कारण यह स्प्लीन को डिटॉक्सीकफाइ करता है। किडनी को मजबूत बनाने और ब्लाड को बेहतर रखने के लिए खानों का नियमित सेवन करें।

पपीते का रस ठीक करता है कई गंभीर बीमारियां

आम तौर पर माना जाता है कि पपीते का फल पेट की बीमारियों का रामबाण उपाय है पर इतना ही नहीं है। पपीता एक ऐसा फल है जो गंभीर बीमारियों को बढ़ने से रोकता है। ऐसे में अगर आप स्वस्थ् रहना चाहते हैं तो पपीते का सेवन करना शुरु कर दें। पपीता ही नहीं इसके पत्तों का रस भी बेहद स्वस्थ्यवर्धक होता है। अगर आपने इसके पत्तों का रस पीया है तो ठीक और नहीं पीया तो पीना शुरू कर दीजिए क्योंकि पपीता खाने के साथ ही इसके पत्तों का रस पीने से कई तरह की बड़ी बीमारियों से बचाव होता है।

वैसे तो ज्यादातर डेंगू और चिकनगुनिया के रोगियों को इसका रस पीने की सलाह दी जाती है लेकिन अगर आप ताउम्र स्वस्थ रहना चाहते हैं तो इसे आपने आहार में शामिल करें। कैंसर कोशिकाओं को रोकता है

पपीते के पत्तों में कैंसररोधी गुण होते हैं जो कि रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने में मदद करते हैं और सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्टम कैंसर जैसे कैंसर के सेल्स को बनने से रोकते हैं।

संक्रमण से बचाव

शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाने के साथ ही पपीते के पत्तों का जूस शरीर में बैक्टीदरिया की ग्रोथ रोकने में भी सहायक है। यह खून में सफेद रक्त कणों और प्लेटलेट्स को बढ़ाने में भी सहायता करता है।

डेंगू नहीं होगा

डेंगू और मलेरिया से लड़ने में पपीते की पत्तिपयों का रस काफी लाभकारी रहता है। यह बुखार की वजह से गिरती प्लेटलेट्स को बढ़ाने और शरीर में कमजोरी को बढ़ने से रोकता है।

पीरियड्स में लाभप्रद

पीरियड्स में होने वाला दर्द में अगर पपीते की पत्ती को इमली, नमक और 1 ग्लास पानी के साथ मिलाकर काढ़ा बनाया जाए और इसे ठंडा करके पिया जाए तो काफी आराम मिलता है।

संक्षिप्त ख़बरें

साबूदाना बाजार : रिकॉर्ड निचले स्तर पर कीमतें

गोपाल साबु ने दी नवरात्रि के लिए स्टॉक की सलाह

इंदौर/सेलम (ईएमएस)। साबूदाना उद्योग में इस समय कीमतें रिकॉर्ड निचले स्तर पर हैं, जो पिछले कई वर्षों में सबसे कम हैं। साबु ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमेन और 1984 से साबूदाना व्यवसाय में सक्रिय गोपाल साबु ने बताया कि उत्पादक मंडी में कीमतें पिछले साल की तुलना में लगभग आधी हो गई हैं।गोपाल साबु, जिनके प्रतिष्ठित ब्रांडों में सच्चामोती एगमार्क और सच्चासाबु एगमार्क साबूदाना शामिल हैं, साथ ही अन्य ग्लूटेन-मुक्त पौष्टिक फरियाली उत्पाद जैसे चक्र, अल्पाहार, कुकरीजॉकी ब्रांड भी हैं, ने इस स्थिति के पीछे के कारणों पर प्रकाश डाला। उनके अनुसार, इस साल कसावा कंद (टैपिओका) की फसल और साबूदाना की मांग दोनों में वृद्धि हुई है, लेकिन उत्पादन मांग से कहीं ज़्यादा है, जिससे कीमतें गिरी हैं।वर्तमान में, सेलम में तैयार साबूदाना का अनुमानित स्टॉक लगभग 60,000 टन (सात लाख - 90 किलो की बोरी) है। साबु ने उत्पादन लागत को देखते हुए वर्तमान अत्यधिक कम भावों से और अधिक गिरावट की संभावना से इनकार किया है। उन्होंने यह भी बताया कि उत्पादक मंडी में अच्छी गुणवत्ता वाले और हल्के साबूदाना के बीच लगभग 6 से 7 रुपये प्रति किलोग्राम का अंतर है। हालांकि, उपभोक्ता ग्राहकों में साबूदाना की प्रामाणिक पहचान न होने के कारण, दिशावर मंडियों में अक्सर सभी तरह का साबूदाना लगभग एक ही भाव पर बिक जाता है।साबु ने व्यापारियों/उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे जागरूक होकर प्रामाणिक क्वालिटी साबूदाना खरीदें, ताकि वे ऊंचे दाम देकर हल्के या कम गुणवत्ता वाले माल खरीदने से बच सकें। आगामी नवरात्रि को देखते हुए साबु ने व्यापारियों को विशेष सलाह देते हुए कहा कि इतने कम भाव में साबूदाना जैसी फरियाली वस्तु के और सस्ती होने की संभावना नहीं है। इसलिए, नवरात्रि में आपकी संभावित बिक्री सामान्य से डेढ़-गुनी या दोगुनी भी हो सकती है। अतः अपने पास सदा अनुमानित बिक्री के अनुसार अच्छा साबूदाना तैयार माल रखें।

भारत की यूपीआई सेवा बनी डिजिटल भुगतान की दुनिया में नंबर वन

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत अब डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में पूरी दुनिया में सबसे आगे है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) इस सफलता का मुख्य आधार है। 2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूपीआई शुरू किया था, जो आज भारत में पैसे भेजने और प्राप्त करने का सबसे तेज़, आसान और भरोसेमंद तरीका बन चुका है। यूपीआई की सबसे बड़ी खासियत है कि यह एक ही मोबाइल ऐप से कई बैंक खातों को जोड़ने की सुविधा देता है। इससे कोई भी व्यक्ति कुछ ही क्लिक में किसी भी बैंक में पैसे भेज या प्राप्त कर सकता है। जून 2025 तक यूपीआई के जरिए हर महीने लगभग 18.39 अरब लेन-देन होते हैं, जिनकी कुल रकम 24.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यह पिछले वर्ष जून के मुकाबले 32 प्रतिशत की वृद्धि है। आज भारत में 49.1 करोड़ लोग और 65 लाख व्यापारी यूपीआई से जुड़े हैं। 675 बैंक यूपीआई नेटवर्क से जुड़े हैं, जिससे उपयोगकर्ता को बैंक के नाम की चिंता नहीं करनी पड़ती। भारत में डिजिटल लेन-देन का 85 प्रतिशत यूपीआई के जरिए होता है। वैश्विक स्तर पर देखें तो दुनिया के आधे से अधिक रियल-टाइम डिजिटल भुगतान भारत के यूपीआई से होते हैं। यूपीआई की सेवा यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरिशस जैसे सात देशों में शुरू हो चुकी है। विशेष रूप से फ्रांस में यूपीआई की शुरुआत यूरोप में इसका पहला कदम है, जिससे वहां के भारतीय प्रवासियों को भुगतान करना और भी आसान हो गया है।

कुवैत और भारत के बीच हवाई सेवा क्षमता में 50 फीसदी बढ़ोतरी पर समझौता

नई दिल्ली (ईएमएस)। कुवैत और भारत ने एक नए द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच हवाई यात्रा की क्षमता में 50 प्रतिशत तक वृद्धि होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार अब दोनों देशों की एयरलाइन कंपनियों को प्रति सप्ताह प्रत्येक दिशा में 18,000 सीटें संचालित करने की अनुमति मिलेगी, जो पहले 12,000 सीटों तक सीमित थी। यह पहला मौका है जब 2006 के बाद से इस सीमा में वृद्धि की गई है। कुवैत के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के अध्यक्ष शेख हमूद मुबारक अब सबाह और भारत के नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। 2006 में आखिरी बार हवाई सेवा क्षमता को बढ़ाकर 8,320 सीटें की गई थीं, लेकिन अब यह संख्या काफी बढ़ गई है, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों का संकेत है।

ब्रिगेड होटल वेंचर्स का आईपीओ 24 जुलाई को खुलेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दक्षिण भारत की प्रमुख होटेल डेवलपर ब्रिगेड होटल वेंचर्स लिमिटेड ने अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 85 से 90 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा निर्धारित किया है। कंपनी 24 जुलाई से 28 जुलाई 2025 तक आईपीओ के लिए आवेदन स्वीकार करेगी। एंकर निवेशक 23 जुलाई को बोली लगा सकेंगे। यह आईपीओ पूर्णतः नए शेयर जारी करने पर आधारित है, इसमें कोई ऑफर फॉर सेल शामिल नहीं है। आईपीओ का कुल आकार 749.6 करोड़ रुपये है। जेएम फाइनेंशियल और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज इस प्रस्ताव के प्रबंधक हैं। कंपनी के शेयर 31 जुलाई को स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हो सकते हैं। ब्रिगेड होटल वेंचर्स ने हाल ही में 360 वन अल्टरनेट्स एसेट मैनेजमेंट को शेयर बेचकर 126 करोड़ की फंडिंग भी प्राप्त की है। यह कदम कंपनी के विस्तार और विकास में मदद करेगा।

त्रिपुरा के नौ औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए एडीबी देगा 975 करोड़

अगरतला (ईएमएस)। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने त्रिपुरा के नौ औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 975.26 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर किया है। त्रिपुरा औद्योगिक विकास निगम (टीआईडीसी) के चेयरमैन ने बताया कि इस परियोजना के तहत औद्योगिक शेड, बिजली सबस्टेशन, भूमिगत बिजली लाइन, अग्निशमन सेवा स्टेशन और 34 सड़कों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एडीबी द्वारा यह ऋण त्रिपुरा के औद्योगिक क्षेत्रों को विश्वस्तरीय बनाने में मदद करेगा और परियोजना का कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस योजना के अंतर्गत बोधजंगनगर, आर.के. नगर, दुकली और ए.एन. नगर समेत कुल नौ औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार ने दक्षिण त्रिपुरा के संतिरबाजार में 127 एकड़ और उनाकोटी जिले के फटीक्रोय में 28 एकड़ भूमि औद्योगिक क्षेत्रों के लिए आवंटित की है। टीआईडीसी ने इन नए क्षेत्रों में सीमांकन और बुनियादी ढांचा निर्माण का काम शुरू कर दिया है ताकि उद्योगों के लिए भूमि लंबे समय तक खाली न पड़े। वर्तमान में राज्य में दो प्लाईवुड निर्माण इकाइयां संचालित हो रही हैं, और भविष्य में सात और नई इकाइयां स्थापित करने की योजना बनाई गई है। यह निवेश त्रिपुरा के औद्योगिक विकास को तेजी से बढ़ावा देगा, रोजगार के अवसर बढ़ाएगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा।

एलएंडटी हरित हाइड्रोजन संयंत्र पानीपत रिफाइनरी में लगाएगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एलएंडटी एनर्जी ग्रीनटेक लिमिटेड के माध्यम से हरियाणा की पानीपत रिफाइनरी में देश का सबसे बड़ा हरित हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित करेगी। यह परियोजना भारत सरकार के राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत है, जिसका उद्देश्य भारत को हरित हाइड्रोजन उत्पादन में वैश्विक केंद्र बनाना है। संयंत्र 25 वर्षों तक इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) को प्रति वर्ष 10,000 टन हरित हाइड्रोजन की आपूर्ति करेगा। एलएंडटी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह परियोजना भारत के ऊर्जा बदलाव में उनकी प्रतिबद्धता और स्वच्छ ऊर्जा समाधान प्रदान करने की क्षमता को मजबूत करेगी। यह कदम देश में स्वच्छ ऊर्जा के विकास और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 442, निफ्टी 122 अंक उछला

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी से बाजार में ये बढ़त आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 442.61 अंकों की बढ़त के साथ ही 82,200.34 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 122.30 अंकों की बढ़त के साथ ही 25,090.70 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से 18 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। वहीं अन्य सभी 12 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसी प्रकार, निफ्टी 50 की 50 में से 28 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 21 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये है। वहीं एक कंपनी का शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे ज्यादा 5.38 फीसदी बढ़कर बंद हुए जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में सबसे अधिक 3.29 फीसदी गिरे।आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 2.76 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 2.19 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.75फीसदी, बीईएल 1.37 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.14 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.06 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.05 फीसदी, एलएंडटी 1.05 फीसदी, पावरग्रिड 1.04 फीसदी बढ़कर बंद हुए।वहीं दूसरी ओर, आज एचसीएल टेक के शेयरों में 1.21 फीसदी , टीसीएस 0.99 फीसदी , हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.97 फीसदी , आईटीसी 0.59 फीसदी , मारुति सुजुकी 0.फीसदी , टेक महिंद्रा 0.31 फीसदी और एनटीपीसी के शेयरों में 0.16 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच बाजार हल्की बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 12.1 अंक की बढ़त के साथ 81,769.83 के स्तर पर खुला। वहीं एनएसई निफ्टी हल्की गिरावट के साथ 25,958 पर खुला। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.49 फीसदी उछला है जबकि एएसएक्स 200 फीसदी गिरा। अमेरिकी इक्विटी फ्यूचर्स शुरुआती एशियाई घंटों में गिरावट के साथ बंद हुआ। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.06 फीसदी बढ़ा, नैस्डैक 100 फ्यूचर्स 0.08 फीसदी बढ़ा और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स 24 अंक ऊपर आया।

एंथम बायोसाइंसेज का शेयर 27 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली (ईएमएस)। एंथम बायोसाइंसेज लिमिटेड का शेयर सोमवार को अपने निर्गम मूल्य 570 रुपये से करीब 27 प्रतिशत की तेजी के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 723.10 रुपये पर शुरू हुआ, जो निर्गम मूल्य से 26.85 प्रतिशत अधिक था। बाद में यह 746.70 रुपये तक पहुंच गया, जो 31 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। एनएसई पर भी शेयर 723.05 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 40,716.73 करोड़ रुपये रहा। इसका आईपीओ 3,395 करोड़ रुपये का था, जिसे बोली के अंतिम दिन तक 63.86 गुना अभिदान मिला। आईपीओ का मूल्य दायरा 540-570 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश पर आधारित था, इसलिए कंपनी को इस निर्गम से कोई राशि प्राप्त नहीं होगी। बेंगलुरु स्थित यह कंपनी बायोटेक क्षेत्र में तेजी से उभर रही है और निवेशकों में अच्छी पकड़ बना रही है।

सामान्य से बेहतर मानसून, जीडीपी की ग्रोथ वित्त वर्ष 26 में 6.5 प्रतिशत रहेगी

क्रेडिट एजेंसी की ओर से जारी रिपोर्ट में बताया गया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। हाल ही में एक क्रेडिट एजेंसी की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में बताया गया कि भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 26) में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ सकता है। इसकारण घरेलू खपत में सुधार होना और अन्य संकेतों का सकारात्मक होना है। क्रेडिट एजेंसी के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था की ग्रोथ के लिए सबसे बड़ा जोखिम अमेरिकी टैरिफ के कारण पैदा हुई वैश्विक अस्थिरता है।रिपोर्ट में बताया गया हैं कि हालांकि, सामान्य से बेहतर मानसून, आयकर में राहत और आरबीआई एमपीसी की ब्याज दरों में कटौती से घरेलू खपत में सुधार से विकास को समर्थन दिया है। बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सालाना आधार पर 7.4 प्रतिशत रही, जो इससे पिछली तिमाही में 6.4 प्रतिशत थी। इससे पिछले वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2025) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रही।रिपोर्ट में कहा गया कि खाद्य मुद्रास्फीति के नकारात्मक होने के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति जून में घटकर 2.1 प्रतिशत रह गई, जो बीते 77 महीनों में सबसे कम है। रिपोर्ट में बताया गया, महंगाई के रुझान, सामान्य से बेहतर मानसून की भविष्यवाणी और वैश्विक स्तर पर तेल व कमोडिटी की कीमतों में नरमी की उम्मीद के आधार पर, हमारा अनुमान है कि इस वित्त वर्ष में सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन 4 प्रतिशत रहेगी, जो बीते वित्त वर्ष में 4.6 प्रतिशत थी।रिपोर्ट में बताया गया कि इस वित्त वर्ष में आरबीआई की रेपो दर में एक और कटौती और उसके बाद एक ठहराव की उम्मीद है। इस वित्त वर्ष में सकल बाजार उधारी 14.8 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो पिछले साल की तुलना में 5.8 प्रतिशत अधिक है। मोदी सरकार की योजना वित्त वर्ष की पहली छमाही में बजटीय उधारी का 54 प्रतिशत पूरा करने की है।मई तक राजकोषीय घाटा इस वित्त वर्ष के बजट लक्ष्य का 0.8 प्रतिशत रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 3.1 प्रतिशत से कम है। यह वृद्धि पिछले वित्त वर्ष की तुलना में अधिक राजस्व प्राप्तियों और कम राजस्व व्यय के कारण हुई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि चालू खाता घाटा (सीएडी) इस वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद का औसतन 1.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 0.6 प्रतिशत था।

मोस्ट-अवेटेड एसयूवी लॉन्च करने की योजना बना रही हुंडई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय बाजार में हुंडई मोटर इंडिया आने वाले वर्षों में मोस्ट-अवेटेड एसयूवी लॉन्च करने की योजना बना रही है। कंपनी द्वारा हाइब्रिड टेक्नोलॉजी से लैस नए मॉडल भी पेश किए जाएंगे, जो माइलेज और परफॉर्मेंस दोनों के लिहाज से ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं।सबसे पहले बात करें वेन्यू फेसलिफ्ट की तो यह एसयूवी पहले ही कई बार टेस्टिंग के दौरान भारतीय सड़कों पर देखी जा चुकी है। नई वेन्यू में एक्सटीरियर और इंटीरियर डिजाइन में बदलाव देखने को मिलेंगे, जिससे इसका लुक और फील पहले से ज्यादा प्रीमियम हो सकता है। हालांकि, इसके इंजन और पावरट्रेन में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया जाएगा। रिपोर्ट्स की मानें तो कंपनी इसे 2025 के अंत या 2026 की शुरुआत तक लॉन्च कर सकती है। दूसरा बड़ा नाम है क्रेटा हाइब्रिड का, जो हुंडई की सबसे अधिक बिकने वाली एसयूवी है। कंपनी अब इस लोकप्रिय मॉडल को हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ भारतीय बाजार में उतारने की योजना बना रही है। नई क्रेटा फेसलिफ्ट को 2027 तक लॉन्च किया जा सकता है और इसमें बेहतर माइलेज के साथ-साथ नए डिजाइन एलिमेंट्स और अपडेटेड केबिन मिलने की उम्मीद है, जो इसे मौजूदा क्रेटा से और ज्यादा एडवांस बना देगा। तीसरी एसयूवी है हुंडई की प्रीमियम कार टक्सन का फेसलिफ्ट वर्जन, जिसे ग्लोबल मार्केट में पहले ही पेश किया जा चुका है।भारत में इसकी एंट्री जल्द हो सकती है। इस कार में भी एक्सटीरियर और इंटीरियर में अहम बदलाव किए गए हैं, हालांकि इसका इंजन सेटअप पहले जैसा ही रहने की संभावना है। कुल मिलाकर, आने वाले सालों में हुंडई भारत में एसयूवी सेगमेंट को एक नई दिशा देने की तैयारी में है, जहां ग्राहकों को तकनीक, डिजाइन और परफॉर्मेंस का बेहतरीन संयोजन मिलने वाला है। बता दें कि भारतीय ग्राहकों के बीच एसयूवी सेगमेंट में हुंडई की गाड़ियों की लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है। खासकर हुंडई क्रेटा, वेन्यू और एक्सटर जैसी कारें इस सेगमेंट में लंबे समय से अपनी पकड़ बनाए हुए हैं।

जिन्हें भारत से निकाला उन्हीं चीनी कंपनियों को हिस्सेदारी खरीदने की मिली मंजूरी

सरकार के थिंक टैंक माने जाने वाले नीति आयोग ने की सिफारिश

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार फिर चाइनीज कंपनियों को हिस्सेदारी खरीदने का मौका देगी। सरकार के थिंक टैंक माने जाने वाले नीति आयोग की सिफारिश देखकर लगता है कि नीति आयोग ने हाल में ही सरकार को भेजे सुझाव में कहा है कि चीन की कंपनियों को भारतीय कंपनियों में 24 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दी जानी चाहिए। नीति आयोग ने इसके लिए स्क्रूटनी की प्रक्रिया को और सख्त करने की भी बात कही है, लेकिन कुछ साल पहले चीन के सीधे निवेश वाली कंपनियों को सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर देश से निकाल दिया था। क्या एक बार फिर उन कंपनियों के भारत अपने दरवाजे खोल रहा है।मीडिया रिपोर्ट में मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अभी चीन की कंपनियों की ओर से भारतीय कंपनियों में किसी भी तरह के निवेश की घरेलू और अंतराष्ट्रीय दोनों स्तरों से सघन जांच की जाती है। इस प्रक्रिया में गृह मंत्रालय के साथ विदेश मंत्रालय भी शामिल होता है, लेकिन अब नीति आयोग ने सुझाव दिया है कि चीन की कंपनियों बिना किसी अप्रूवल के ही भारतीय कंपनियों में 24 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दी जानी चाहिए।एक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि इस कदम से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलेगा। मामले को वाणिज्य मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और विदेशी मंत्रालय के साथ प्रधामंत्री कार्यालय भी इसका अध्ययन कर रहा है। वैसे तो यह जरूरी नहीं कि नीति आयोग की हर सिफारिश को सरकार मंजूर ही कर ले, लेकिन चीन के निवेश को लेकर यह सुझाव ऐसे समय में दिया जा रहा है, जबकि दोनों देशों के बीच साल 2020 से ही भयंकर टकराव चल रहा है।सूत्रों का कहना है कि फिलहाल इस पर फैसला राजनेताओं को लेना है, जिसमें कुछ महीने लग सकते हैं। उनका कहना है कि उद्योग विभाग इसके पक्ष में है, लेकिन बाकी सरकारी विभागों की मंजूरी मिलना बाकी है। सरकार ने खुद साल 2020 में यह सख्त नियम बनाया था, जो दोनों देशों की झड़प के बाद लागू हुआ था। सरकार ने साल 2020 में नियम बनाया था कि भारतीय जमीन के साथ जुड़े किसी भी देश को सीधे निवेश की अनुमति नहीं होगी।रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से दुनियाभर में विदेशी निवेश कम हो गया है। चीन के निवेश पर प्रतिबंध लगाने से दक्षिण एशियाई का निवेश भी भारत में कम हो गया है। पिछले वित्तवर्ष में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश महज 35.3 करोड़ डॉलर था, जो साल 2021 के 44 अरब डॉलर के मुकाबले बहुत कम है। हालांकि, दोनों देश अपने तनावों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कड़ी में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पांच साल बाद चीन की यात्रा की थी। अब जबकि नीति आयोग ने भी ऐसी सिफारिश कर दी है तो सरकार के फैसले पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

अमेजन वेब सर्विसेज ने फिर की कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेजन एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी को लेकर चर्चा में है। इस बार अमेजन की क्लाउड यूनिट अमेजन वेब सर्विसेज ने सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। बताया जा रहा है कि यह छंटनी सिर्फ शुरुआत है और साल के अंत तक इसमें और तेजी आ सकती है। एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कहना है कि एडब्ल्यूएस में कुल कर्मचारियों की संख्या का करीब 10 फीसदी हिस्सा और प्रिंसिपल-लेवल की 25 फीसदी नौकरियां इस छंटनी की चपेट में आ सकती हैं। अमेजन यह कदम लागत कम करने, संगठनात्मक ढांचे को सरल बनाने और प्रदर्शन में सुधार के उद्देश्य से उठा रही है। इसके लिए कंपनी परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट प्लान और रिडक्शन इन फोर्स जैसे उपायों को लागू कर रही है। बताया जा रहा है कि एडब्यूएस के अंदर ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन सहित कई यूनिट्स के कर्मचारी छंटनी की चपेट में आए हैं। इस बार सीनियर लेवल के प्रिंसिपल भी निशाने पर हैं। यह वे पद होते हैं, जिन पर सबसे ज्यादा वेतन और सुविधाएं दी जाती हैं। अब इन्हें भी बचाया नहीं जा रहा है। छंटनी का एक बड़ा कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भी है। अमेजन के सीईओ ने हाल ही में कहा था कि एआई के आने से कुछ कामों के लिए अब कम लोगों की जरूरत है, और कुछ नए कामों के लिए नए तरह के लोगों की जरूरत होगी।

एसबीआई की यूपीआई सेवा 22 जुलाई को 45 मिनट रहेगी बंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) सेवा 22 जुलाई 2025 को रात 12:15 बजे से लेकर रात 1:00 बजे तक यानी कुल 45 मिनट के लिए अस्थायी रूप से बंद रहेगी। बैंक ने बताया कि यह रुकावट एक शेड्यूल्ड मेंटेनेंस एक्टिविटी के चलते होगी ताकि सिस्टम को बेहतर बनाया जा सके। इस दौरान ग्राहक की सामान्य यूपीआई सर्विस का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। हालांकि, एसबीआई ने यह भी कहा है कि यूपीआई लाइट सर्विस इस दौरान चालू रहेगी। बैंक ने ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए खेद भी जताया है।

2025-26 की पहली तिमाही में इलेक्ट्रॉनिक्स रेडीमेड गारमेंट्स में बढ़ा भारत का ग्राफ

अमेरिका, यूएई और चीन शीर्ष तीन एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन बनकर उभरे

नई दिल्ली,(ईएमएस)। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) भारत के निर्यात क्षेत्र के लिए अच्छी रही है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, रेडीमेड गारमेंट्स और समुद्री उत्पादों में बढ़ोतरी देखी गई है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-जून 2025-26 तिमाही में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के लिए अमेरिका, यूएई और चीन शीर्ष तीन एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन बनकर उभरे हैं। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 47 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह बढ़कर 12.41 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। अमेरिका सबसे बड़ा निर्यात का स्थान बन गया है। इसकी हिस्सेदारी 60.17 फीसदी है। रेडीमेड गारमेंट्स के लिए भी अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है, जहां 34.11 फीसदी निर्यात होता है। समुद्री उत्पादों के निर्यात में भी 19.45फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसमें अमेरिका 37.63फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा आयातक है। ऐसे में जब भारत वैश्विक बाजारों में अपनी पैठ मजबूत कर रहा है तो दुनिया के सबसे बड़े निर्यातक चीन का टेंशन में होना स्वाभाविक है। भारत का यह बढ़ता ग्राफ न केवल उसकी आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को दर्शाता है, बल्कि वैश्विक व्यापारिक समीकरणों में संभावित बदलाव की ओर भी इशारा करता है।भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है। अप्रैल से जून 2025-26 के बीच इस सेक्टर ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़े के मुताबिक भारत ने सबसे ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक्स सामान अमेरिका, यूएई और चीन को बेचा है। नीदरलैंड और जर्मनी भी भारत से इलेक्ट्रॉनिक्स सामान खरीदने वाले बड़े देश हैं। इस साल अप्रैल से जून के बीच इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्यात में 47 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह बढ़कर 12.41 अरब डॉलर हो गई। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से बताया गया कि भारत दुनिया के इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन में तेजी से जुड़ रहा है। भारत एशिया में एक भरोसेमंद मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभर रहा है। आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका सबसे बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन बन गया है। इसका हिस्सा 60.17 फीसदी है। यूएई 8.09 फीसदी के साथ दूसरे और चीन 3.88 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर है। नीदरलैंड का हिस्सा 2.68 फीसदी और जर्मनी का 2.09 फीसदी है। रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी) के लिए भी अमेरिका सबसे बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन है। यहां से 34.11 फीसदी शिपमेंट होते हैं। इसके बाद ब्रिटेन (8.81 फीसदी), यूएई (7.85 फीसदी), जर्मनी (5.51 फीसदी) और स्पेन (5.29 फीसदी) का नंबर आता है। इस वित्तीय वर्ष के अप्रैल-जून में, सभी टेक्सटाइल के आरएमजी का एक्सपोर्ट बढ़कर 4.19 अरब डॉलर हो गया।

सोना 186 रुपए महंगा होकर 98,000 के पार, चांदी 1.13 लाख के ऊपर

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में सोमवार को तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। इस समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 98,100 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,13,100 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार सोने-चांदी के वायदा भाव सुस्त शुरुआत के बाद तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 186 रुपये की तेजी के साथ 98,210 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 98,024 रुपये था। इस समय यह 111 रुपये की तेजी के साथ 98,135 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 98,213 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 98,091 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,01078 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 121 रुपये की तेजी के साथ 1,13,071 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,12,950 रुपये था। इस समय यह 141 रुपये की तेजी के साथ 1,13,091 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,13,160 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,13,000 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,15,136 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। हालांकि बाद में इनके भाव सुधर गए। कॉमेक्स पर सोना 3,355.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

भारत-बांग्लादेश के लिए मुसीबत, ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने लगा दुनिया का सबसे बड़ा बांध

बीजिंग,(ईएमएस)। चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर 167.8 अरब डॉलर की लागत से बांध का निर्माण औपचारिक रूप से शुरू कर दिया। सरकारी मीडिया की खबर के अनुसार, चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने न्यिंगची शहर में ब्रह्मपुत्र नदी के निचले क्षेत्र, जिसे स्थानीय रूप से यारलुंग जांगबो के नाम से जाना जाता है, में आयोजित समारोह में बांध के निर्माण कार्य के शुरू होने की घोषणा की।खबर के अनुसार यह समारोह तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के न्यिंगची मेनलिंग जलविद्युत स्टेशन के बांध स्थल पर आयोजित हुआ। दुनिया की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना मानी जाने वाली इस जलविद्युत परियोजना ने भारत और बांग्लादेश में चिंता पैदा कर दी है।इस परियोजना में पांच जलविद्युत स्टेशन शामिल होंगे। वर्ष 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, जल विद्युत स्टेशन से प्रत्येक वर्ष 300 अरब किलोवाट घंटे से अधिक बिजली उत्पन्न होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग और चीन के विद्युत निर्माण निगम समेत विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने समारोह में हिस्सा लिया।अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कुछ दिनों पहले ही कहा था कि राज्य की सीमा के निकट चीन द्वारा बनाया जा रहा विशाल बांध एक 'वॉटर बम' होगा और यह सैन्य खतरे के अलावा, किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। खांडू ने इंटरव्यू में कहा था कि यारलुंग सांगपो नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी बांध परियोजना गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि चीन ने अंतरराष्ट्रीय जल संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जो उसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने के लिए मजबूर कर सकती थी। ब्रह्मपुत्र नदी को तिब्बत में यारलुंग सांगपो नाम से जाना जाता है। खांडू ने कहा था, मुद्दा यह है कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। कोई नहीं जानता कि वे कब क्या करेंगे। उन्होंने कहा, चीन से सैन्य खतरे के अलावा, मुझे लगता है कि यह किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। यह हमारी जनजातियों और हमारी आजीविका के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा करने वाला है। यह काफी गंभीर मुद्दा है क्योंकि चीन इसका इस्तेमाल एक तरह के 'वॉटर बम' के रूप में भी कर सकता है।

यूक्रेन के ड्रोन हमले के जवाब में रुस ने कीव पर रातभर दागीं मिसाइलें

गैर-आवासीय भवनों और मेट्रो स्टेशन को नुकसान, कोई जनहानि नहीं

कीव,(ईएमएस)। रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध में कोई भी रात ऐसी नहीं जाती, जब कीव या मॉस्को दहशत के साए में नहीं रहते हों। रविवार-सोमवार की रात यूक्रेन की राजधानी कीव रातभर डर के साए में रही। रूस की ओर से यहां रात 2:16 बजे शुरू हुए हमले और सुबह 4 बजे तक जारी रहे। हमले के दौरान कीव के डार्नित्स्की, शेवचेंकिवस्की और ड्नीप्रोवस्की जिलों में रिहायशी इमारतों और एक बच्चों की डे-केयर में आग लग गई। ड्नीप्रोवस्की जिले में बाहर के कियोस्क जलते देखे गए, जबकि सोलोमियांस्की जिले में गिरे मलबे से घायल लोगों को एम्बुलेंस सेवा दी जा रही है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लुकियानिवस्का मेट्रो स्टेशन, जो बम शेल्टर के रूप में इस्तेमाल हो रहा था, धुएं से भर गया। कीव के मेयर और मिलिट्री प्रशासन प्रमुख ने कहा कि कई गैर-आवासीय भवनों और मेट्रो स्टेशन को नुकसान पहुंचा है, हालांकि अभी तक किसी की जान जाने की खबर नहीं है। वहीं राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस को अगले सप्ताह तुर्की में शांति वार्ता का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि कैदियों की अदला-बदली पर चर्चा जारी है। हालांकि इस बात से भी इनकार नहीं कर सकते हैं कि रूस ने हाल के हफ्तों में फ्रंटलाइन से दूर के शहरों पर हमले तेज कर दिए हैं।बता दें इससे पहले शनिवार रात यूक्रेन की ओर से 150 ज्यादा हवाई हमले रूस पर किए गए थे। इनमें से 13 ड्रोन मॉस्को तक पहुंचने की कोशिश में थे, जिन्हें रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया। पिछले कुछ हफ्तों में यह अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला बताया गया। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की ओर से इन हमलों में आवासीय क्षेत्रों और आम जनता की बुनियादी संरचनाओं को खास तौर पर निशाना बनाया जा रहा है।जेलेंस्की ने ऐलान किया है कि वह रूस के साथ अगले हफ्ते सीजफायर के लिए नेतृत्व-स्तर की बैठक करना चाहते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव रुसतेम उमेरोव पहले ही रूस को बैठक का प्रस्ताव भेज चुके हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

बांग्लादेश में बड़ा हादसाः माइलस्टोन कॉलेज पर गिरा वायुसेना का ट्रेनर विमान

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका सोमवार दोपहर एक बड़े विमान हादसे से दहल उठी। बांग्लादेश वायु सेना का एक एफ-7 ट्रेनर एयरक्राफ्ट उत्तरी इलाके में स्थित माइलस्टोन कॉलेज के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा दोपहर लगभग 1:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) दियाबारी क्षेत्र में हुआ, जो भारतीय समयानुसार करीब 1:00 बजे था।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान तेज आवाज के साथ कॉलेज कैंपस के समीप गिरा, जिससे आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। घनी आबादी वाले इस क्षेत्र में कई लोग घायल हुए हैं और कुछ के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अधिकारिक तौर पर अभी हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं हुई है। हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि बचाव दल मौके पर पहुंच चुका है और राहत कार्य जारी हैं। फिलहाल क्रैश के कारणों की जांच की जा रही है, और अधिकारियों का कहना है कि जल्दी ही दुर्घटना की विस्तृत रिपोर्ट जारी की जाएगी।वायुसेना के जिस एफ-7 ट्रेनर एयरक्राफ्ट से यह हादसा हुआ, वह नवोदित पायलटों को प्रशिक्षण देने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला विमान है। यह विमान चीनी तकनीक पर आधारित है और लंबे समय से बांग्लादेश वायु सेना के प्रशिक्षण बेड़े में शामिल है। घटना के समय कॉलेज और आसपास के क्षेत्र में काफी हलचल थी, ऐसे में नुकसान की आशंका ज्यादा जताई जा रही है।

नेतन्याहू पागल हैं वह किसी की नहीं सुनता बस मनमानी कर रहा

वाशिंगटन,(ईएमएस)। इजराइल के सीरिया में लगातार सैन्य हमलों से अमेरिका का ट्रंप प्रशासन नाराज और बेचैन है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों ने नेतन्याहू की सैन्य रणनीति को गैरजिम्मेदार और आक्रामक बताया है। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि इजराइी पीएम नेतन्याहू पागलों की तरह बर्ताव कर रहे हैं। वह हर चीज पर बम गिराते हैं। इससे ट्रंप की रणनीति चौपट हो रही है।रिपोर्ट में छह अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि इजराइल की हालिया सैन्य कार्रवाइयों ने सीरिया संकट को और जटिल बना दिया है। ट्रंप ने भले ही सार्वजनिक रूप से नेतन्याहू की आलोचना नहीं की हो, लेकिन अंदर ही अंदर असहमति बढ़ती जा रही है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि हर दिन कोई नया बवाल हो जाता है। व्हाइट हाउस इस 'डेली ड्रामे' से तंग आ चुका है।गाजा में एक चर्च पर इजराइली बमबारी के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद नेतन्याहू को फोन कर स्पष्टीकरण मांगा था। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नेतन्याहू की तुलना ऐसे बच्चे से की जो किसी की बात नहीं सुनता और अपनी मनमानी करता है। यह विवाद तब और गहरा गया जब इजराइल ने सीरिया के सुवैदा इलाके में बमबारी की। इजराइल का दावा है कि सीरियाई सेना डिमिलिट्राइज्ड जोन में घुस आई थी और उसने ड्रूज समुदाय पर हमला किया। सीरिया ने इस आरोप को खारिज कर दिया। माना जा रहा है कि नेतन्याहू के इस रवैये से अमेरिका और इजराइल के बीच रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है।

यूक्रेन का रुस पर हमला युद्ध को और लंबा और खतरनाक बना रहा

कीव,(ईएमएस) रूस-यूक्रेन युद्ध एक बार फिर नए और खतरनाक मोड़ पर है। यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को पर एक बड़ा ड्रोन हमला किया है, जिसने मॉस्को के प्रमुख हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मच गई और करीब 140 से ज़्यादा फ्लाइट्स को डायवर्ट किया या फिर रद्द कर दिया गया। यह हमला शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण रूस की राजधानी के चार सबसे व्यस्त हवाई अड्डों शेरेमेत्येवो, वनुकोवो, डोमोडेडोवो और ज़ुकोवस्की को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा।मीडिया रिपोर्ट में रूसी विमानन नियामक के मुताबिक सुरक्षा कारणों से 130 से ज्यादा उड़ानों को दूसरे रूट पर भेजा गया जबकि कुछ उड़ानें पूरी तरह रद्द करनी पड़ीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन के इन ड्रोन हमलों से हवाई अड्डों की सुरक्षा व्यवस्था में खामी उजागर हुई है। हालांकि, कुछ घंटों के भीतर स्थिति को नियंत्रण में ले लिया गया और उड़ानों का परिचालन दोबारा शुरू कर दिया गया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि यूक्रेन की ओर से कुल 230 ड्रोन दागे गए थे, जिनमें से 19 मॉस्को ओब्लास्ट क्षेत्र में थे। मंत्रालय ने दावा किया कि सभी ड्रोन को रूसी वायु सुरक्षा बलों ने मार गिराया और बड़े नुकसान को टाल दिया।हमले के बाद क्रेमलिन प्रवक्ता ने कहा कि यूक्रेन इस तरह के हमलों से युद्ध को और लंबा और खतरनाक बना रहा है। उन्होंने पश्चिमी देशों पर भी आरोप लगाया कि वे यूक्रेन को ऐसे हमलों के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस हमले पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन सुरक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि रूस और यूक्रेन के बीच यह हमला संघर्ष को और तेज कर सकता है।

तीन लोगों के डीएनए से पैदा हुआ बच्चा, ब्रिटेन में उठने लगे सवाल

लंदन,(ईएमएस)। मानव सभ्यता को आगे बढ़ाने और बेहतर बनाने के लिए मेडीकल जगत में रोज नए प्रयोग होते रहते हैं। इसी कड़ी में ब्रिटेन ने भी आज से दस साल पहले माइटोकॉन्ड्रियल दान को वैध किया था। इस नियम के बनने के सालों बाद इसके नतीजे सामने आए हैं। इस उच्च स्तरीय तकनीक के जरिए मानवीय डीएनए में आई खराबी को आगे बढ़ने से रोकना सबसे बड़ी चुनौती थी। अब डॉक्टरों ने शोध के नतीजे प्रकाशित किए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस तीन माता-पिता वाले शिशु की तकनीक से अभी तक आठ बच्चे पैदा किए जा चुके हैं, खुशी की बात यह है कि यह आठों ही अभी स्वस्थ हैं।दो शोध पत्रों के मुताबिक सरकार से अनुमति मिलने के बाद इसका प्रयोग 22 महिलाओं के डीएनए के लिए किया गया। यह वह महिलाएं थी जिनका जीन परेशानी खड़ा करने वाला था। यानी इनके जीन को लेकर अगर बच्चा पैदा होता, तब वह गंभीर अनुवांशिक विकार यार जन्मजात विकलांगता के साथ पैदा होता। इन महिलाओं के जीन में लेह सिंड्रोम भी उपस्थित था। इस तकनीक में तीन लोगों के डीएनए का उपयोग करके एक भ्रूण का निर्माण हुआ है। इसमें होने वाले माता पिता के न्यूक्लियर डीएनए को लिया गया और डोनर एक से स्वस्थ माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए को लिया गया।

जापान के पीएम शिगेरू इशिबा सदन में नहीं कर पाई बहुमत हासिल

हार के बाद अल्पमत में आने के बाद इस्तीफा देने को तैयार नहीं

टोक्यो,(ईएमएस)। जापान के पीएम शिगेरू इशिबा की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार 248 सीटों वाले ऊपरी सदन में बहुमत हासिल नहीं कर पाई है। इशिबा की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्ट और उसकी जूनियर पार्टनर कोमेटो को बहुमत हासिल करने के लिए 50 अतिरिक्त सीटों की जरूरत थी, जबकि उनके पास पहले से ही 75 सीटें थीं। गठबंधन ने केवल 47 सीटें ही हासिल की, जो बहुमत से कम है। हार के बाद शिगेरू इशिबा का कहना है कि वह इस्तीफा नहीं देंगी।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक दक्षिणपंथी पॉपुलिस्ट पार्टी ने इशिबा की हार हो माता दी है, जिसने उनके नेतृत्व के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है। पिछले साल अक्टूबर में जापान के निचले सदन में बहुमत खोने के बाद, इशिबा के गठबंधन को ऊपरी सदन में भी हार का सामना करना पड़ा था। यह 1955 में एलडीपी की स्थापना के बाद पहली बार है, जब उनके पास दोनों सदनों का नियंत्रण नहीं है।अल्पमत में आने के बावजूद इशिबा ने पद पर बने रहने और अमेरिकी टैरिफ दबाव जैसे मुद्दों को संबोधित करने का वादा किया। हालांकि अब उन्हें या तो इस्तीफा देने या नए गठबंधन साथी की तलाश करने के लिए आंतरिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। बता दें रविवार को मतदान खत्म होने के बाद परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए इशिबा ने कहा था कि उन्होंने इस मुश्किल नतीजे को स्वीकार किया है। हालांकि उन्होंने इस्तीफा देने के बारे में कुछ न कहते हुए अमेरिका के साथ टैरिफ वार्ता के बारे में बताना शुरू कर दिया। इसके साथ ही वे जापान के राष्ट्रीय हित सुरक्षित करने की बात कहते नजर आए हैं।लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और उसके सहयोगी कोमेटो ने रविवार को हुए चुनाव में 125 में से केवल 47 सीटें जीतीं, जो बहुमत के लिए जरुरी 50 सीटों से कम हैं। मतदाताओं ने बढ़ती कीमतों और अमेरिकी टैरिफ के खतरे पर नाराजगी जताई और दक्षिणपंथी पार्टियों की ओर रुख किया। दूर-दक्षिणपंथी सैंसेइतो पार्टी ने 14 सीटें जीतीं, जो पहले केवल एक सीट थी, जिससे उसे ऊपरी सदन में अहम उपस्थिति मिली। केंद्र-दक्षिणपंथी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 22 सीटें जीतीं वहीं केंद्र-वाम मुख्य विपक्षी संवैधानिक डेमोक्रेटिक पार्टी ने 37 सीटें जीतीं।इशिबा से पहले तीन एलडीपी प्रधानमंत्री ऊपरी सदन में बहुमत खोने के दो महीने के भीतर इस्तीफा दे चुके हैं। अगर इशिबा जाते हैं, तो यह स्पष्ट नहीं है कि अब कौन उनकी जगह लेगा, क्योंकि सरकार को कानून पारित करने के लिए दोनों सदनों में विपक्ष का समर्थन चाहिए। इशिबा अपनी ही पार्टी में कभी लोकप्रिय नहीं रहे, वहीं मतदाता भी एलडीपी के हाल के कुछ सालों में घोटालों की वजह से नाराज हैं।

चेन पहने खड़े शख्स को एमआरआई मशीन ने खींचा, गंभीर रुप से घायल, इलाज के दौरान मौत

वाशिंगटन (ईएमएस)। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड स्थित एक मेडिकल सेंटर में एक डरावनी घटना घटी। इस घटना से मेडिकल प्रोटोकॉल पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। 61 साल के एक बुज़ुर्ग शख्स को एमआरआई मशीन ने इतनी जोर से खींच लिया कि वह बुरी तरह घायल हो गया। एक दिन बाद उसकी मौत हो गई। हादसा वेस्टबरी के ओल्ड कंट्री रोड पर स्थित नैसाउ ओपन एमआरआई सेंटर में हुआ।रिपोर्ट्स के मुताबिक, एमआरआई मशीन जब एक स्कैन कर रही थी, तभी वह शख्स कमरे में दाखिल हुआ। गले में उसने धातु की मोटी चेन पहन रखी थी। मशीन में लगे बेहद ताकतवर चुंबक ने उसे अपनी तरफ खींच लिया और वह जोर से मशीन की ओर खिंच गया। पुलिस ने बताया कि इस टक्कर से उस व्यक्ति की हालत गंभीर हो गई और उसे पास के अस्पताल में फौरन भर्ती कराया गया। हालांकि, यह साफ नहीं हो पाया है कि वह व्यक्ति सेंटर में मरीज था या किसी और वजह से एमआरआई रूम में घुसा।

ट्रंप की धमकी का असरः यूक्रेन से शांति वार्ता करने को तैयार हुए पुतिन

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 50 दिन का अल्टीमेटम दिया था। रूस ने पहले बयान दिया कि उसे ट्रंप की धमकियों की परवाह नहीं, लेकिन अब वो दबाव में है। रूस ने रविवार को कहा है कि पुतिन यूक्रेन संकट का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं, लेकिन हम अपने लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेंगे।ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि रूस 50 दिनों के भीतर युद्धविराम पर सहमत नहीं होता है, तो अमेरिका और सख्त प्रतिबंध लगाएगा। क्रेमलिन ने कहा कि रूस अपने हितों की रक्षा करना जारी रखेगा और पश्चिमी दबाव में नहीं आएगा। क्रेमलिन प्रवक्ता ने आगे कहा कि दुनिया अब ट्रंप की कभी-कभार कठोर बयानबाजी की अभ्यस्त हो चुकी है, लेकिन यह भी सच है कि ट्रंप ने रूस को लेकर हालिया बयानों में शांति समझौते की संभावनाओं को खुला रखा है। क्रेमलिन ने कहा कि रूस बातचीत से इनकार नहीं कर रहा, लेकिन यूक्रेन और उसके पश्चिमी साझेदारों का आरोप है कि मॉस्को जानबूझकर शांति वार्ताओं में बाधा डाल रहा है। इस बीच, रूस ने यूक्रेनी शहरों पर लंबी दूरी से ड्रोन हमलों को तेज कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में एक रात में रूस ने जितने ड्रोन छोड़े, वह 2024 के कई महीनों के कुल हमलों से अधिक थे।रूस ने एक बार फिर यूक्रेन युद्ध पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शांति वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन रूस अपने रणनीतिक लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेगा। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने रविवार को कहा, शांति संभव है, लेकिन हमारे लक्ष्य सर्वोपरि हैं। यह बयान ट्रंप द्वारा रूस को 50 दिनों की डेडलाइन दिए जाने के कुछ ही दिन बाद आया है।यूक्रेन पर रूस का हमला फरवरी 2022 में शुरू हुआ था और तब से दोनों देशों के बीच जारी युद्ध में लाखों जानें जा चुकी हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को लगातार सैन्य मदद दिए जाने के बावजूद रूस ने कई इलाकों पर कब्जा बनाए रखा है। अब जब ट्रंप फिर से सख्ती के साथ सामने आए हैं और पुतिन शांति के संकेत दे रहे हैं, ऐसे में वैश्विक कूटनीति एक नए मोड़ पर है।

विमानन समझौते के उल्लंघन पर अमेरिका ने मेक्सिको की उड़ानों पर लगाया बैन

वॉशिंगटन, (ईएमएस)। अमेरिका ने मेक्सिको पर द्विपक्षीय विमानन समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उसकी उड़ानों पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। अमेरिकी परिवहन विभाग ने कहा कि मेक्सिको 2022 से अमेरिका-मेक्सिको एयर ट्रांसपोर्ट एग्रीमेंट का पालन नहीं कर रहा है। विभाग के मुताबिक मेक्सिको सरकार ने अचानक स्लॉट रद्द कर दिए और अमेरिकी मालवाहक विमानों को राजधानी के मुख्य हवाई अड्डे से हटाकर नए हवाई अड्डे पर ले जाने के लिए मजबूर किया। मेक्सिको के तत्कालीन राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रादोर ने इसे 2026 फीफा वर्ल्ड कप की तैयारियों के मद्देनजर जरूरी बताया था।अमेरिकी परिवहन सचिव ने तीन 'अमेरिका फर्स्ट' उपायों की घोषणा की। इसके तहत कहा गया कि सभी मेक्सिकन एयरलाइनों को अमेरिका में अपनी उड़ानों का शेड्यूल परिवहन विभाग को देना होगा। कोई भी बड़ा यात्री या मालवाहक चार्टर विमान अमेरिका से आने-जाने से पहले विभाग की अनुमति लेनी होगी। साथ ही डेल्टा एयरलाइंस और एरोमैक्सिको की साझेदारी से एंटीट्रस्ट छूट वापस ली जा सकती है। डेल्टा और एरोमैक्सिको ने 2016 में साझेदारी की थी और वे इस फैसले का विरोध कर रहे हैं।कंपनियों ने तर्क दिया है कि सरकार की कार्रवाई की सजा उन्हें नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इससे दो दर्जन रूट प्रभावित होंगे और करीब 800 मिलियन डॉलर की उपभोक्ता बचत पर असर पड़ेगा। विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि मेक्सिको ने सुधारात्मक कदम नहीं उठाए तो उसकी उड़ानों को मंजूरी देने से इंकार किया जा सकता है। मेक्सिको सालों से अमेरिकी पर्यटकों का शीर्ष अंतरराष्ट्रीय स्थल रहा है। 2024 में वहां 4.5 करोड़ से ज्यादा विदेशी पर्यटक पहुंचे थे।

दिल की गंभीर बीमारियों की पहचान कर सकता है इकोनेक्स्ट

न्यूयार्क (ईएमएस)। दिल की बीमारी से परेशान मरीजों के लिए वैज्ञानिकों ने एक बडी खुशखबरी दी है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने एक ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल विकसित किया है, जो बेहद कम लागत वाले ईसीजी डेटा के आधार पर दिल की गंभीर और छिपी हुई बीमारियों की पहचान कर सकता है।इस टूल का नाम 'इकोनेक्स्ट' रखा गया है और यह कार्डियोलॉजिस्ट यानी हृदय रोग विशेषज्ञों से भी ज्यादा सटीक तरीके से बीमारी पकड़ने की क्षमता रखता है। दुनियाभर में लाखों लोग दिल की बीमारियों से ग्रस्त होते हैं, लेकिन उनमें से अधिकतर को समय रहते बीमारी का पता नहीं चल पाता, क्योंकि जांच महंगी होती है या जरूरी तकनीक उपलब्ध नहीं होती। इसी चुनौती को देखते हुए कोलंबिया यूनिवर्सिटी की एक टीम ने यह खास टूल तैयार किया है। यह टूल एक आम ईसीजी से ही यह तय कर सकता है कि मरीज को अल्ट्रासाउंड यानी इकोकार्डियोग्राफी की जरूरत है या नहीं।इससे उन मरीजों को फायदा मिलेगा, जिन्हें समय पर जांच नहीं मिल पाती। एक अध्ययन के मुताबिक, इकोनेक्स्ट उन बीमारियों की पहचान कर सकता है जिन्हें डॉक्टर सामान्य ईसीजी रिपोर्ट देखकर नहीं पकड़ पाते। शोध में इस टूल को करीब 2.3 लाख मरीजों के 12 लाख से ज्यादा ईसीजी और इकोकार्डियोग्राम डेटा के साथ जांचा गया। परिणामों में पाया गया कि इकोनेक्स्ट दिल की बनावट से जुड़ी कई बीमारियों जैसे हार्ट फेल्योर, वॉल्व की खराबी और फेफड़ों में ब्लड प्रेशर की समस्या को सफलतापूर्वक पकड़ सकता है। खास बात यह रही कि 3,200 ईसीजी रिपोर्ट्स की तुलना में इकोनेक्स्ट ने 77 प्रतिशत मामलों में बीमारियों की सटीक पहचान की, जो 13 अनुभवी कार्डियोलॉजिस्ट से भी बेहतर रही।शोधकर्ता प्रोफेसर पियरे एलियास का कहना है कि जैसे कोलोनोस्कोपी और मैमोग्राम कुछ बीमारियों की स्क्रीनिंग के लिए स्टैंडर्ड बन चुके हैं, वैसे ही यह टूल हार्ट डिजीज की जांच में क्रांति ला सकता है। भारत जैसे देशों में जहां महंगे मेडिकल टेस्ट हर किसी की पहुंच में नहीं हैं, ऐसे एआई टूल से दिल की बीमारियों की समय रहते जांच संभव हो सकती है।

इजराइल सेना ने दी मध्य गाजा में निकासी की चेतावनियां, खाली कराना चाह रहा पूरा क्षेत्र

गाजा,(ईएमएस)। गाजा के लोगों को अलग शिफ्ट करने का प्रस्ताव लिए इजराइली पीएम अब इस इलाके को पूरी तरह खाली करना चाह रहा हैं इसलिए इजराइल की सेना ने रविवार को गाजा पट्टी के मध्य क्षेत्र में नई निकासी चेतावनियां जारी की। यह वही क्षेत्र है जहां अब तक जमीन पर इजराइली सेना की गतिविधियां बहुत कम रही हैं। इस आदेश के बाद दीर अल-बलाह शहर और गाजा के दक्षिणी हिस्से –रफ़ा और खान यूनुस के बीच संपर्क कट सकता है। यह चेतावनी ऐसे समय में दी गई है जब कतर में इजराइल और हमास के बीच सीजफायर की वार्ता चल रही है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों का कहना है कि अब तक कोई सफलता नहीं मिल पाई है।इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कई बार कहा है कि गाजा में सैन्य दबाव बढ़ाने से हमास पर समझौते के लिए दबाव बनेगा। ये उसी ढर्रे का एक हिस्सा लग रहा है, जिस क्षेत्र में निकासी का आदेश दिया गया है, वहीं कई अंतरराष्ट्रीय सहायता संगठन भी काम कर रहे हैं। इन संगठनों ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इजराइली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि सेना इस क्षेत्र में तेज और गंभीर हमले करने वाली है। उन्होंने स्थानीय लोगों, खासतौर पर टेंटों में रह रहे लोगों से कहा कि वे गाजा के दक्षिणी तट पर स्थित मुवासी इलाके की ओर चले जाएं, जिसे इजराइल ने मानवीय क्षेत्र घोषित किया है।गाजा की 20 लाख से ज्यादा आबादी इस समय भीषण मानवीय संकट झेल रही है। बता दें 7 अक्टूबर 2023 को हमास के चरमपंथियों ने दक्षिणी इजराइल में हमला कर करीब 1200 लोगों की हत्या की थी और 251 लोगों को बंधक बना लिया था। इनमें से अब केवल 50 बंधक बचे हैं, जिनमें से आधे से भी कम के जीवित होने की संभावना जताई गई है। इस हमले के जवाब में इजराइली सेना का अभियान शुरू हुआ, जिसमें गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 58 हजार से ज्यादा फिलीस्तीनी मारे गए हैं।

अर्शदीप चौथे टेस्ट से बाहर हुए

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह बाहर हो गये हैं। अर्शदीप को अभ्यास सत्र में चोट लग गयी थी। इसके अलावा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी भी चोटिल होने के कारण सीरीज से ही बाहर हो गये हैं। चोटिल खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बीसीसीआई की परेशानी भी बढ़ गयी है। बीसीसीआई के अनुसार नीतीश कुमार रेड्डी पूरी सीरीज से जबकि अर्शदीप सिंह चौथे टेस्ट से ही बाहर हैं। रेड्डी के घुटने में चोट लगी है जबकि अर्शदीप सिंह का हाथ अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गया था। इसी कारण युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को भारतीय दल में शामिल किया गया है। इसके अलावा उपकप्तान ऋषभ पंत और आकाशदीप भी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हैं। बीसीसीआई के अनुसार, "नितीश बचे हुए दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। साथ ही कहा कि वह स्वदेश लौट जाएँगे और टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। अर्शदीप मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। बेकेनहैम में एक ट्रेनिंग सेशन के दौरान नेट्स पर गेंदबाजी करते समय उनके बाएं अंगूठे में चोट लग गई थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम अभी उनकी निगरानी कर रही है। इसी कारण अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया है। कंबोज मैनचेस्टर में टीम से जुड़े हैं। वहीं मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है।

चौथे टेस्ट से पहले नितीश भी हुए चोटिल शार्दुल या कंबोज को मिल सकती है जगह

मैनचेस्टर (ईएमएस)। इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई से शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले खिलाड़ियों के चोटिल होने की संख्या बढ़ने से भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इसमें उपकप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के अलावा तेज गेंदबाज आकाश दीप सिंह और अर्शदीप सिंह शामिल हैं। वहीं अब चोटिल खिलाड़ियों में ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी भी शामिल हो गये हैं। ऐसे में अब नितीश की जगह अब अंतिम ग्यारह में किसे जगह मिलेगी ये अभी तय नहीं हुआ है।

भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से पीछे है। ऐसे में बदलाव की भी जरुरत है। नितीश के विकल्प के तौर पर अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को जगह मिल सकती है। शार्दुल का प्रदर्शन हालांकि इस सीरीज में अच्छा नहीं रहा है। हेडिंग्ले में पहले टेस्ट में वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी में विफल रहे। एक अन्य विकल्प अंशुल कंबोज जिन्हें टीम में कवर के तौर पर शामिल किया गया है। उन्होंने हाल ही में भारत ए की ओर से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी की थी। वहीं दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज आकाश दीप भी कमर में दर्द के कारण शायद ही इस मैच में खेल सकें। ऐसे में भारत को अंशुल और प्रसिद्ध कृष्णा दोनों को शामिल करना पड़ सकता है। अंशुल और शार्दुल का संयोजन गेंदबाजी में थोड़ा कमजोर हो सकता है। वहीं तीसरा विकल्प यह है कि नितीश के लिए जुरेल और आकाश दीप के लिए कंबोज को शामिल किया जाये।

पाक कोच ने पहले टी20 में हार के बाद पिच पर उठाये सवाल

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश ने यहां हुए पहले ही टी20 मैच में पाकिस्तान को हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है हालांकि इस हार का ठीकरा पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच माइक हेसन ने पिच पर फोड़ दिया। हेसन ने कहा कि ये पिच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्तर की नहीं थी। इस मैच में पाकिस्तान की टीम 109 रन ही बना पाये और बांग्लादेश की टीम ने ये लक्ष्य 15.3 ओवर में ही तीन विकेट खोकर बड़े आराम से हासिल कर लिया। इस प्रकार उसने पाकिस्तान पर पहले टी20 में 7 विकेट से जीत हासिल कर ली। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और फखर जमान 44 रनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज मैदान पर टिक नहीं पाया।

हेसन ने कहा, यह पिच किसी भी मैच के लिए भी सही नहीं है। टीमें एशिया कप या टी20 विश्व कप की तैयारी कर रही हैं और उनके लिए इस प्रकार की पिच पर खेलना ठीक नहीं है। यह पिच अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नहीं मानी जा सकती है। मुख्य कोच ने कहा कि ऐसी पिचों पर खेलने से बांग्लादेशी टीम को विदेशी धरती पर कोई लाभ नहीं बल्कि नुकसान ही होगा। उन्होंने साथ ही कहा, क्रिकेटरों को निखारने के लिए अच्छे विकेटों की जरूरत होती है। बीपीएल के दौरान कुछ अच्छे विकेट थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्तर को देखा जाये तो ये विकेट उतने अच्छे नहीं हैं। मुझे नहीं लगता कि

टूर डी फ्रांस साइकिल रेस में यूएई की टीम इमीरेटस के टिम वेलेन उत्साहित होकर आगे निकलते हुए।

रिंकू की मंगेतर प्रिया खेतों में काम करती नजर आयीं

जौनपुर (ईएमएस)। भारतीय टीम के क्रिकेटर रिंकू सिंह की मंगेतर और सपा सांसद प्रिया सरोज जमीन से जुड़ी नेता हैं। उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी साझा हुई हैं। इसमें वह अपने क्षेत्र की महिलाओं के साथ पानी से भरे खेतों में काम करती दिखीं। वीडियो में प्रिया पानी भरे खेत में धान की रोपाई करती नजर आ रही है। रिंकू से सगाई की बाद से ही प्रिया चर्चाओं में रही हैं। प्रिया सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। उन्होंने सगाई की भी तस्वीरों को साझा किया था। वहीं अब प्रिया ने खेती करते हुए का एक वीडियो साझा किया है। उनके ये वीडियो जमकर वायरल भी हो रहा है। लोगों ने उनकी सादगी की सराहना की है। हाल ही में रिंकू और सांसद प्रिया की सगाई लखनऊ में हुई थी जिसमें खेल और राजनीति जगत के दिग्गज भी शामिल हुए थे। रिंकू और प्रिया की शादी की पहले दिसंबर में वाराणसी में होने वाली थी पर रिंकू के व्यस्त क्रिकेट मैच के कार्यक्रम को देखते हुए शादी की तारीख आगे बढ़ा दी गई। रिंकू जहां एक मध्यवर्गीय परिवार से आते हैं और अपनी मेहनत के बल पर भारतीय टीम तक पहुंचे हैं। वहीं प्रिया एक राजनीतिक परिवार से आती हैं।

कैमरून और मिचेल के अर्धशतकों से ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी20 में वेस्टइंडीज को हराया

सीरीज में 1-0 की बढ़त ली

जमैका (ईएमएस)। कैमरून ग्रीन और मिचेल ओवन के अर्धशतकों की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को जमैका में खेले गए पहले टी20 क्रिकेट मैच में तीन विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीत मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज की टीम ने पहले खेलते हुए आठ विकेट पर 189 रन बनाए। इससे बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 18.5 ओवरों सात विकेट खोकर हासिल कर लिया।

कैमरून ग्रीन ने 26 गेंदों में 51 रन जबकि मिचेल ओवन ने 27 गेंदों में 50 रन बनाये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 32 रनों पर ही सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग का विकेट गिर गया। इसके बाद कप्तान शाई होप ने रोस्टन चेज के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 91 रन बनाये। रोस्टन ने 32 गेंदों में दो छक्कों और नौ चौकों के साथ 60 रन बनाये जबकि शाई होप ने तीन छक्कों और चार चौकों के साथ 55 रन बनाये। इनके अलावा शिमरोन हेटमायर ने 38 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेन ड्वारशुइस ने सबसे अधिक चार विकेट लिए। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीमी भी लड़खड़ा गयी पर कैमरून ने मिचेल ओवन के साथ पांचवें विकेट के लिए 80 रन बनाकर टीम को जीत की राह पर ला दिया। कैमरून ने 26 गेंदों में पांच छक्के और दो चौके लगाकर 51 रन बनाये। वहीं मिचेल ने 27 गेंदों में छह छक्कों की सहायता से 50 रन बनाये। वेस्टइंडीज की ओर से जेसन होल्डर, अल्जारी जोसेफ और गुडाकेश मोती ने दो-दो विकेट जबकि अकील हुसैन ने एक विकेट लिया।

मैनचैस्टर में अपने 9000 रन पूरे कर सकते हैं राहुल

मैनचेस्टर (ईएमएस)। भारतीय टीम के बल्लेबाज के एल राहुल इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई से मैनचेस्टर में होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। राहुल इस मैच में अपने 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर सकते हैं। उन्हें इसके लिए केवल 60 रनों की जरुरत है। अपने अब तक के अंतरराष्ट्रीय करियर में राहुल ने 218 मैचों की 254 पारियों में 39.73 की औसत से 19 शतकों और 58 अर्द्धशतकों के साथ 8,940 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रन रहा है। वे सर्वकालिक सूची में भारत के लिए 16वें सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अपनी शानदार तकनीक और बल्लेबाजी के बाद भी वह टेस्ट क्रिकेट में अधिक सफल नहीं रहे हैं। उन्होंने 61 मैचों और 107 पारियों में 35.26 की औसत से 3,632 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रहा है।

उनके प्रदर्शन में हालांकि निरंतरता की कमी की बात की जाती रही है। इससे उनका बल्लेबाजी औसत भी उतना आगे नहीं आया जितना कि आना चाहिये। राहुल ने भी अपने बल्लेबाजी औसत को देखकर उन्हें निराशा होती है। । टेस्ट की जगह वह एकदिवसीय मैचों में कहीं अधिक सफल रहे हैं, जहां उन्होंने 85 मैचों और 79 पारियों में 49.08 की औसत और 88.17 की स्ट्राइक रेट से 3,043 रन बनाए हैं, जिसमें 7 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं। वहीं टी20 में वह चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। राहुल ने 72 मैचों और 68 पारियों में 37.75 की औसत और लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से 2,265 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और 22 अर्द्धशतक शामिल हैं। इस सीरीज में अबतक इस बल्लेबाज ने तीन मैचों और छह पारियों में 62.50 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें 137 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर, दो शतक और एक अर्द्धशतक शामिल है। वह सीरीज में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों की 24 पारियों में उन्होंने 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है।अपने फॉर्म में उतार-चढ़ाव के बाद भी वह एशिया के बाहर वह काफी सफल रहे हैं, उनके दस में से नौ टेस्ट शतक विदेशी धरती पर हैं। सबसे अहम बात यह है कि उन्होंने 7 टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों के खिलाफ लगाये हैं। अब दो मैच शेष रहते हुए उनके पास इस सीरीज में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर है।

भारत में एशिया कप हॉकी के लिए टीम नहीं भेजना चाहते : पीएचएफ

लाहौर (ईएमएस)। भारत में अगले माह होने वाले एशिया कप हॉकी में पाकिस्तान के शामिल होने पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। वहीं इसी बीच पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने कहा है कि वह सुरक्षा कारणों से वह अगले माह भारत में होने वाले एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजना चाहता है। पीएचएफ के प्रमुख तारिक बुगती ने कहा है कि उन्होंने इस मामले में एक पत्र भी भेज दिया है। उन्होंने कहा, ''हमने कहा भारत में खेलते समय हमें खतरा है। हमने साफ कर दिया है कि खिलाड़ी एशिया कप

के लिए भारत जाने तैयार नहीं हैं।''गौरतब है कि एशिया कप विश्व कप के लिए एक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है। पीएचएफ प्रमुख ने कहा कि अब इस प्रतियोगिता और पाकिस्तान के मैचों के बारे में फैसला लेने की जिम्मेदारी एफआईएच और एएचएफ पर है। हमारे खिलाड़ी भारत में सुरक्षित रहेंगे और टूर्नामेंट पर ध्यान दे पायेंगे ये सबसे कठिन रहेगा।'' वहीं पाक सरकार ने अभी तक इसपर कोई फैसला नहीं लिया है। हाल ही में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था कि टीम भारत दौरे पर नहीं जाएगी।

मैच नहीं होने से भड़के अफरीदी, बोले एक सड़े अंडे ने सब बेकार किया

लंदन (ईएमएस)। अपने विवादास्पद बयानों के लिए हमेशा ही चर्चाओं में रहने वाले पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने भारतीय खिलाड़ियों के चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खेलने से इंकार करने के बाद एक बार फिर जहर उगला है। भारत से मैच नहीं होने पर अफरीदी ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि एक खिलाड़ी के कारण ही ये सब हुआ है। साथ ही इस खिलाड़ी को सड़ा अंडा तक बोल दिया पर किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया। अफरीदी ने कहा, खेल देशों को करीब लाते हैं। अगर राजनीति हर चीज के बीच आ जाए, तो आप आगे कैसे बढ़ेंगे? बिना बातचीत के, चीजें हल नहीं हो सकतीं। इस तरह के आयोजनों का लक्ष्य भी एक-दूसरे से मिलना-जुलना है पर एक खिलाड़ी ने सब बेकार कर दिया। अफरीदी ने साथ ही कहा, उन्होंने मैच से एक दिन पहले ही ट्रेनिंग की थी। मुझे लगता है कि उन्हें केवल एक खिलाड़ी की वजह से मैच से नाम वापस लेना पड़ा है। भारतीय टीम भी बहुत निराश है। वे यहां खेलने आए थे। गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही लोग

इस प्रकार के मैच के खिलाफ थे। ऐसे में लोगों की भावनाओं की अनदेखी खिलाड़ी भी नहीं कर पाये।

शमी अगले सत्र में बंगाल से खेलकर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे

कोलकाता (ईएमएस)। फिट नहीं होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब अगले सत्र में पश्चिम बंगाल टीम से खेल सकते हैं। शमी को इस सत्र के 50 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है। वह 28 अगस्त से शुरु होने वाली दलीप ट्रॉफी में भी पूर्व जोन की ओर से खेल सकते हैं। इससे शमी की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी होगी। उन्होंने टखने की सर्जरी के बाद भारतीय टीम के अंतिम बार 2025 की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था।चैंपियंस ट्रॉफी में शमी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा ओर उन्होंने पांच मैचों में नौ विकेट लिए थे। इसके बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शमी की नई टीम सनराइजर्स हैदराबाद छठे स्थान पर रही थी।

रियाद में इसपोर्टस विश्वकप में जीत के बाद उत्साहित टीम जेन जी के खिलाड़ी ट्रॉफी के साथ जश्न उत्साहित होते हुए।

मैनचेस्ट युनाइटेड के खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलते दिखे भारतीय क्रिकेटर

लंदन (ईएमएस)। कप्तान शुभमन गिल सहित कई अन्य भारतीय क्रिकेटर मैनचेस्टर में 23 जुलाई बुधवार से शुरु होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले फुटबॉल खेलते नजर आये। इस मैच से पहले भारतीय खिलाड़ियों की मुलाकात मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के खिलाड़ियों से हुई। ऐसे में कई भारतीय खिलाड़ी क्लब की जर्सी पहनकर खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलने लगे। वहीं इस दौरान तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज एक फुटबॉलर को गेंदबाजी करते दिखे। भारतीय क्रिके बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के फुटबॉल की जर्सी पहने की तस्वीरें भी अपने सोशल मीडिया पर जारी की है। इसमें टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी नजर आ रहे हैं। वहीं कुछ तस्वीरों में शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी रेड डेविल्स के साथ फुटबॉल खेलते दिख रहे हैं। वहीं सिराज पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड कप्तान और स्टार डिफेंडर हैरी मैगुइरे को गेंदबाजी करते दिखे। मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ी प्री-सीजन के लिए आये थे और इसी दौरान उनकी मुलाकात भारतीय क्रिकेटरों से हुई। कई तस्वीरों में शुभमन को फुटबॉलर ब्रूनो फर्नांडीस के साथ, सिराज को अमद डायलो के साथ, जसप्रीत बुमराह को मेसन माउंट और हैरी मैग्वायर के साथ बातचीत करते हुए देखा गया जबकि गंभीर रेड डेविल्स के मैनेजर रूबेन अमोरिम के साथ तस्वीर खिंचवाते हुए दिखे। भारतीय टीम अभी इस सीरीज में 1-2 से पीछे है और उसका लक्ष्य किसी भी प्रकार से चौथा टेस्ट जीतना है।

बुमराह के खेलने का फैसला उनपर ही छोड़ दें : रैना

बर्मिंघम (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। रैना के अनुसार बुमराह एक महान गेंदबाज है। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए मैचों में खेलने का फैसला हमें उनपर ही छोड़ देना चाहिये। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही इस सीरीज में केवल तीन मैच खेलने हैं। ऐसे में उनके चौथे टेस्ट में खेलने पर संशय छाया हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि चौथे टेस्ट में इस तेज गेंदबाज का खेलना डॉक्टर की सलाह पर अधारित रहेगा क्योंकि इससे पहले उनकी पीठ की सर्जर हुई थी। वहीं कुछ क्रिकेटरों का से भी मानना है कि भारतीय टीम इस सीरीज में पिछड़ रही है। इसलिए बुमराह को बचे हुए मैचों में खेलना चाहिये। जिससे कि भारतीय टीम ये सीरीज जीत सके। रैना यहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में हिस्सा लेने के लिए आये हैं। इसी दौरान रैना ने बुमराह के चौथे टेस्ट में खेलने के बारे में कहा, इसका फैसला डॉक्टर लेगा। मैं अपने शरीर को जानता हूं। मैं अपने डॉक्टर को जानता हूं। मुझे पता है कि वह मुझे क्या दिशानिर्देश दे रहे हैं, कैसे खेलना है। उन्होंने साथ ही कहा, बुमराह अपने शरीर को जानते हैं। वह अपने कार्यभार को जानते हैं कि कैसे अपने को बेहतर बनाये रखना है। रैना ने कहा कि बुमराह के लिए थोड़ा आराम जरूरी है क्योंकि वह इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद लंबे समय तक चोटिल रहने के बाद टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं हालांकि अगले टेस्ट में टीम प्रबंधन उन्हें टीम में रखना चाहेगा। उन्होंने आगे कहा, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की उंगली में भी चोट लगी है। इसलिए दोनों के लिए चौथा टेस्ट खेलना बहुत जरूरी है। अगर उन्हें सीरीज ड्रॉ करनी है या टीम को जीत दिलानी है, तो मुझे लगता है कि दोनों का चौथे टेस्ट में खेलना बहुत जरूरी होगा। अब तक इस दौर में दो टेस्ट मैचों में बुमराह ने 21.00 की औसत से 12 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार एक पारी में 5 विकेट भी शामिल हैं और वह अब तक दूसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। बुमराह पिछले दो साल में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्होंने 2024 के टी20 विश्व कप में 8.26 की औसत से 15 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता, वहीं बॉर्डर गावस्कर सीरीज में में 32 विकेट लिए।

टेस्ट मैचों में गेंदें जल्दी खो रही हैं अपना आकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच मौजूदा टेस्ट सीरीज में अंपायरों को कई बार गेंद की शेप जांचते हुए देखा गया, खासकर 'रिंग टेस्ट' करते हुए। इसके मायने यह है कि गेंदें जल्दी अपना आकार खो रही हैं। ऐसे में सभी के मन में सवाल उठता है कि जब गेंद बदलनी होती है तो रिप्लेसमेंट गेंदें आती कहां से हैं, उन्हें कैसे परखा जाता है और इस्तेमाल में कैसे लाया जाता है? हर टेस्ट मैच से पहले मेजबान राज्य या काउंटी एसोसिएशन चौथे अंपायर को अपने स्टेडियम में खेले गए फर्स्ट-क्लास मैचों में इस्तेमाल की गई पुरानी गेंदें देता है। उदाहरण के लिए, वानखेड़े में मैच हो तो मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन, और ओल्ड ट्रैफर्ड में हो तो लंकाशायर ये गेंदें देता है। इन गेंदों को एक खास गेज या माप उपकरण से परखा जाता है। अगर गेंद एक रिंग से निकल जाती है लेकिन दूसरी से नहीं, तो उसे बॉल लाइब्रेरी में रखने योग्य माना जाता है। वहीं से रिप्लेसमेंट गेंदें मैच के दौरान ली जाती हैं। भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में आमतौर पर करीब 20 रिप्लेसमेंट बॉल्स रखी जाती हैं, लेकिन कुछ देशों में ये संख्या कम भी हो सकती है। अगर जरूरत से ज्यादा गेंदें खराब हो जाएं, तो चौथा अंपायर नई गेंदों के लिए एसोसिएशन से और गेंदें मंगवा सकता है। कभी-कभी टीमों से उनके नेट्स में इस्तेमाल हुई गेंदें भी ली जाती हैं, जिन्हें जांच के बाद रिप्लेसमेंट के लिए चुना जाता है। गेंदों की रिप्लेसमेंट में यह जरूरी नहीं होता कि नई गेंद उतने ही ओवर पुरानी हो जितनी पिछली थी। हरे मैदान पर 60 ओवर तक चली गेंद को सूखे मैदान की 30 ओवर पुरानी गेंद के बदले इस्तेमाल किया जा सकता है, बशर्ते उसकी गुणवत्ता ठीक हो। लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि रिप्लेसमेंट गेंद बिल्कुल वैसी नहीं होती जैसी खराब हुई हो। अंपायर केवल उसके सबसे करीबी विकल्प को ही चुन सकते हैं, जिससे कभी-कभी टीमें असंतुष्ट भी होती हैं। गेंद तभी बदली जाती है जब उसका आकार बिगड़ जाए, गीली हो जाए या उस पर साफ चोट हो। सिर्फ नरम होने पर उसे बदला नहीं जाता।

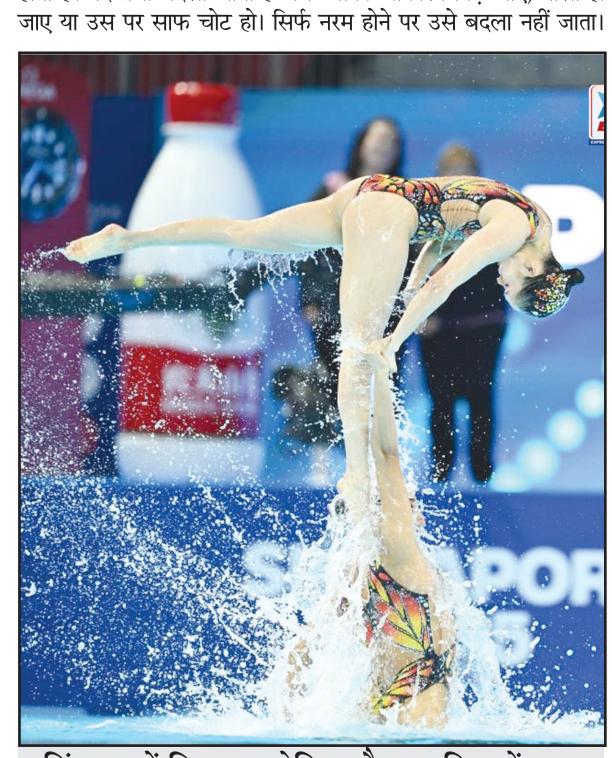

सिंगापुर में विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में भाग लेती हुई टीम मेक्सिको।

सचिन के साथ अपना नाम देखकर सम्मानित अनुभव कर रहा : एंडरसन

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के साथ ट्रॉफी पर अपना नाम देखकर उन्हें एक अलग ही अहसास हो रहा है। इससे वह सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व के सार्वकालिक महानतम क्रिकेटरों में से एक के साथ अपना नाम देखकर उन्हें गर्व का अनुभव भी हो रहा है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस सीरीज के शुरु होने से पहले इसका नाम पटौदी सीरीज से बदलकर एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी रख दिया था हालांकि इस पर कुछ क्रिकेटरों ने आपत्ति भी जतायी थी और कहा था कि नाम बदलना सही नहीं है। इसके अलावा से भी कहा गया था इसमें सचिन का नाम पहले रखा जाना चाहिये थे पर ईसीबी ने एंडरसन का नाम पहले कर दिया।

पटौदी ट्रॉफी भारत के पूर्व क्रिकेटर इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर थी। एंडरसन ने कहा, 'यह जरूरी नहीं कि आपके नाम पर ट्रॉफी का होना कितना बड़ा है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि आपके नाम के साथ सचिन तेंदुलकर का नाम जुड़ाहै, जो मेरे लिए अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक हैं। उन्होंने कहा, 'मैं ट्रॉफी पर अपने साथ उनका नाम देखता हूं तो मुझे अजीब सा लगता है क्योंकि मैं उनका काफी सम्मान करता हूं। मैने बचपन से उन्हें देखा है और उनके खिलाफ खेला है। वह इतने महान क्रिकेटर रहे हैं जिन्होंने अपनी टीम और पूरे देश की उम्मीदों का बोझ अपने पूरे कैरियर में उठाया है। उनके साथ इस तरह से ट्रॉफी साझा करना बहुत बड़ी बात है। गौरतब है कि अपने करियर में तेंदुलकर ने 200 जबकि एंडरसन ने 188 टेस्ट खेले हैं। पिछले साल क्रिकेट को अलविदा कहने वाले एंडरसन ने 704 विकेट लिए हैं। वहीं दो दशक के करियर में सचिन के नाम 51 टेस्ट शतक और 15000 से अधिक रन है।

सेल ने ज़ोजिला सुरंग परियोजना में 31,000 टन से अधिक स्टील की

आपूर्ति करके, राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को और मज़बूत किया

भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक महारत्न कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), ज़ोजिला सुरंग परियोजना के लिए सबसे ज़्यादा स्टील आपूर्ति करने वाली कंपनी बनकर उभरी है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना, जो अभी निर्माणाधीन है, भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग और एशिया की सबसे लंबी दो-तरफ़ा सुरंग बनने के लिए तैयार है. सेल, "ज़ोजिला सुरंग परियोजना" में एक बेहद ज़रूरी पार्टनर है. सेल ने इस परियोजना में 31,000 टन से ज़्यादा स्टील दिया है, जिसमें टीएमटी री-बार, स्ट्रक्चरल स्टील और प्लेट्स शामिल हैं. यह प्रोजेक्ट के 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है, और सेल लगातार स्टील सप्लाई कर रहा है, जो कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है. ज़ोजिला सुरंग जैसी बड़ी परियोजनाओं में सेल का योगदान देश के निर्माण में उसकी भूमिका को और मजबूत करता है. ज़ोजिला सुरंग जैसी मेगा-परियोजनाएं सेल स्टील की गुणवत्ता और मजबूती पर हमेशा से भरोसा करती आई हैं, जो कंपनी की गुणवत्ता के प्रति समर्पण और भारत के भविष्य को आकार देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का प्रमाण है.ज़ोजिला सुरंग 11,578 फीट की ऊँचाई पर, हिमालय के मुश्किल पहाड़ों में बनाई जा रही है। यह 30 किलोमीटर से भी अधिक लंबी सुरंग है. यह द्रास और कारगिल होते हुए, श्रीनगर और लेह के बीच, पूरे साल आवाजाही को आसान बनाएगी.यह सुरंग भारत के राष्ट्रीय अवसंरचना विकास, विशेष रूप से श्रीनगर-कारगिल-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग, का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे इस इलाके में आम लोगों और सेना दोनों के लिए आना-जाना बहुत आसान हो जाएगा.यह परियोजना केवल एक रणनीतिक ढांचागत सुविधा ही नहीं है, बल्कि इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा आर्थिक अवसर भी है. सेल की ज़ोजिला सुरंग के लिए स्टील की आपूर्ति, भारत की कई और प्रतिष्ठित ढांचागत परियोजनाओं, जैसे चिनाब रेलवे पुल, अटल सुरंग, बांद्रा-वर्ली सी लिंक, ढोला सादिया और बोगीबील पुलों को बनाने में योगदान देने की कंपनी की लंबी विरासत को और मज़बूत करता है.

बीएसएल द्वारा सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत 25 लाख की राशि प्रदान की गई

बीएसएल द्वारा बोकारो स्टील सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत बीएसएल के एक नियमित कर्मचारी स्वर्गीय मुकेश कुमार की पत्नी को 25 लाख रूपये बीमा की राशि तथा एम्बुलेंस एवं अंतिम संस्कार खर्च के लिए 25 हज़ार रुपये प्रदान किया गया. इस मौके पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन-संकार्य) श्री नरेंद्र कुमार झा,वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन- अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) सह सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना प्रबन्ध समिति की सचिव श्रीमती कल्पना इत्यादि उपास्थि थे.

स्वर्गीय मुकेश कुमार ने दिनांक 02'अगस्त 2016 को बीएसएल ज्वाइन किया था तथा एक दुर्घटना में इनकी मृत्यु दिनांक 25'दिसम्बर 2024 को हो गई थी. स्वर्गीय मुकेश कुमार अपने परिवार के अकेले नौकरी करने वाले सदस्य थे तथा आकस्मिक दुर्घटना में मृत्यु के पश्चात, उनके परिवार को न केवल मानसिक सदमा पहुँचा, बल्कि उन्हें आर्थिक कठिनाई का सामना भी करना पड़ा. बीएसएल में बोकारो स्टील सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत बीमीत सदस्य या उनके आश्रितों को दुर्घटना के कारण मृत्यु या पूर्ण स्थायी अशक्तता के मामले में बीमा राशि रूपये 25,00,000/- तथा एम्बुलेंस एवं अंतिम संस्कार खर्च के लिए 25 हज़ार रुपये बीमा कम्पनी द्वारा भुगतान की व्यवस्था है. स्वर्गीय मुकेश कुमार इस योजना के सदस्य थे एवं उन्होंने "ऑप्ट आउट" नहीं किया था, अतः स्वर्गीय मुकेश कुमार की पत्नी को बोकारो स्टील सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत उपरोक्त धन राशि प्रदान की गई. समिति के अध्यक्ष ने एक बार पुनः सभी कर्मचारियों से इस योजना का सदस्य बनने की अपील की है ताकि उन्हें इसका लाभ मिल सके.

जमुआ चौक पर झपटमारी कर भाग रहे बाइक सवार दो अपराधियों को पुलिस ने दबोचा

कई मोबाइल और नकदी बरामद, बोकारो जिला के सुरही के रहने वाले है दोनों अपराधी

गिरिडीह। जमुआ चौक पर रविवार की शाम को झपटमारी की घटना को अंजाम देकर भाग रहे दो अपराधियों को स्थानीय लोगों के सहयोग से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद पुलिस ने दोनों अपराधियों से पूछताछ कर उनके कब्जे से कई चोरी के मोबाइल फोन और नकदी बरामद की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हिरोडीह के रहने वाले पवन कुमार साहू फल खरीद रहे थे, तभी मोटरसाइकिल संख्या जेएच 11 एयू 7824 पर सवार दो युवक मौके पर पहुंचे और पवन साहू के हाथ से झपट्टा मार कर दो हजार रुपये नकद और ओपो ए 54 स्मार्टफोन लेकर भाग निकले। शोर सुनकर स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाई और पुलिस के सहयोग से पीछा करते हुए जमुआ प्रखंड मुख्यालय के पास दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान गंगा कुमार और विष्णु विश्वकर्मा के रूप हुई। दोनों बोकारो जिला के नावाडीह थाना क्षेत्र के सुरही के रहने वाले है।

तलाशी के दौरान दोनों के पास से पवन साहू से झपटे गए नकद दो हजार व मोबाइल के अलावे अन्य झपटमारी से सात हजार चार सौ बरामद किए गए। मामले में एसपी डॉ विमल कुमार के निर्देश पर खोरीमहुआ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। पूछताछ में दोनों अपराधियों ने कई अन्य झपटमारी की घटनाओं को भी स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर ग्राम जगनाथडीह स्थित एक किराए के कमरे से विभिन्न कंपनियों के 5 स्मार्टफोन बरामद किए गए। गठित टीम में जमुआ थाना प्रभारी मणिकान्त कुमार, स०अ०नि० सुमित कुमार सिंह, वेद प्रकाश पाण्डेय, दान्दु राम हेम्ब्रम सहित अन्य पुलिस बल शामिल थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में अनटाइड फंड, विशेष केंद्रीय सहायता

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्टसे संबंधित बैठक संपन्न, दिए गए जरूरी दिशा-निर्देश

उपायुक्त ने जिला अंतर्गत अनटाइड फंड, विशेष केंद्रीय सहायता , डीएमएफटी के तहत कार्यान्वित योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जमीनी स्तर पर कार्य करने का दिया निदेश

गिरिडीह, उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, श्री रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में विशेष केंद्रीय सहायता, डीएमएफटी व अनटाइड फंड से संबंधित बैठक की। इस दौरान उपायुक्त ने डीएमएफटी द्वारा क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं के तहत किये जा रहे कार्यो के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया कि सारे कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय से पूर्ण करायें। आगे उपायुक्त ने अबतक चयनित योजनाओं के साथ-साथ उनकी कार्य प्रगति की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निदेश दिया कि निर्माणाधीन कार्यों को अविलंब पूर्ण कराएं, ताकि सारे कार्यो का जिला स्तर से निरीक्षण किया जा सके। इसके उपरांत उपायुक्त ने अनटाइड फंड के तहत संचालित योजनाओं की बारी-बारी समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से योजनाओं के क्रियान्वयन करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में उपायुक्त ने शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी केंद्रों और पुल पुलिया को लेकर प्राथमिकता के साथ कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता और तत्परता के साथ करें। इसके अलावा उन्होंने विशेष केंद्रीय सहायता और जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) के तहत संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन को सुनियोजित तरीके से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि DMFT मद का इस्तेमाल स्वास्थ्य, शिक्षा समेत अन्य क्षेत्रों में प्राथमिकता के साथ किया जाएगा। साथ ही उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए विकास योजनाओं के कार्यों पारदर्शिता लाने तथा गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के तहत प्रभावित क्षेत्रों के बेहतर विकास हेतु जितने भी योजनाओं का चयन किया जाता है सभी का चयन पारदर्शी तरीके से किया जाय, ताकि खनिज प्रभावित उन क्षेत्रों में वहा के परिवेश के अनुसार योजनाओं का चयन किया जाय एवम सही विकास हो सके। आगे उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निदेशित करते हुए कहा कि डीएमएफटी की राशि को प्राथमिकता के साथ खर्च किया जाय। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों यथा- पेजलापूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट, महिला शिक्षा आदि पर खर्च किया जाय। साथ ही योजनाओं का चयन पारदर्शी तरीके से ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों के सहयोग से किया जाय। बैठक में उपरोक्त के अलावे उप विकास आयुक्त, कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल 1/2, कार्यपालक अभियंता, ग्रामणी कार्य विभाग, योजना विभाग के अधिकारी समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने के कारण हेमलाल सोरेन की मौत

गिरिडीह। गिरिडीह-टुंडी रोड स्थित अहिल्यापुर मोड़ के पास सोमवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से ताराटांड़ थाना क्षेत्र के मंझलीटांड़ निवासी 40 वर्षीय हेमलाल सोरेन की मौत हो गई। बताया जाता है कि हेमलाल सोरेन के किसी दोस्त ने फोन कर मिलने के लिए बुलाया था, उसी से मिलने वह निकला था। मृतक के छोटे भाई रामलाल सोरेन की माने तो अज्ञात वाहन के टक्कर के बाद हेमलाल सड़क पर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलने पर सभी परिजन मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में सड़क पर गिरे हेमलाल सोरेन को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे, लेकिन अस्पताल पहुंचने के बाद चिकित्सकों ने हमेलाल को मृत धोषित कर दिया। इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही नगर थाना पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल

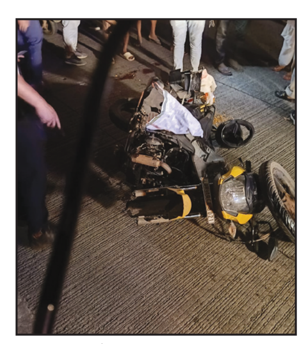

राजगंजः सोमवार रात करीब 7:15 बजे राजगंज थाना क्षेत्र के खरणी मोड़ स्थित बीएड कॉलेज और साबुन फैक्ट्री के समीप सर्विस रोड पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक ट्रैक्टर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार मटन प्रसाद साव (उम्र 52 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल व्यक्ति की पहचान मधु गोड़ा गांव टोला मझलाडी, थाना बरवाअड्डा निवासी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर की चपेट में आने से उनका दाहिना पैर बुरी तरह जख्मी हो गया — पैर की हड्डी और मांस तक बाहर निकल गए। स्थिति अत्यंत नाजुक बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही राजगंज पुलिस मौके पर पहुंची और तत्परता दिखाते हुए घायल को इलाज के लिए धनबाद के एसएनएमसीएच अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और ट्रैक्टर चालक की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

डीएसपी के पद पर नव प्रोन्नत 2 पदाधिकारियों को लगाया गया बैज

एसएसपी ने दी उन्नत कार्यकाल की शुभकामनाएं

धनबाद, पुलिस इंस्पेक्टर से डीएसपी के पद पर नव प्रोन्नत दो पुलिस पदाधिकारियों के लिए सोमवार को समाहरणालय परिसर स्थित पुलिस कार्यालय सभाकक्ष में पिपिंग सेरेमनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वरीय पुलिस अधीक्षक, प्रभात कुमार की मौजूदगी में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर नव प्रोन्नत, राजेश प्रकाश सिन्हा व अक्षय राम को बैज लगाया गया। मौक़े पर मौजूद सभी पुलिस अधिकारियों ने दोनों नव प्रोन्नत डीएसपी को प्रोन्नति पर शुभकामनाएं दी। इस दौरान पुलिस विभाग में उनकी लंबी सेवा अवधि के क्रम में किए गए उल्लेखनीय कार्यों व चुनौतियों पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, सिटी एसपी, रित्विक श्रीवास्तव व ग्रामीण एसपी, कपील चौधरी ने दोनो नव प्रोन्नत पदाधिकारियों को बैज लगाकर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल कार्यकाल की मंगल कामना की।

इस दौरान एसएसपी ने दोनो पदाधिकारियों को स्टार लगाकर पुलिस उपाधीक्षक की नई रैंक से अलंकृत करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अब तक के कार्यकाल से मिले अनुभव व निष्ठा पूर्वक आगे भी अपने कर्तव्य के निर्वहन करने की बात कही। नव प्रोन्नत दोनों ही पदाधिकारी बर्ष 1994 में बतौर एसआई बहाल हुए थे। कार्यक्रम के दौरान एसएसपी, प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी, कपील चौधरी, सिटी एसपी, ऋतविक श्रीवास्तव, डीएसपी, मुख्यालय 2, धीरेन्द्र नारायण बंका, डीएसपी मुख्यालय 1, शंकर कामती, डीएसपी साइबर, संजीव कुमार, डीएसपी ट्रैफिक, अरविन्द कुमार सिंह समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

बीसीसीएल और महिला विकास शिक्षण प्रशिक्षण समिति के बीच एमओयू साइन 50 शिक्षकों को मिलेगा मोंटेसरी प्रशिक्षण

धनबाद, धनबाद में एक महत्वपूर्ण एवं गरिमामयी अवसर पर भारत कोकिंग कोल लिमिटेड एवं महिला विकास शिक्षण प्रशिक्षण समिति के बीच एक साझा समझौता (MOU) साइन किया गया। इस समझौते के अंतर्गत बी सी सी एल द्वारा चयनित 50 शिक्षकों को मोंटेसरी पद्धति के अंतर्गत विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी महिला विकास शिक्षण प्रशिक्षण समिति को सौंपी गई है। इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन हेतु समिति की सचिव डॉ० अरविंदर कौर को औपचारिक रूप से कार्यभार सौंपा गया और एक MOU पर हस्ताक्षर कर इस अभियान की शुरुआत की गई। इस महत्वपूर्ण अवसर पर बी सी सी एल के चेयरमैन-सह-मैनेजिंग डायरेक्टर , डायरेक्टर पर्सनल तथा कंपनी की मानव संसाधन और सी एस आर टीम की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अधिकारियों ने इस पहल की सराहना की और इसे शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर बताया।डॉ ०अरविंदर कौर ने कहा कि यह समझौता समिति के लिए सम्मान की बात है और संस्था पूरी प्रतिबद्धता के साथ इस परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करेगी। उन्होंने बी सी सी एल के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह पहल निश्चित रूप से क्षेत्रीय शिक्षकों के कौशल को निखारेगी और बाल शिक्षा के स्तर को सशक्त बनाएगी। यह कार्यक्रम शिक्षा, प्रशिक्षण और सामाजिक विकास के क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी भागीदारी पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है।

सीएसआईआर-सीआईएमएफआर ने जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत "एक दिन एक वैज्ञानिक के रूप में" कार्यक्रम का आयोजन किया

धनबाद, प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद सीएसआईआर, सीएसआईआर-जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत अपनी सभी प्रयोगशालाओं में 21-25 जुलाई, 2025 के सप्ताह को "एक दिन एक वैज्ञानिक के रूप में" सप्ताह के रूप में मना रहा है।इस राष्ट्रव्यापी पहल के तहत, सीएसआईआर-केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान सीएसआईआर-सीआईएमएफआर, धनबाद ने 21 जुलाई, 2025 को "एक दिन एक वैज्ञानिक के रूप में" कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1, धनबाद और डीएवी, रांची के 43 छात्रों और 4 शिक्षकों का स्वागत किया गया।प्रतिभागियों ने निर्देशित प्रयोगशाला भ्रमण और वैज्ञानिक प्रदर्शनों सहित कई शैक्षिक और संवादात्मक गतिविधियों में भाग लिया। इन गतिविधियों का उद्देश्य स्कूली छात्रों में जिज्ञासा जगाना और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना था।सीएसआईआर-सीआईएमएफआर के निदेशक प्रो. ए.के. मिश्रा ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और युवाओं को विज्ञान और अनुसंधान में करियर तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कम उम्र से ही नवाचार और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने के महत्व पर ज़ोर दिया।

बौद्धिक प्रतिस्पर्धा का मंच ' एन क्वेस्ट 3.0' में झारखंड के छात्रों ने दिखाई उत्कृष्ट प्रतिभा

बोकारो। झारखंड राज्य के विद्यालयों के लिए आयोजित अंतर-विद्यालय क्विज प्रतियोगिता ' एन क्वेस्ट 3.0' का तीसरा संस्करण बोकारो क्लब में आयोजित किया गया. इस ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता में राज्य भर के 20 से अधिक विद्यालयों से कुल 170 टीमों (प्रत्येक टीम में 2 छात्र; कुल 340 प्रतिभागी) ने भाग लिया. कड़े प्रारंभिक दौर के बाद शीर्ष 12 टीमों का चयन किया गया, जिन्हें दो सेमीफाइनल ग्रुप में विभाजित किया गया. प्रत्येक ग्रुप से तीन-तीन टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल राउंड में अपनी जगह बनाई.

चार चरणों में आयोजित फाइनल मुकाबले में डीपीएस बोकारो ने शानदार प्रदर्शन कर विजेता का खिताब प्राप्त किया. डीएवी हेहल, राँची और चिन्मय विद्यालय, बोकारो को क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय उपविजेता घोषित किया गया. प्रतियोगिता में शीर्ष तीन टीमों को नकद पुरस्कारों के साथ सम्मानित किया गया,वहीं सेमीफाइनल एवं फाइनल में भाग लेने वाली सभी टीमों को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र एवं गिफ्ट हैंपर प्रदान किए गए. कार्यक्रम में बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) श्री अनीश सेनगुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें साथ में मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कताएवं एसीवीओ) श्री ज्ञानेश झा एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहें.मुख्य अतिथि श्री सेन गुप्ता ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए उनकी ज्ञान के प्रति जिज्ञासा, टीम भावना तथा प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण की सराहना की. श्री झा ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, समन्वय कौशल और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. कार्यक्रम का संयोजन बोकारो स्टील प्लांट के अधिकारियों की 'टीम enQuest' द्वारा किया गया, जिसमें ऋषि कांत गुप्ता, जनीशर इमाम, शुभम वर्मा, प्रभेश मिंज, अनुराग धीरज, राहुल पांडा,राहुल सिंह, आनंद वर्मा, अंकिता देव, राकेश संकृत्यायन, सौम्या खाती एवं आनंद राज शामिल रहें. आयोजन में मेसर्स NBCC, BPSCL, Zunpulse, Cakery, WheelsPlay तथा बोकारो क्लब का भी सहयोग प्राप्त हुआ.

नागरिकों द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर झरिया विधायक रागिनी सिंह ने क्षेत्र का दौरा किया

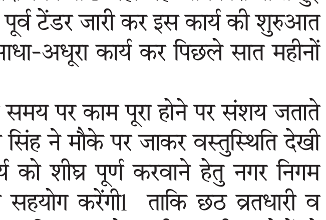

धनबाद, सोमवार को भागा के गडिवान पट्टी के तलाब विकास कार्य को लेकर स्थानीय नागरिकों द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर झरिया विधायक श्रीमती रागिनी सिंह ने क्षेत्र का निरीक्षण किया 1 जहां यह जानकारी प्राप्त हुई कि नगर निगम द्वारा लगभग दो वर्ष पूर्व टेंडर जारी कर इस कार्य की शुरुआत की गई थी 1 परंतु ठेकेदार द्वारा आधा-अधूरा कार्य कर पिछले सात महीनों से कार्य बंद कर दिया गया है।

आगामी छठ महापर्व को देखते हुए समय पर काम पूरा होने पर संशय जताते हुए झरिया विधायक श्रीमती रागिनी सिंह ने मौके पर जाकर वस्तुस्थिति देखी और आश्वस्त किया कि इस कार्य को शीघ्र पूर्ण करवाने हेतु नगर निगम से समन्वय स्थापित कर हरसंभव सहयोग करेंगी। ताकि छठ व्रतधारी व श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। वही स्थानीय लोगों ने विधायक श्रीमती सिंह का आभार प्रकट किया।

बीसीसीएल ने कौशल विकास और शिक्षक प्रशिक्षण के ज़रिए समुदायों को सशक्त बनाने हेतु दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर किए हस्ताक्षर

धनबाद।'कोयले से परे भी प्रभाव' की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) ने आज समुदाय विकास के क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण कदम उठाए। कंपनी ने दो परिवर्तनकारी समझौता ज्ञापनों (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनका उद्देश्य अपने संचालन क्षेत्र के युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना और स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर करना है।

समझौता ज्ञापन-1: स्थानीय युवाओं को उद्योग-उपयोगी कौशल से सशक्त बनाना बीसीसीएल ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के अंतर्गत आने वाले सेंट्रल टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर (सी टी टी सी), कोलकाता के साथ साझेदारी की है, जिसके अंतर्गत बीसीसीएल के कमांड क्षेत्र, विशेष रूप से परियोजना प्रभावित परिवारों (पीएपी) के 250 युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा और उन्हें प्लेसमेंट की भी गारंटी होगी।

प्रमुख बिंदु:

• चयनित युवा (10वीं पास, 12वीं पास और आईटीआई प्रशिक्षित) एक चयन प्रक्रिया के तहत चुने गए हैं।• इन्हें देशभर के प्रमाणित केंद्रों पर 10 प्रमुख ट्रेडों में प्रशिक्षित किया जाएगा जैसेः सीएनसी प्रोग्रामिंग, सीएनसी तकनीशियन (मिलिंग व टर्निंग), वेल्डिंग, कैड कैम, ग्राफिक व वेब डिज़ाइन, आदि।

• प्रशिक्षण, आवास, भोजन और यूनिफॉर्म सहित सम्पूर्ण खर्च बीसीसीएल द्वारा वहन किया जाएगा। • कुल परियोजना लागतः 3 करोड़ से अधिक। • प्रशिक्षण के बाद 100% प्लेसमेंट गारंटी। • इससे पहले के बैच को भी 100% प्लेसमेंट मिल चुका है, जिससे कार्यक्रम की सफलता सिद्ध होती है।

यह पहल बीसीसीएल की "केवल प्रशिक्षण नहीं, बल्कि रोजगार तक पहुंच" की सोच को प्रतिबिंबित करती है, जो युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

समझौता ज्ञापन-2: शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षा में गुणवत्ता सुधार शिक्षा की बुनियादी गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, बीसीसीएल ने धनबाद की महिला विकास शिक्षण प्रशिक्षण समिति (एमवीएसपीएस) के साथ एक अन्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कार्यक्रम बीसीसीएल-समर्थित स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के कौशल विकास पर केंद्रित है।

प्रमुख बिंदु

• धनबाद की 3 स्कूलों से चयनित 50 शिक्षकों को 6 माह का गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। • चयनित एजेंसी के पेशेवर प्रशिक्षक शिक्षण की आधुनिक तकनीकों, कक्षा प्रबंधन और डिजिटल टूल्स पर आधारित मॉड्यूल प्रदान करेंगे।

• कार्यक्रम की शुरुआत सितंबर 2025 से होगी और अध्ययन सामग्री अगस्त मध्य तक वितरित की जाएगी। • प्रशिक्षण में मॉन्टेसरी विधि, प्रारंभिक बाल शिक्षा और कक्षा नवाचार पर विशेष ध्यान रहेगा। • परियोजना की अनुमानित लागतः 18.75 लाख। • प्रशिक्षण के बाद प्रभाव मूल्यांकन किया जाएगा जिससे भविष्य की दिशा तय की जा सके। यह पहल न केवल शिक्षकों को आधुनिक शिक्षा पद्धतियों से लैस करेगी, बल्कि छात्रों के समग्र विकास में भी मददगार सिद्ध होगी।

समग्र विकास की दिशा में बीसीसीएल की पहल : इन दोनों नई पहलों के साथ-साथ बीसीसीएल पहले से ही कई सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम संचालित कर रहा है, जिनमें शिक्षा और कौशल विकास के लिए प्रमुख रूप से निम्नलिखित शामिल हैंः

• धनबाद के 79 स्कूलों में स्मार्ट क्लास व आईसीटी लैब की स्थापना, जो डिजिटल शिक्षा को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। • मल्टी स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमएसडीआई) के तीन केंद्रों में युवाओं का प्रशिक्षण व रोजगार सुनिश्चित करना। • पूर्व में सीआईपीईटी रांची व सी टी टी सी कोलकाता के साथ हुए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 100% प्लेसमेंट की सफलता। **"जन-प्रथम" सोच के साथ बीसीसीएल :** इस अवसर पर बीसीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री समीरन दत्ता ने कहा,"कोयला खनन हमारा मुख्य कार्यक्षेत्र है, लेकिन हमारी असली ताकत हमारे लोग हैं। इन पहलों के माध्यम से हम अवसर पैदा कर रहे हैं, प्रतिभा को निखार रहे हैं और समुदायों के साथ एक समृद्ध भविष्य की नींव रख रहे हैं।"बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन, धनबाद में आयोजित समझौता ज्ञापन समारोह में बीसीसीएल के सीएमडी श्री समीरन दत्ता के साथ ही निदेशक (कार्मिक) श्री मुरली कृष्णा रमैया, महाप्रबंधक (मानव संसाधन/सीएसआर) श्री कुमार मनोज, प्रबंधक (मानव संसाधन/सीएसआर) सुश्री निलांजना चक्रवर्ती, प्रबंधक (सीएसआर) श्री अभिजीत मित्रा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सी टी टी सी कोलकाता की ओर से प्राचार्य श्री शुभाशीष नाथ एवं श्री रक्तिम मुखर्जी तथा महिला विकास शिक्षण प्रशिक्षण समिति की ओर से डॉ. अरविंदर कौर ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। ये समझौता ज्ञापन न केवल बीसीसीएल को एक अग्रणी कोकिंग कोल उत्पादक के रूप में स्थापित करते हैं, बल्कि देश के कोयला क्षेत्रों में समावेशी विकास और सामाजिक परिवर्तन के प्रेरक के रूप में भी उसकी भूमिका को रेखांकित करते हैं।

नीलांजना चक्रवर्ती जनसम्पर्क के विभागाध्यक्ष बनीं

धनबाद । भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के सीएसआर विभाग में पदस्थापित वरीय प्रबंधक (एचआर) सुश्री नीलांजना चक्रवर्ती को बीसीसीएल के जनसम्पर्क विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है । इस आशय का आज निर्गत कार्यालय आदेश के अनुसार सुश्री नीलांजना चक्रवर्ती को जनसम्पर्क विभाग का विभागाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि वर्तमान जनसम्पर्क विभाग के विभागाध्यक्ष श्री उदय वीर सिंह को प्रबन्धक (हिन्दी) के पद राजभाषा विभाग में स्थानांतरित किया गया है ।

एक समान मुआवजा नीति तैयार करें बीसीसीएल : उपायुक्त

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने सोमवार को भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, बीसीसीएल के साथ भूमि से संबंधित विभिन्न मामलों पर बैठक आयोजित कर कोयला खनन, लीज बंदोबस्ती, भु-अर्जन आदि मामलों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उपायुक्त ने बीसीसीएल को उनके सभी क्षेत्रों के लिए बिंदुवार एक समान मुआवजा नीति तैयार करने तथा रैयतों के लिए न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि एक समान मुआवजा नीति से रैयतों को जानकारी होगी कि उन्हें भूमि के क्या-क्या कागजात देने हैं और भूमि के बदले उन्हें क्या मिलेगा। इससे भू-अर्जन में पारदर्शिता आएगी। रैयतों को उनका अधिकार मिलेगा। बैठक में भू-अर्जन से अर्जित भूमि का म्यूटेशन, रजिस्टर 2 में अपडेशन सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई।बैठक में उपायुक्त, आदित्य रंजन, वन प्रमंडल पदाधिकारी, विकास पालीवाल, अपर समाहर्ता, विनोद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, राजेश कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, राम नारायण खालको, आईटी मैनेजर, रूपेश कुमार मिश्रा, बीसीसीएल के महाप्रबंधक, भू-सम्पदा, सभी क्षेत्रीय महाप्रबंधक, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड मुगमा के महाप्रबंधक, सभी अंचल के अंचल अधिकारी व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

उपायुक्त ने कर्मियों के बीच किया स्वास्थ्य कार्ड का वितरण

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत समाहरणालय के कर्मियों को समाहरणालय सभागार में स्वास्थ्य कार्ड का किया वितरण।

इस संबंध में उपायुक्त ने बताया कि राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत विभिन्न विभागों में कार्य कर रहे राज्य कर्मियों, सेवानिवृत कर्मीयों एवं उनके आश्रितों को इस योजना के तहत आच्छादित अस्पतालों में पांच लाख रुपए तक की स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं गंभीर बीमारी की स्थिति में दस लाख रुपए तक की स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

इसी के तहत राज्य कर्मियों द्वारा ऑनलाइन फॉर्म के माध्यम से आवेदन किया गया था। जिसके फलस्वरुप धनबाद जिले में विभिन्न विभागों के लिए 30537 स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराया गया है।

उपायुक्त ने की राष्ट्रपति के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने आज राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के आगामी 1 अगस्त 2025 को आईआईटी, आईएसएम में निर्धारित कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। इस क्रम में उन्होंने राष्ट्रपति के आईआईटी,आईएसएम में आगमन, स्वागत, विश्राम कक्ष, ग्रीन रूम, ग्रीन रूम से कार्यक्रम स्थल तक रूट लाइन, डायस प्लान, राष्ट्रपति का स्वागत, आमंत्रण पत्र, प्रॉक्सिमिटी पास, मजिस्ट्रेट व पुलिस ड्यूटी पास, फोटोग्राफी सेशन सहित राष्ट्रपति के मिनट - टू - मिनट कार्यक्रम पर विस्तृत चर्चा की। उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रपति के विश्राम कक्ष से कार्यक्रम स्थल तक का रास्ता बिल्कुल क्लियर रहना चाहिए। प्रवेश द्वार के अनुसार सभी के लिए अलग-अलग रंग के पहचान पत्र होने चाहिए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने धनबाद एयरपोर्ट तथा बिरसा मुंडा स्टेडियम में हेलीकॉप्टर लेंडिंग, ड्रोप गेट, पुलिस व मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति, आईआईटी आईएसएम तक रूट लाइन को लेकर धनबाद नगर निगम, जिला परिवहन पदाधिकारी, झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड, पथ निर्माण विभाग, वन विभाग तथा भवन प्रमंडल को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।बैठक में उपायुक्त, आदित्य रंजन, ग्रामीण एसपी, कपिल चौधरी, सिटी एसपी, ऋत्विक श्रीवास्तव, उप विकास आयुक्त, सादात अनवर, नगर आयुक्त, रवि राज शर्मा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्रीमती हेमा प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी, राजेश कुमार, आईआईटी आईएसएम के रजिस्ट्रार, प्रबोध पांडेय, डीटीओ, दिवाकर सी द्विवेदी, निदेशक डीआरडीए, राजीव रंजन, एडीएम सप्लाई, जियाउल अंसारी, डीएसपी, सुमित कुमार, शंकर कामती, अरविंद कुमार सिंह सहित अन्य प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

सदर अस्पताल में मंगलवार को स्त्री रोग विभाग में रहेंगे डॉ. अंजना, नेत्र में डॉ. पिनाज

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन के निर्देश पर मंगलवार को सदर अस्पताल के मेडिसिन में डॉ० एम आलम और डॉ० शीला रहेंगे। जबकि हड्डी रोग में डॉ० हरेंद्र कुमार, सर्जरी में डॉ० प्रभात कुमार, नेत्र में डॉ० गोलु पिनाज, दंत रोग में डॉ० सुनिता सिन्हा, शिशु रोग में डॉ० उमेन्द्र तथा स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में डॉ० अंजना कुमारी रहेंगे।

वहीं गायनी इमर्जेंसी में सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक डॉ० संध्या तिवारी, दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक डॉ० सुमन तथा रात 8 बजे से बुधवार सुबह 8 बजे तक डॉ० सुरभी रहेंगे। जेनरल इमर्जेंसी में सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक डॉ निलम बाला, दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक डॉ एपिल तथा रात 9 बजे से बुधवार सुबह 9 बजे तक डॉ० मंगेश रहेंगे।

लोयाबाद कोलियरी कार्यालय में बीती रात लूटपाट की वारदात को दिया गया अंजाम

करीब 10 से 12 की संख्या में हथियारबंद अपराधियों ने आधी रात के बाद धावा बोला,

ड्यूटी पर तैनात रात्रि सुरक्षा गार्डों को बंधक बना लिया,

अपराधी बायोमेट्रिक हाजिरी मशीन की तीन बैटरियां लेकर फरार हो गए,

प्रबंधन ने बैटरियों की कीमत लगभग 20 हजार रुपये आंकी है,

लोयाबाद पुलिस से घटना की शिकायत की गई है,

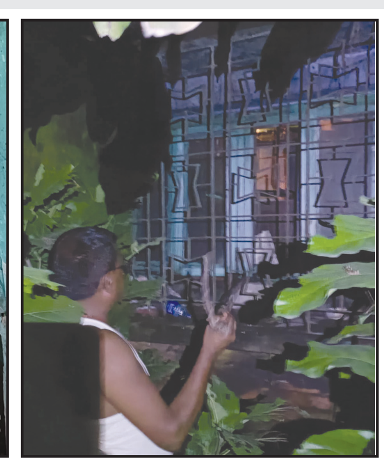

लोयाबाद।लोयाबाद कोलियरी कार्यालय में रविवार की रात बड़ी लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया गया।करीब 10 से 12 की संख्या में हथियारबंद अपराधियों ने आधी रात के बाद धावा बोला और ड्यूटी पर तैनात रात्रि सुरक्षा गार्डों को बंधक बना लिया।इसके बाद अपराधी बायोमेट्रिक हाजिरी मशीन की तीन बैटरियां लेकर फरार हो गए।प्रबंधन ने बैटरियों की कीमत लगभग 20 हजार रुपये आंकी है। घटना की लिखित शिकायत लोयाबाद पुलिस को दी गई है।घटना के संबंध में बताया गया कि रविवार रात सुरक्षा गार्ड कुर्बान मियां और सुरेश साव अपनी ड्यूटी पर थे। रात करीब ढाई बजे अचानक हथियारों से लैस बदमाशों का दल कार्यालय परिसर में घुस आया। अपराधियों ने दोनों गार्डों को हथियार दिखाकर एक कमरे में बंद कर दिया और उनके मोबाइल फोन भी छीन लिए।बदमाशों ने जान से मारने की धमकी भी दी,जिससे गार्ड सहम गए और विरोध नहीं कर सके।इसके बाद अपराधियों ने कार्यालय परिसर में कीमती सामानों की तलाशी ली,लेकिन केवल बायोमेट्रिक हाजिरी मशीन की बैटरियां ही उनके हाथ लगीं।लगभग आधे घंटे तक अपराधी कार्यालय में घूमते रहे,फिर तीन बैटरियां लेकर फरार हो गए।घटना के समय हाजिरी बाबू संजय पासवान की ड्यूटी थी,लेकिन उनकी अपराधियों से कोई आमना-सामना नहीं हुआ। प्रबंधक अभिषेक कुमार ने बताया कि बैटरियां ले जाने के बावजूद हाजिरी प्रक्रिया पर कोई असर नहीं पड़ा है,क्योंकि मशीन फिलहाल डायरेक्ट बिजली सप्लाई से संचालित हो रही है।इधर लोयाबाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और अपराधियों की तलाश जारी है।

दस डेसिमल से कम जमीन के म्यूटेशन में नहीं करें विलंब : उपायुक्त

जमीन मापी के लिए प्रतिनियुक्ति होंगे अतिरिक्त अमीन

धनबाद । दस डेसिमल से कम जमीन वाले रैयतों का म्यूटेशन,दाखिल खारिज करने में किसी भी अंचल में विलंब नहीं होना चाहिए। छोटे-छोटे भूखंड के स्वामी उनकी जमीन का म्यूटेशन नहीं होने से परेशान होते हैं। प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को समाहरणालय में आयोजित जनता दरबार में ऐसे कई मामले प्रकाश में आते हैं ।

उपरोक्त निर्देश उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने सोमवार को राजस्व संबंधी मामलों की समीक्षा के दौरान सभी अंचल के अंचल अधिकारियों को दिया। वहीं जमीन मापी संबंधित मामलों का त्वरित निष्पादन करने के लिए उपायुक्त ने अतिरिक्त अमीनों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने सरकारी विद्यालय सहित अन्य सभी सरकारी संपत्ति, जिसमें बाउंड्री वॉल नहीं है, या क्षतिग्रस्त है, का सीमांकन करके बाउंड्री वॉल बनाने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने एगारकुंड, कलियासोल, गोविंदपुर, झरिया, टुंडी, तोपचांची, धनबाद, निरसा, पुटकी, पूर्वी टुंडी, बलियापुर एवं बाघमारा अंचल में लंबित म्यूटेशन के मामले, जमीन सीमांकन, ई-रिवेन्यू कोर्ट,आरसीएमएस, परिशोधन पोर्टल की समीक्षा की।

उपायुक्त ने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, नॉलेज पार्क, टेक्निकल यूनिवर्सिटी, अंतर राज्य बस टर्मिनल, केंद्रीय कारा निर्माण इत्यादि के लिए भूमि चिह्नित कर शीघ्र संबंधित विभाग को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त, आदित्य रंजन, अपर समाहर्ता, विनोद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, राजेश कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, राम नारायण खालको, आईटी मैनेजर, रुपेश कुमार मिश्रा के अलावा सभी अंचल के अंचल अधिकारी मौजूद थे।

धनबाद में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम काला हीरा में देश के विभिन्न नाट्य टीमों ने रंगमंच की शानदार प्रस्तुति की

धनबाद, सामुदायिक भवन सीसीडब्लूओ में आयोजित 9 वां ऑल इंडिया मल्टीलिंगुअल ड्रामा,डांस, ड्राइंग एंड म्यूजिक कंपटीशन फेस्टिवल काला हीरा के चौथे दिन कार्यक्रम का शुभारंभ आल इंडिया थिएटर कॉउन्सिल के पदाधिकारीयों एवं स्थानीय अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का शुरुआत भागलपुर के कलाकार ऋषि राज ने कहानियां सुनाती है, पवन आती जाती है, गाना गाकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। आगे सांस्कृतिक नृत्य में ऑल इंडिया थिएटर काउंसिल के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, सुनील दत्त विश्वकर्माकी हुनर संस्थान, आजमगढ़ क्लासिकल ग्रुप डांस टीम ने दर्शनीय मनोहर प्रस्तुतियां पेश कर दर्शकों का दिल जीत लिया । तत्पश्चात विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने एकल अभिनय प्रस्तुत किया। सोमवार को विभिन्न राज्य के नाट्य टीमों जिसमें द रंग आर्ट एंड कल्चर एंड सोसाइटी वेलफेयर ट्रस्ट गिरिडीह ने ए काइंड ऑफ़ प्रेगनेंसी का भावपूर्ण मंचन किया। तत्पश्चात आईना गिरिडीह की टीम ने आशियाना एक छोटा भारत का बहुत ही शानदार मंचन किया। विनज्ज़ एंटरटेनमेंट फिल्म गिरिडीह झारखंड गज फुट इंच की प्रस्तुति की। मध्य प्रदेश ग्वालियर के आईटीएम परफॉर्मिंग आर्ट्स क्लब शमशान महापर्व का नाटक की प्रस्तुत पेश किया।जमशेदपुर की डेट टीम डेड मॉम अप की प्रस्तुति की , कलाकृति नाट्य टीम जमशेदपुर ने नाग मंडल की प्रस्तुति की। ताल नाट्य मंच जमशेदपुर ने आदाब की प्रस्तुति की ।काला हीरा के पनोहततवा नाट्य टीम जमशेदपुर ने अंधेरी गलियों में एक रात की शानदार प्रस्तुति दी। मंगलवार को विभिन्न राज्यों से आए अन्य नाट्य टीमें अपना रंग मंचन करेगी। नाट्य टीमों की व्यवस्था में हेमंत कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष,नरेश राय वाइस प्रेसिडेंट मिताली मुखर्जी, देवनारायण, उत्तम विश्वकर्मा,सतीश कुमार, रविकांत उर्फ आर्या कुमार शिवानी,वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा,सरसी चंद्रा,संजय चंद्रा, यूसी मिश्रा चंद्रिका राम का सराहनीय योगदान रहा । सोमवार को नाट्य मंच के निर्णायको में ऑल इंडिया थिएटर काउंसिल के मो० निजाम, अशोक मानव, योगेश मेहता,वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा, प्रदीप बाजपेई,रजीत सिंह कँवर अष्टभुजा मिश्र थे, जो बेस्ट नाटक, बेस्ट एक्टर, बेस्ट एक्ट्रेस सहित अन्य आवार्डो की घोषणा मंगलवार को समापन के दिन करेंगे। 22 जुलाई मंगलवार समापन दिवस पर सभी विजेताओं को अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह, मेडल एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। मौके पर काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax NO. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▸ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।